राष्ट्रीय दैनिक

प्रात:किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 राज्य का दर्जा मांगते ही होता है आतंकी हमला, कुलगाम....

जसप्रीत बुमराह श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज.... 11

वर्ष : 17 | अंक : 101 | नई दिल्ली, सोमवार, 03 अगस्त, 2026 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 38.0°C

न्यूनतम तापमान 26.3°C

राजधानी पटना व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	60%
नहीं	30%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	1,42,350
चांदी	2,35,000
सेंसेक्स	77,656.40
निफ्टी	24,249.45

संक्षिप्त खबरें

कंगना रनौत ने अनुचित टिप्पणियों को लेकर ऋतिक रोशन पर निशाना साधा

नई दिल्ली। अभिनेत्री कंगना रनौत ने अनुचित टिप्पणियां करने पर ऋतिक रोशन पर तीखा हमला बोला और उन पर ऑनलाइन ट्रोलिंग को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। ऋतिक ने हाल में इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी थी, जिसमें लिखा था हमें ऋतिक रोशन से माफी मांगनी चाहिए। यह पोस्ट विद्यार्थियों के विरोध प्रदर्शनों पर कंगना की हालिया टिप्पणियों के बाद साझा की गई थी। इस पर ऋतिक ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि लोगों को ऑनलाइन विमर्श से बहकना नहीं चाहिए और वह कोई भी रुख अपनाने से पहले सही संदर्भ और तथ्यों को परखेंगे। उन्होंने कहा, मेरे दोस्त, सिर्फ इसलिए ए का पक्ष लेना कि अब तुम्हें बी पसंद नहीं है, यह हमारे समाज को जकड़े हुए उस बड़ी और गहरी समस्या का एक छोटा-सा हिस्सा है। मैं इंतजार करूंगा कि इस मुद्दे पर सही संदर्भ में और तथ्यों के आधार पर बात हो। वही निष्पक्ष होगा। लेकिन फिर भी, अब इसकी परवाह किसे है ? कंगना रनौत ने शनिवार को ऋतिक रोशन की प्रतिक्रिया से जुड़ी खबर अपनी ह्यइंस्टाग्राम स्टोरीह्न पर दोबारा साझा करते हुए कहा कि अभिनेता को उन लोगों की निंदा करनी चाहिए, जो उनके नाम का इस्तेमाल कर उन्हें (कंगना) लगातार परेशान कर रहे हैं और ऑनलाइन निशाना बना रहे हैं। कंगना ने लिखा, प्रिय ऋतिक, मुझे खुशी है कि तुम्हें तुम्हारा आदर्श जीवनसाथी सबा आजाद मिल गई है। तुम दोनों साथ में बेहद अच्छे लगते हो और एक प्रतिबद्ध रिश्ते में हो। ऐसे में किसी महिला का इस तरह मजाक उड़ाना तुम्हें शोभा नहीं देता। उन्होंने लिखा, इसके बजाय, आपको उन सभी लोगों की निंदा करनी चाहिए जो आपका नाम लेकर मुझे परेशान कर रहे हैं। आग में घी डालना और अपने साथी को शर्मिंदा करना बंद करें। उम्मीद है कि आपको सद्बुद्धि आएगी और आप अनुचित टिप्पणियां करना बंद करेंगे।

नशीले पदार्थों का व्यापार दुश्मन देशों के आतंकी एजेंडे का हिस्सा : पीएम मोदी

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि दुश्मन देश भारत में ड्रग्स भेजकर और युवाओं को निशाना बनाकर देश को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने अवैध ड्रग्स के कारोबार को दुश्मन के आतंकवादी एजेंडे का हिस्सा बताया। नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान की शुरूआत के मौके पर युवाओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने उनसे नशे से दूर रहने और 2047 तक विकसित भारत बनाने में अहम भूमिका निभाने का आग्रह किया। पीएम मोदी ने कहा, जब कोई युवा नशे की लत का शिकार होता है, तो सिर्फ वही व्यक्ति नहीं हारता, बल्कि एक सपना भी टूट जाता है। नशे की लत के नतीजे सिर्फ व्यक्ति और परिवार तक ही सीमित नहीं रहते, बल्कि देश पर भी इसका दुष्प्रभाव पड़ता है। इससे देश की ताकत कमजोर होती है और दुश्मन देश हमारे युवाओं को नशे के जाल में फंसाने के

लिए हर मुमकिन कोशिश करते हैं। नशीले पदार्थों की तस्करी को भारत को नुकसान पहुंचाने की एक सोची-समझी चाल बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, ड्रग्स की सप्लाई से मुनाफा कमाना और हमारे जैसे देश को बर्बाद करने की कोशिश करना भी उनके आतंकी एजेंडे का हिस्सा है। इसलिए, हमें हर युवा को नशे की लत से बचाना है। आपको ड्रग्स से दूर रहकर अपनी क्षमता को बचाए रखना होगा। नशे के सेवन के लंबे समय तक रहने वाले बुरे नतीजों के बारे में युवाओं को आगाह करते हुए उन्होंने कहा, ड्रग्स आपको कुछ समय के लिए तो नशा या उत्साह देते हैं, लेकिन वे आपके परिवार को बर्बाद कर देते हैं। नशा छुड़ाने और सुधार (रिहैबिलिटेशन) के महत्व पर जोर देते हुए पीएम मोदी ने कहा, इसे सामाजिक प्रतिष्ठा के दबाव में छिपाएं नहीं। जिन्हें मदद की जरूरत है, उन्हें मदद लेनी चाहिए। उनसे खुलकर बात करें, विशेषज्ञों की मदद लें और मेडिकल प्रोफेशनल्स के सहयोग से अपने बच्चे को नशे की लत से मुक्त कराने की कोशिश करें। हमें परिवार के भीतर बच्चों के साथ खुलकर बातचीत करने का माहौल भी बनाना चाहिए ताकि इससे पहले कि वे ऐसी स्थिति में फंसें, हम उनका हाथ थाम सकें। अगर आप थोड़ा ध्यान दें तो आपको संकेत मिल जाएंगे, आप उनके व्यवहार में बदलाव देख सकते हैं। वे खोए-खोए से लग सकते हैं, अपना चेहरा छिपाने लग सकते हैं, अपने कमरों में बंद रह सकते हैं, देर रात घर आ सकते हैं या बेवजह पैसों की मांग कर सकते हैं।

दिल्ली में राष्ट्रपति मुर्मु ने पीबीजी सोल्जरथॉन को दिखाई हरी झंडी

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में आयोजित एक समारोह में पीबीजी सोल्जरथॉन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान मिजोरम के राज्यपाल जनरल वीके सिंह भी मौजूद रहे, जो इस पहल के संरक्षक हैं। सैनिकों के साथ दौड़ें-सैनिकों के लिए दौड़ें थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम का मकसद फिटनेस और देशभक्ति को बढ़ावा देने के साथ-साथ भारत के सशस्त्र बलों के साहस, बलिदान और सेवा का सम्मान करना था। इस सोल्जरथॉन में सैनिकों और आम नागरिकों ने हिस्सा लिया। उन्होंने सशस्त्र बलों के साथ एकजुटता दिखाते हुए एक साथ दौड़ लगाई। राष्ट्रीय ध्वज और कार्यक्रम के बैनर लिए हुए प्रतिभागियों ने देश के सैनिकों के प्रति एकता और आभार की भावना को प्रदर्शित किया। राष्ट्रपति ने कहा, सैनिकों के लिए दौड़ें, सैनिकों के साथ दौड़ें के विजन से प्रेरित ह्यसोल्जरथॉनह्न आम नागरिकों और सशस्त्र बलों के

बीच संबंधों को मजबूत करने का एक अनूठा मंच है। असली नायकों (सशस्त्र बलों) का समर्थनह्न थीम पर आधारित यह आयोजन हमारे सैनिकों के समर्पण, साहस और बलिदान को सम्मान देता है और साथ ही नागरिकों को सक्रिय भागीदारी के जरिए उनके प्रति एकजुटता दिखाने के लिए प्रोत्साहित करता है। वहीं, केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया और रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने भारत की आजादी के 79 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में एनसीसी साइक्लोथॉन 2026 को हरी झंडी दिखाई। इसमें बॉक्सर और ओलंपिक मेडलिस्ट मैरी कॉम ने भी हिस्सा लिया। मनसुख मांडविया ने कहा, आज का दिन खास है। भारत की आजादी के 79 साल पूरे होने के जश्न के तहत 79 एनसीसी कैडेट इस साइक्लोथॉन में हिस्सा ले रहे हैं। एनसीसी फिटनेस, अनुशासन और समाज सेवा का प्रतीक है। ये कैडेट देश का भविष्य और हमारी उम्मीद हैं। इस साइक्लोथॉन के जरिए आप यह संदेश दे रहे हैं कि युवा एक विकसित भारत बनाने में अपनी भूमिका निभाएंगे। एनसीसी साइक्लोथॉन 2026 के मौके पर बॉक्सर और ओलंपिक मेडलिस्ट मैरी कॉम ने कहा, एनसीसी साइक्लोथॉन 2026 दिल्ली में आयोजित हुआ। मैं युवाओं से कहना चाहती हूं कि जिंदगी में बहुत कुछ हासिल करना जरूरी है। एनसीसी की यूनिफॉर्म सिर्फ एक कपड़ा नहीं है, बल्कि यह देश के प्रति जिम्मेदारी निभाने का संकल्प होता है। यही बच्चों को सिखाना जरूरी है। उधर, दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से नशा मुक्त भारत थीम पर आधारित ह्यफिट इंडिया संडेज ऑन साइकिलह्न का 84वां संस्करण शुरू किया गया।

प्रधानमंत्री के फैसलों में डोभाल की सलाह रही है महत्वपूर्ण : शाह

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को पुणे में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को ह्यलोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार 2026ह्न से सम्मानित किया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के फैसलों में श्री डोभाल की सलाह का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने अण्णाभाऊ साठे की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे तथा सुनेत्रा पवार और केन्द्रीय सहकारिता राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। श्री शाह ने लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की 106 वीं पुण्यतिथि पर स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा और अर्थ देने वाले उनके ह्लस्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगाह्व के मंत्र का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, हमारा शासन, भाषा, संस्कृति और हमारा धर्म जब प्रस्थापित होता है, तभी पूर्ण स्वराज की प्राप्ति होती है। तिलक महाराज ने स्वराज और स्वतंत्रता के आंदोलन के साथ जनता को जोड़ने का काम किया। उन्होंने कहा कि तिलक महाराज ने स्वतंत्रता आंदोलन में एक नए प्रकार के राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को जन्म दिया। उन्होंने कहा ,तिलक महाराज ने भविष्य में देश के चलने की दिशा भी तय कर दी और कहा कि यह देश जब भी आजाद होगा इसी रास्ते पर चलेगा। आज हमारा देश सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के रास्ते पर चल पड़ा है। श्री शाह ने कहा कि तिलक महाराज एक शिक्षक और प्रखर पत्रकार थे। एक युग पुरुष, महान शिक्षक, निर्भीक पत्रकार, चिंतक और कर्मयोगी, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के समान पूरे स्वतंत्रता संग्राम में कोई नहीं था। श्री डोभाल को लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार दिये जाने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पुरस्कार कोई तमगा नहीं बल्कि लोगों को प्रेरणा देने और बड़े लोगों के काम को मान्यता देने की एक पद्धति है। उन्होंने कहा ,ह्व कोई व्यक्ति जब समाज के किसी भी क्षेत्र में बहुत बड़ा काम करता है, तब वह व्यक्ति नहीं रह जाता बल्कि बहुत आगे निकल जाता है। समाज का उत्तरदायित्व है कि ऐसे व्यक्तियों का सम्मान करे। श्री डोभाल तिलक पुरस्कार मिलना इस देश के लिए जीने वाले और काम करने वाले हर क्षेत्र के नागरिकों के लिए एक बहुत बड़ा प्रेरणास्रोत बनेगा।

मध्यस्थता के जरिए विवादों का समाधान हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है: सूर्यकांत

प्रात: किरण, एजेंसी

जयपुर। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि आपसी सहमति और मध्यस्थता के जरिए विवादों का समाधान भारतीय सभ्यता और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने राष्ट्रमंडल शांति मध्यस्थता सम्मेलन के दूसरे दिन मुख्य संबोधन में कहा कि इसकी जड़ें वेदों, प्राचीन इतिहास, कौटिल्य के विचारों और महात्मा गांधी के सिद्धांतों में मिलती हैं। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता केवल कानूनी प्रक्रिया नहीं, बल्कि संवाद, विश्वास और रिश्तों को बनाए रखने का प्रभावी माध्यम है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि भारत में 2023 के मध्यस्थता अधिनियम से बहुत पहले से ही विवादों को बातचीत और सहमति के आधार पर सुलझाने की परंपरा रही है। हाल के वर्षों में विधायिका और न्यायपालिका ने मध्यस्थता व्यवस्था को और मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि रामायण, महाभारत और अन्य प्राचीन ग्रंथों में भी मध्यस्थता के कई उदाहरण मिलते हैं। उन्होंने कौटिल्य के अर्थशास्त्र का उल्लेख करते हुए कहा

कि शासन के चार उपायों में सबसे पहले साम यानी समझाइश और संवाद को रखा गया है, जो मध्यस्थता की मूल भावना को दर्शाता है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने महात्मा गांधी का उल्लेख करते हुए कहा कि गांधीजी ने अपने वकालत के जीवन में दो पक्षों के बीच समझौता कराने को सबसे संतोषजनक अनुभव बताया था। इससे स्पष्ट होता है कि आपसी सहमति से विवाद सुलझाने की परंपरा भारत की संस्कृति में गहराई से समाई हुई है। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता का उद्देश्य केवल विवाद समाप्त करना नहीं, बल्कि रिश्तों को सुरक्षित रखते हुए सभी पक्षों के हितों के अनुरूप समाधान निकालना है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने लोगों से न्यायालय की लंबी प्रक्रिया में जाने से पहले संवाद और मध्यस्थता जैसे विकल्पों को अपनाने का भी आह्वान किया।

सीएम रेखा गुप्ता ने लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को मयूर विहार फेज-2 स्थित लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल का दौरा किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अस्पताल की ओपीडी, आपातकालीन सेवाओं, विभिन्न वार्डों, दवा वितरण केंद्रों और अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं का गहन जायजा लिया। सीएम रेखा गुप्ता ने अस्पताल में मौजूद मरीजों एवं उनके परिजनों से संवाद किया और उन्होंने उनके अनुभव, सुझाव और अपेक्षाएं सुनीं तथा कहा कि जनता से सीधा संवाद ही बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था का आधार है। मुख्यमंत्री ने अस्पताल में साफ-सफाई, दवाइयों की उपलब्धता और चिकित्सा सेवाओं का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को आवश्यक सुधार तत्काल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार के लिए हर मरीज का विश्वास सर्वोपरि है और प्रत्येक नागरिक को समय पर, सम्मानजनक एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दौरान रेखा गुप्ता ने लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में मौजूद

डॉक्टरों को कई दिशा-निर्देश दिए साथ ही अस्पताल में आ रही परेशानियों के बारे में भी बात की। उन्होंने मरीजों से मिल रहे उपचार, दवाओं की उपलब्धता और अस्पताल की सामान्य व्यवस्थाओं के बारे में फीडबैक लिया। अस्पताल प्रशासन और संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ह्लमरीजों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। सभी स्वास्थ्य सेवाएं उच्च गुणवत्ता और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराई जाएं, दवाओं की किल्लत न हो और वितरण प्रणाली को और पारदर्शी बनाया जाए।ह्व बता दें कि इससे पहले भी सीएम रेखा गुप्ता ने दिल्ली के लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। जहां रविंद्र सिंह नेगी ने पटपड़गंज विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं और जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया था। निरीक्षण के बाद रविंद्र नेगी ने कहा था कि मुख्यमंत्री का यह औचक निरीक्षण स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक जवाबदेह और प्रभावी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। पटपड़गंज सहित संपूर्ण पूर्वी दिल्ली के निवासियों को और अधिक बेहतर, सुलभ और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त होंगी।

जंतर-मंतर प्रोटेस्ट में तोड़फोड़ करने वाला था संदिग्ध जैश आतंकी

पश्चिम बंगाल STF ने दावा किया है कि बर्धमान जिले से गिरफ्तार संदिग्ध जैश-ए-मोहम्मद ऑपरेटिव हमीम मंडल ने दिल्ली के जंतर-मंतर प्रोटेस्ट में तोड़-फोड़ की साजिश रची थी। STF के मुताबिक, पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स ने हमीम को उखढ के छात्र प्रदर्शन में पुलिस की वर्दी पहनकर घुसने और वहां अशांति फैलाने का निर्देश दिया था। STF के IG गौरव शर्मा के मुताबिक, हमीम को बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की गतिविधियों पर नजर रखने और उनकी सुरक्षा से जुड़ी जानकारी जुटाने का भी काम सौंपा गया था। हमीम को दो दिन पहले पूर्व बर्धमान से गिरफ्तार किया गया था। अदालत ने उसे 14 दिन की STF हिरासत में भेज दिया है। STF ने हमीम की गर्लफ्रेंड अर्पिता सरकार को भी झारखंड से गिरफ्तार किया है। एजेंसी का दावा है कि दोनों पाकिस्तान से जुड़े शाहजाद भट्टी गैंग के इशारे पर काम कर रहे थे। राज्य मंत्री के बेटे को हनी ट्रैप में फंसा रही थी अर्पिता हमीम और उसकी गर्लफ्रेंड पर बंगाल के राज्य मंत्री उमेश राय के बेटे को हनीट्रैप कर अगवा करने और परिवार से वसूली की साजिश रचने का भी आरोप है। STF के मुताबिक, अर्पिता कई नेताओं और अन्य चर्चित लोगों से हनीट्रैप के जरिए जानकारी जुटाकर हमीम तक पहुंचाती थी। उसके वॉट्सऐप चैट से पाकिस्तान से जुड़े संपर्कों के संकेत मिले हैं। STF के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि जांच में पता चला है कि यह साजिश पाकिस्तान के हैंडलर्स ने रचाई थी। हर आरोपी की भूमिका, इसमें और कितने लोग शामिल थे, इसकी जांच कर रहे हैं। सोशल मीडिया से कट्टरपंथी बना हमीम, विदेशी रक्ट भी मिले, STF के 5 दावे STF के अनुसार, हमीम सोशल मीडिया के जरिए कट्टरपंथ की ओर आकर्षित हुआ और बाद में पाकिस्तान स्थित ऑपरेटिव्स के संपर्क में आया। जांच में उसके और अर्पिता के पास से ब्रिटेन और मैक्सिको के इंटरनेशनल रक्ट कार्ड बरामद हुए हैं। एजेंसी को शक है कि इन रक्ट कार्ड का इस्तेमाल हैंडलर्स और स्लीपर सेल से एन्क्रिप्टेड बातचीत के लिए किया जाता था।

कहा-चार साल में 6 पेपर लीक, फिर भी इनकार कर रहे सीएम मान....

चढ़ावा चोरी की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एसआईटी करे जांच : कांग्रेस

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के आरोपों की उच्चतम न्यायालय की निगरानी में विशेष जांच दल (एसआईटी) से व्यापक एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। पार्टी का कहना है कि राम मंदिर से जुड़े पदाधिकारियों की नियुक्ति ट्रस्ट की बजाय भाजपा के इशारे पर हुई है और चढ़ावा चोरी का खुलासा होने के बाद इस्तीफे देना इस पूरे मामले की गंभीरता को दशार्ते हैं इसलिए पूरे प्रकरण की इसकी निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। राज्यसभा में कांग्रेस के उपनेता प्रमोद तिवारी ने रविवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि अयोध्या में भूमि अधिग्रहण से लेकर मंदिर निर्माण

और चढ़ावे के प्रबंधन तक लगातार कई गंभीर अनियमितताएं हुई हैं। उन्होंने कहा कि मंदिर ट्रस्ट ने सात भूखंडों की खरीद की है और वे भूखंड राम मंदिर से काफी दूर हैं। इन भूखंडों का मंदिर के लिए कोई उपयोग नहीं है ऐसे में इन खरीदों का उद्देश्य स्पष्ट किया जाना चाहिए। श्री तिवारी ने कहा, राम मंदिर में सिर्फ चढ़ावे की चोरी नहीं हुई, बल्कि शिला पूजन के समय से ही चोरी शुरू हो गई थी।ह्व उन्होंने कहा कि वह अवध क्षेत्र के रहने वाले हैं और वर्ष 1985 से 1990 के बीच उत्तर प्रदेश सरकार में पर्यटन मंत्री रहे हैं। उनका दावा था कि उन्होंने राम जन्मभूमि आंदोलन को शुरू से बहुत करीब से देखा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने मंदिर निर्माण से अधिक मंदिर आंदोलन का राजनीतिक लाभ उठाने का प्रयास किया। उनका कहना यह भी कहना था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंदिर का उद्घाटन तब किया, जब निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ था। इसे परंपराओं के विपरीत बताते हुए उन्होंने दावा किया कि इसका राजनीतिक असर भी भाजपा पर नकारात्मक पड़ा है और उसकी लोकसभा की सीटें 306 से घटकर 240 पर आई हैं। कांग्रेस नेता ने मंदिर समिति द्वारा अनाप शनाप खर्च किए जाने का आरोप लगाया और कहा कि मंदिर उद्घाटन समारोह पर 112 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जबकि मंदिर का निर्माण उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद हुआ। उन्होंने यह भी दावा किया कि राम मंदिर में चढ़े सोने और चांदी को पिघलाकर उससे प्राप्त धन को शेयर बाजार में निवेश किया गया। उन्होंने कहा कि इन सभी आरोपों की निष्पक्ष जांच आवश्यक है। श्री तिवारी ने कहा, मैं यह नहीं कहता कि भाजपा में सभी चंदा चोर हैं, लेकिन यदि चढ़ावा चोरी की लिस्ट तैयार की जाए तो उसमें सारे चंदा चोर भाजपा में हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा इस मामले में जवाबदेही से बचना चाहती है, लेकिन अब सचाई सामने आनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि पूरे प्रकरण की उच्चतम न्यायालय की निगरानी में एसआईटी से व्यापक और निष्पक्ष जांच कराई जाए।

सांसद पप्पू यादव पर दिल्ली में शख्स ने चप्पल फेंकी:समर्थकों ने पीटा

प्रात: किरण, एजेंसी

बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव पर उनके दिल्ली में स्थित आवास पर रविवार शाम एक शख्स ने हमला कर दिया। पप्पू यादव प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे, इसी बीच एक आदमी ने उनके ऊपर चप्पल फेंक दी। इसके बाद पप्पू के समर्थकों ने उसके साथ मारपीट की। पप्पू ने आरोप लगाया कि एक युवक ने चाकू लेकर उनकी हत्या की कोशिश की। उन्होंने कहा कि पप्पू यादव ने शुक्रवार को संसद में चंदा चोरी का नाटकर किया था, जिसके बाद लखनऊ के एक हिंदूवादी नेता ने उनका सिर लाने वाले को 51 लाख रुपए का इनाम देने का ऐलान किया था। हमले के बाद पप्पू यादव ने मीडिया से कहा- आपके सामने ही हमला हुआ है ? मेरा का क्या गुनाह है ? गुनाह बृजभूषण तिवारी का है, चंपत

राय का है।समर्थकों का दावा- अतीक हत्याकांड जैसी वारदात की प्लानिंग थी पप्पू यादव के मीडिया संयोजक ने कहा- हमलावरों ने पहले चप्पल फेंकी, फिर चाकू निकालकर हमला करने की कोशिश की। दिल्ली पुलिस मूकदर्शक बनी रही और हमलावरों को बचाने में लगी थी। उनका दावा है कि हमलावर प्रयागराज के अतीक अहमद हत्याकांड जैसी वारदात को अंजाम देने आए थे। एक समर्थक बोला- हमलावर के चाकू से उंगली में चोट लगी प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद एक अन्य समर्थक ने कहा- तीन-चार लोग अचानक वहां पहुंचे और चाकू से हमला करने की कोशिश की। मैंने पप्पू यादव को बचाने के लिए अपना हाथ आगे कर दिया। चाकू से मेरी ऊंगली पर कट लगा, इसके बाद भी हमलावर हमला करते रहे और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। शनिवार को हिंदू संगठनों ने पप्पू की पत्नी के घर के बाहर हंगामा किया था शनिवार को पप्पू यादव की पत्नी और राज्यसभा सांसद रंजीत रंजन के दिल्ली स्थित आवास के बाहर बजरंग दल के कार्यकताओं और साधु-संतों ने विरोध प्रदर्शन किया था। इस पर रविवार को पप्पू यादव ने चेतावनी देते हुए कहा- 31 जुलाईः पप्पू ने राममंदिर चंदा चोरी का नाटक किया मानसून सत्र के 10वें दिन पप्पू यादव भगवा चोला पहनकर साधु के वेश में दानपेटी लेकर संसद भवन पहुंचे थे।

संक्षिप्त समाचार

मंदाकिनी नदी के शोर से उड़ जाती है देवीबगड़ के ग्रामीणों की नींद

बंगापानी (पिथौरागढ़)। मदकोट कस्बे के देवीबगड़ में मंदाकिनी नदी के लगातार हो रहे कटाव से 22 परिवार खतरे की जद में आ गए हैं। नदी की तेज धारा से सिंचाई विभाग और बीआरओ की ओर से सुरक्षा के लिए लगाए गए क्रेटवाल क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। अब नदी ने दोबारा जमीन का कटाव शुरू कर दिया है। ग्रामीणों को आशंका है कि एक-दो दिन लगातार बारिश हुई तो नदी आबादी के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकती है। देवीबगड़ में मकानों और नदी के बीच अब काफी कम दूरी बची है। ग्रामीणों का कहना है कि पिछली बरसात में नदी के कटाव से हल्का नुकसान हुआ था लेकिन इस बार खतरा सीधे मकानों पर मंडरा रहा है। नदी का जलस्तर बढ़ने के साथ कटाव भी तेज हो जाता है। इससे लोगों में दहशत का माहौल है और वे रात में भी चैन से नहीं सो पा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पिछली बरसात के बाद सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाते तो दोबारा ऐसी स्थिति पैदा नहीं होती। उनका आरोप है कि विभाग क्रेटवाल बनाकर जिम्मेदारी पूरी कर देता है, लेकिन इनके क्षतिग्रस्त होने के बाद समय रहते मरम्मत नहीं की जाती। उन्होंने नदी के कटाव को रोकने के लिए स्थायी सुरक्षा व्यवस्था करने की मांग की है। ये परिवार हैं खतरे की जद में विजय सिंह राणा, केदार सिंह पांगती, बृजेश धर्मशक्तू, चंद्र सिंह कोरंगा, तेज सिंह धर्मशक्तू, उत्तम सिंह, बहादुर सिंह, नरेंद्र रावत, हयात सिंह कोरंगा, भूपाल सिंह धर्मशक्तू, लक्ष्मण कोरंगा, मथुरा देवी, भीम सिंह भंडारी, आदित्य बिष्ट, गिरीश बिष्ट, भगत राम, डीला देवी, जानकी देवी, बेलमती देवी, लक्ष्मण सिंह मेहता, गंगा सिंह पांगती और यशवंत मेहता।

रीठासाहिब में हेलीपैड तैयार, जल्द होगा हस्तांतरण

चंपावत। प्रसिद्ध धार्मिक स्थल रीठासाहिब में हेलीपैड का निर्माण पूरा हो गया है। अब जल्द ही इसे संबंधित विभाग को हस्तांतरित करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। हेलीपैड बनने से भविष्य में यहां हेलिकॉप्टर सेवा शुरू होने की उम्मीद बढ़ गई है। इससे देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आवागमन में सुविधा मिलने के साथ क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलने की संभावना है। ग्रामीण निर्माण विभाग ने करीब 16.35 लाख रुपये की लागत से हेलीपैड का निर्माण कराया है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और अब हस्तांतरण संबंधी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। रीठासाहिब सिख समुदाय का प्रमुख आस्था केंद्र है। मान्यता है कि अपनी यात्रा के दौरान गुरु नानक देव ने अपने शिष्य भाई मरदाना की भूख मिटाने के लिए कड़वे रीठों को मीठा कर दिया था। इसी मान्यता के चलते रीठासाहिब का सिख श्रद्धालुओं के बीच विशेष धार्मिक महत्व है। यहां वर्षभर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मत्था टेकने पहुंचते हैं। हेलीपैड बनने से धार्मिक यात्राओं के साथ आपातकालीन सेवाओं में भी सुविधा मिलने की उम्मीद है। भविष्य में हेलिकॉप्टर सेवा शुरू होने पर दूरदराज के क्षेत्रों से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए रीठासाहिब की यात्रा अधिक सुगम हो सकेगी। इससे क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को भी गति मिलने की संभावना है।

पांच दिन से थमी हेलिकॉप्टर की उड़ान, टैक्सी के भरोसे यात्री

पिथौरागढ़। खराब मौसम के कारण पिथौरागढ़ से संचालित हवाई सेवाएं लगातार प्रभावित हो रही हैं। हल्द्वानी, अल्मोड़ा और मुनस्यारी के बीच हेलिकॉप्टर सेवा पांचवें दिन भी ठप रही। उड़ान की उम्मीद में नैनीसैनी एयरपोर्ट पहुंचे यात्रियों को मौसम खराब होने के कारण बुकिंग रद्द होने के बाद वापस लौटना पड़ा। इसके बाद यात्रियों ने रोडवेज बस और टैक्सी से गंतव्य तक जाने का रुख किया। बरसात के मौसम में लगातार पांच दिन से हेली सेवा बाधित होने से यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है। कई यात्री बुकिंग कराने के बाद नैनीसैनी एयरपोर्ट पहुंचे लेकिन मौसम अनुकूल नहीं होने के कारण हेलिकॉप्टर नहीं पहुंच सका। सेवा रद्द होने के बाद उन्हें सड़क मार्ग से यात्रा करनी पड़ी। लगातार उड़ानें रद्द होने के कारण यात्रियों में अब हवाई टिकट बुक कराने को लेकर भी असमंजस की स्थिति है। पिथौरागढ़ से दिल्ली और देहरादून के लिए सप्ताह में तीन दिन मंगलवार, बृहस्पतिवार और शनिवार को विमान सेवा संचालित होती है। खराब मौसम के कारण मंगलवार को विमान दिल्ली से नैनीसैनी नहीं पहुंच सका। बृहस्पतिवार को भी यात्री उड़ान की उम्मीद में एयरपोर्ट पहुंचे थे लेकिन मौसम अनुकूल नहीं होने के कारण विमान सेवा संचालित नहीं हो सकी। यात्रियों को निराश होकर लौटना पड़ा।

एसटीएच में जूनियर रेजिडेंट नहीं करेंगे मरीज रेफर

हल्द्वानी। एसटीएच में मरीजों को अनावश्यक रेफर करने और बाहर की दवा लिखने की शिकायत पर अब सख्त कार्रवाई होगी। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अरुण जोशी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि कोई भी जूनियर रेजिडेंट (जेआर) अपने स्तर पर किसी मरीज को रेफर नहीं करेगा। रेफर करने से पहले संबंधित सीनियर डॉक्टर, विभागाध्यक्ष (एचओडी) या चिकित्सा अधीक्षक की स्वीकृति लेना अनिवार्य होगा। डॉ. जोशी ने कहा कि प्राचार्य और चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय की ओर से पूर्व में जारी आदेशों की अवहेलना की जा रही है जिसे अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए हैं कि अस्पताल में उपलब्ध दवा ही मरीजों को लिखी जाए। किसी विशेष दवा की आवश्यकता हो और वह अस्पताल में उपलब्ध न हो तो नियमानुसार स्वीकृति के बाद ही बाहर की दवा लिखी जाएगी।

मानसून में बरसाती सिल्ट ने बढ़ाई परेशानी! प्रभावित हुआ बिजली उत्पादन, कटौती संभव

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में बारिश के साथ नदियों में अचानक बढ़े सिल्ट के प्रवाह का असर अब बिजली उत्पादन पर भी पड़ने लगा है. नदियों में अत्यधिक सिल्ट आने के कारण जलविद्युत परियोजनाओं की उत्पादन क्षमता प्रभावित हुई है. वहीं दूसरी ओर कुछ विद्युत उत्पादन इकाइयों में तकनीकी खराबी आने से प्रदेश में करीब 560 मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता अचानक उपलब्ध नहीं हो सकी. बिजली उत्पादन में आई इस कमी के चलते मांग और उपलब्धता के बीच अंतर बढ़ गया. यूपीसीएल को कई क्षेत्रों में सीमित अवधि के लिए बिजली रोस्टरिंग करनी पड़ी.

उत्तराखंड में मानसून की बारिश के साथ नदियों में बढ़ा सिल्ट अब बिजली उत्पादन व्यवस्था के लिए चुनौती बन रहा है. नदियों में अचानक अत्यधिक सिल्ट आने से जलविद्युत परियोजनाओं में उत्पादन प्रभावित हुआ है. वहीं कुछ विद्युत उत्पादन इकाइयों में तकनीकी खराबी आने से प्रदेश में करीब 560 मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता अचानक उपलब्ध नहीं हो सकी. उत्पादन में आई इस कमी का असर बिजली की उपलब्धता पर पड़ा. मांग तथा उपलब्धता के बीच अंतर बढ़ने के बाद उत्तराखंड पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीसीएल) को कुछ क्षेत्रों में सीमित अवधि के लिए बिजली रोस्टरिंग करनी पड़ी.

31 जुलाई की शाम से एक अगस्त को भी प्रदेश की बिजली व्यवस्था पर इसका असर रहा. यूपीसीएल के अनुसार 31 जुलाई को शाम 7:30 बजे से एक अगस्त को सुबह 1:10 बजे तक बिजली उत्पादन इकाइयों में आए आकस्मिक तकनीकी व्यवधान और नदियों में अत्यधिक सिल्ट के प्रवाह के कारण उपलब्धता प्रभावित हुई. इस अवधि में बिजली की मांग को पूरा करने के लिए निगम की ओर से ऊर्जा एक्सचेंजों से अतिरिक्त बिजली हासिल करने की कोशिश की गई, लेकिन एक्सचेंजों में सीमित उपलब्धता के चलते जरूरत के मुताबिक बिजली नहीं मिल सकी. सिल्ट बढ़ने से जलविद्युत परियोजनाओं पर असरः मानसून के दौरान पहाड़ों में बारिश बढ़ने पर नदियों में पानी के साथ बड़ी मात्रा में सिल्ट भी पहुंचता है. अत्यधिक सिल्ट जलविद्युत परियोजनाओं के लिए चुनौती पैदा करता है. इससे उत्पादन प्रभावित हो सकता है. इस दौरान व्यासी और चिल्ला जलविद्युत परियोजनाओं में भी पानी में उच्च पीपीएम की स्थिति सामने आई. जिससे इन परियोजनाओं की उत्पादन क्षमता

प्रभावित हुई. व्यासी जलविद्युत परियोजना की क्षमता 120 मेगावाट है, जबकि चिल्ला जलविद्युत परियोजना 88 मेगावाट की है. दोनों परियोजनाओं में पानी में उच्च पीपीएम के कारण बिजली उत्पादन प्रभावित हुआ. इसके अलावा एपीएल रायगढ़ की 350 मेगावाट क्षमता वाली इकाई में स्टीम लीकेज की समस्या सामने आई. इन अलग-अलग कारणों के चलते करीब 560 मेगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता अचानक उपलब्ध नहीं हो सकी. उत्पादन घटा, बढ़ी मांग, उपलब्धता का अंतरः एक साथ कई उत्पादन इकाइयों की क्षमता प्रभावित होने से प्रदेश में बिजली की उपलब्धता पर दबाव बढ़ गया. बिजली की मांग बनी रही, लेकिन उपलब्धता कम होने के कारण मांग और आपूर्ति के बीच अंतर पैदा हो गया. ऐसे में यूपीसीएल के सामने बिजली व्यवस्था को संतुलित रखने की चुनौती खड़ी हो गई. निगम ने इस अंतर को कम करने के लिए ऊर्जा एक्सचेंजों से अतिरिक्त बिजली खरीदने का प्रयास किया. हालांकि एक्सचेंजों में पर्याप्त बिजली उपलब्ध नहीं होने के कारण आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त बिजली हासिल नहीं हो सकी. इसके बाद ग्रिड की सुरक्षा और बिजली व्यवस्था का संतुलित संचालन बनाए रखने के लिए सीमित अवधि में रोस्टरिंग लागू करना पड़ा.

ग्रिड का संतुलन बनाए रखने के लिए रोस्टरिंगः बिजली उत्पादन में अचानक आई कमी और बाजार से पर्याप्त बिजली नहीं मिलने के बीच यूपीसीएल को ग्रिड की सुरक्षा को प्राथमिकता देनी पड़ी. इसके तहत प्रदेश के विभिन्न श्रेणियों के उपभोक्ताओं को सीमित अवधि के लिए बिजली रोस्टरिंग का सामना करना पड़ा. यानी उत्पादन क्षमता में आई कमी का असर सीधे बिजली आपूर्ति व्यवस्था पर पड़ा. कुछ क्षेत्रों में तय अवधि के लिए आपूर्ति नियंत्रित करनी पड़ी.

बारिश के दौरान नदियों में बढ़ने वाला सिल्ट अब केवल जलविद्युत परियोजनाओं के संचालन की चुनौती नहीं है, बल्कि इसका असर बिजली आपूर्ति व्यवस्था तक पहुंच रहा है. एक तरफ सिल्ट के कारण जलविद्युत परियोजनाओं में उत्पादन प्रभावित हुआ. वहीं दूसरी ओर अन्य उत्पादन इकाइयों में तकनीकी खराबी ने उपलब्धता पर अतिरिक्त दबाव डाल दिया. ऊर्जा एक्सचेंज से भी पर्याप्त बिजली नहीं मिलने के कारण स्थिति को संभालने के लिए रोस्टरिंग का सहारा लेना पड़ा.

स्यानाचट्टी में दरकी पहाड़ी, विशालकाय बोल्डर गिरने से शौचालय क्षतिग्रस्त, बाल-बाल बचे मजदूर और मशीनें

उत्तरकाशी, एजेंसी। यमुनोत्री धाम यात्रा मार्ग पर स्थित स्यानाचट्टी कस्बे में शनिवार शाम एक बड़ा हादसा टल गया. यमुनोत्री हाईवे पर सक्रिय भूस्खलन जोन से अचानक हल्के मलबे के साथ एक विशालकाय बोल्डर नीचे आ गिरा. बोल्डर पहले हाईवे के ऊपरी हिस्से से गुजरते हुए सड़क खोलने में लगी मशीन और वहां कार्यरत मजदूरों के बेहद करीब से निकला. संयोगवश सभी समय रहते सुरक्षित स्थान पर हट गए, जिससे बड़ा हादसा होने से बच गया.

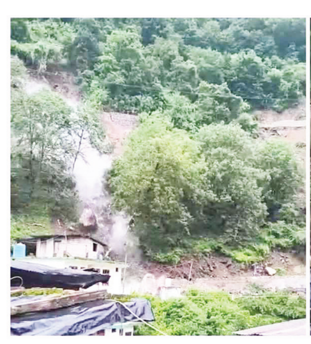

इसके बाद बोल्डर हाईवे किनारे बने सार्वजनिक शौचालय को बुरी तरह क्षतिग्रस्त करता हुआ नीचे आवासीय बस्ती की ओर जा गिरा. राहत की बात यह रही कि बोल्डर किसी मकान से टकराने के बजाय उससे कुछ दूरी पर जाकर रुका, जिससे जनहानि नहीं हुई.

स्थानीय लोगों के अनुसार घटना के समय मंदिर परिसर और सड़क के आसपास लोगों की आवाजाही नहीं थी. यदि उस समय श्रद्धालु, स्थानीय लोग अथवा वाहन वहां मौजूद होते तो बड़ा हादसा हो सकता था. घटना के बाद क्षेत्र में कुछ समय के लिए दहशत का माहौल बन गया. सूचना मिलने पर संबंधित विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया. स्यानाचट्टी कस्बा इस मानसून में चारों ओर से प्राकृतिक आपदाओं के खतरे के बीच घिरा हुआ है. गत वर्ष मानसून के दौरान कुपड़ा खड्ड में आई आपदा के निशान अभी पूरी तरह मिटे भी नहीं हैं.

वहीं यमुना नदी में बने झीलनुमा क्षेत्र का खतरा भी अब तक बरकरार है, जिससे पूरे कस्बे के अस्तित्व पर संकट बना हुआ है. इसके साथ ही कस्बे के ऊपर स्थित पहाड़ी में सक्रिय हुए बड़े भूस्खलन जोन ने लोगों की चिंताओं को और बढ़ा दिया है. बारिश के चलते पहाड़ी लगातार दरक रही है और समय-समय पर बोल्डर तथा भारी मात्रा में मलबा हाईवे पर आ रहा है. यही कारण है कि यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग बार-बार बाधित हो रहा है. शुक्रवार से यह मार्ग इसी भूस्खलन क्षेत्र में बंद पड़ा हुआ है और सीमा सड़क संगठन तथा संबंधित एजेंसियां मार्ग को सुचारू करने में जुटी हैं. हालांकि लगातार पहाड़ी से पत्थर गिरने के कारण सड़क खोलने के कार्य में भी भारी जोखिम बना हुआ है.

स्थानीय राजेंद्र सिंह, मनोज रावत, अनुज का कहना है कि स्यानाचट्टी में हालात दिन-प्रतिदिन चिंताजनक होते जा रहे हैं. एक ओर ऊपर से गिरते बोल्डरों का खतरा है तो दूसरी ओर यमुना नदी और कुपड़ा खड्ड का लगातार बढ़ता दबाव लोगों की चिंता का कारण बना हुआ है. लोगों का कहना है कि यदि समय रहते स्थायी सुरक्षा उपाय नहीं किए गए तो भविष्य में बड़ी जनहानि से इनकार नहीं किया जा सकता. शनिवार की घटना ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि स्यानाचट्टी में खतरा अभी टला नहीं है. लगातार हो रही बारिश के बीच प्रशासन और संबंधित विभागों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ मार्ग को सुरक्षित एवं सुचारू बनाए रखना है. स्थानीय लोग भी लगातार मौसम खराब रहने तक अनावश्यक आवाजाही से बचने और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील कर रहे हैं.

तीज और राखी से पहले लगी प्रदर्शनी, महिलाओं ने जमकर की खरीददारी

किच्छा। शाइनिंग दिवाज की ओर से तीज और राखी के अवसर पर फैशन एवं जीवनशैली प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। आसपास के क्षेत्रों से आई महिलाओं ने प्रदर्शनी से जमकर खरीददारी की और खानपान का लुत्फ उठाया। आयोजक रितु अग्रवाल ने बताया कि प्रदर्शनी में रुद्रपुर, खटीमा, नैनीताल, बाजपुर, बरेली समेत कई अन्य स्थानों से महिला दुकानदार पहुंची और अपने सामान की बिक्री की। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी में हस्तशिल्प, कपड़े, तीज और राखी के सामान के अलावा आर्टिफिशियल ज्वेलरी भी बिकीं। गृह सज्जा सामान और उपहार से संबंधित उत्पाद भी खूब बिके। बताया कि प्रदर्शनी लगाने का उद्देश्य स्थानीय महिला उद्यमियों को मंच प्रदान करना है। इसके माध्यम से गृह उद्योगों और छोटे व्यापारियों को भी अपनी प्रतिभा और उत्पादों को प्रदर्शित करने का मौका मिला। इस मौके पर पूनम अग्रवाल, शैली फुटेला, गोपाल कृष्ण अग्रवाल, सोनम सिडाना, सीता देवी, कृष्णा चावला, सरोज कक्कड़ समेत कई महिलाएं मौजूद रहीं।

चंपावत पुलिस ने 1 करोड़ की 306 ग्राम स्मैक बरामद की, अग्निवीर समेत 2 गिरफ्तार

चंपावत, एजेंसी। उत्तराखंड में चंपावत पुलिस की एसओजी ने 'ड्रग्स फ्री देवभूमि अभियान' के तहत नशा तस्करों पर बड़ी कार्रवाई की है. एसओजी ने करीब 1 करोड़ कीमत की 306 ग्राम स्मैक के साथ दो अंतरराष्ट्रीय तस्करों को गिरफ्तार किया है. पूछताछ में खुलासा हुआ कि बरामद स्मैक को भारत-नेपाल सीमा के रास्ते एक नेपाली खरीदार तक पहुंचाया जाना था. पुलिस अब इस पूरे तस्करी नेटवर्क की कड़ियां खंगालने में जुट गई है. चौंकाने वाली बात ये है कि नशा तस्करों में अग्निवीर की ट्रेनिंग ले चुका युवक भी शामिल है. चंपावत एसओजी ने नशा तस्कर पकड़ेः पुलिस अधीक्षक चंपावत रेखा यादव के निर्देश पर जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है. इसी क्रम में क्षेत्राधिकारी टनकपुर निहारिका सेमवाल के निर्देशन में एसओजी प्रभारी कमलेश भट्ट के नेतृत्व में पुलिस टीम ने टनकपुर कोतवाली क्षेत्र के सैलानी गोठ, काला झाला गौशाला तिराहे के पास संदिग्ध वाहनों की चेकिंग की. 1 करोड़ रुपए की स्मैक बरामदः चेकिंग के दौरान प्लैटिना मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों को रोककर तलाशी ली गई. तलाशी के दौरान दोनों के कब्जे से कुल 306 ग्राम स्मैक/हेरोइन बरामद हुई. इस स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 1 करोड़ रुपए आंकी जा रही है. इसके बाद दोनों आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया. पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपियों की पहचान गुरदीप सिंह (25 वर्ष) पुत्र हरजिंदर सिंह, निवासी ग्राम बाजार घाट, चौकी कंबोज नगर, थाना हजारा, जनपद पीलीभीत (उ.प्र.) एवं सुनील सिंह (22 वर्ष) पुत्र हरजिंदर सिंह, निवासी ग्राम बाजार घाट, चौकी कंबोज नगर, थाना हजारा, जनपद पीलीभीत (उ.प्र.) निवासी के रूप में हुई है. नशा तस्करों के नेटवर्क की तलाशः पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने यह स्मैक मनु सिंह पुत्र अर्जुन सिंह, निवासी बाजार घाट, पीलीभीत (उ.प्र.) से खरीदी थी और इसे भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में एक नेपाली व्यक्ति को बेचने के लिए ले जाया जा रहा था. पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुट गई है.

नशा तस्करी में अग्निवीर गिरफ्तारः वहीं पकड़े गए स्मैक तस्करों में एक आरोपी सुनील सिंह एक माह की अग्निवीर ट्रेनिंग कर चुका है. बीमारी का बहाना बनाकर वह घर आया हुआ था. वहीं अपने साथी गुरदीप सिंह के साथ स्मैक तस्करी के काम में लग गया. फिलहाल चंपावत जिले की पुलिस अधीक्षक रेखा यादव ने नशे के खिलाफ जनपद पुलिस का अभियान लगातार जारी रख नशे के कारोबारियों पर कड़ी कार्रवाई की बात कही है.

रुड़की में कार सवार कांवड़िए को भीड़ ने पीटा, मुकदमा दर्ज, एक आरोपी गिरफ्तार

रुड़की, एजेंसी। हरिद्वार जिले के मंगलौर कस्बे में 1 अगस्त की शाम कार की टक्कर लगने से खंडित हुई कांवड़ के बाद कांवड़िए से मारपीट और वाहन में तोड़फोड़ मामले में पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज कर लिया है. मामले में पुलिस ने एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया. गिरफ्तार किया गया आरोपी रुड़की का बताया गया है.

जानकारी के मुताबिक, हरिद्वार से गंगाजल लेकर घर लौट रहे एक कांवड़िए की कांवड़ मंगलौर कोतवाली क्षेत्र में गोल्डन ढाबे के पास फ्लाईओवर स्थित अल्टो कार की टक्कर से खंडित हो गई. कार में बैठे कांवड़िया मौजूद था. इस घटना के बाद मौके पर भारी हंगामा हो गया और मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई. आरोप है कि गुस्साए कांवड़ियों ने कार चालक के साथ जमकर मारपीट की और कार को भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया. वहीं पुलिस को करीब शाम 8:30 बजे सूचना मिली कि गोल्डन ढाबा के पास कुछ कांवड़ियों द्वारा एक कांवड़िए के साथ मारपीट की जा रही है. इस सूचना पर मंगलौर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मय पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे. हालांकि, मौके पर पहले से मौजूद पुलिस कर्मियों द्वारा स्थिति को नियंत्रित कर मामला शांत कराया जा चुका था. पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया कि अल्टो कार संख्या डक 3ङ्ग-7944, जो हरिद्वार से दिल्ली की ओर जा रही थी, का चालक भी कांवड़िया था और हरिद्वार से गंगाजल लेकर अपने घर लौट रहा था. इसी दौरान कार की टक्कर एक अज्ञात पैदल चल रहे कांवड़िए की कांवड़ से हो गई, जिससे उसकी कांवड़ खंडित हो गई. कांवड़ खंडित होने के बाद कुछ अज्ञात कांवड़ियों ने अल्टो कार चालक के साथ मारपीट की और उसकी कार को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया.

पुलिस ने इस मामले में एक व्यक्ति जिसका नाम राजा उर्फ राजेश निवासी कोतवाली गंगनहर रुड़की को हिरासत में लिया है.

पीड़ित अल्टो कार चालक की तहरीर के आधार पर पुलिस ने इस मामले में संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है और मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है. इसी के साथ पुलिस द्वारा मामले में शामिल अन्य व्यक्तियों की पहचान कर उनके खिलाफ भी आवश्यक कार्रवाई की जा रही है.

सृष्टि कंडारी मौत मामलाः आरोपी सास की अंतरिम अग्रिम जमानत अर्जी खारिज, कोर्ट ने राहत देने से किया इनकार

ऋषिकेश, एजेंसी। नवविवाहिता शिक्षिका सृष्टि कंडारी की कथित दहेज हत्या मामले में आरोपी सास परवीना देवी को अंतरिम अग्रिम जमानत नहीं मिली। अदालत ने मामले को गंभीर मानते हुए अर्जी खारिज कर दी। ऋषिकेश के हरीवाला में नवविवाहिता शिक्षिका सृष्टि कंडारी की कथित दहेज हत्या के मामले में आरोपी सास परवीना देवी को अदालत से फिलहाल कोई राहत नहीं मिली है। परवीना देवी ने अग्रिम जमानत के लिए देहरादून की सेशन अदालत में प्रार्थना पत्र दायर किया था। न्यायालय ने अंतरिम

अग्रिम जमानत देने से इनकार करते हुए उनकी अर्जी खारिज कर दी। नवविवाहिता शिक्षिका सृष्टि कंडारी की कथित दहेज हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी पति सौरभ खत्री और ननद सुरभि उर्फ चारू को शनिवार को हरीवाला स्थित लक्ष्मण एन्क्लेव में उनके आवास से गिरफ्तार किया। वहीं, मामले की तीसरी आरोपी मृतका की सास परवीना देवी ने देहरादून की सेशन अदालत में अग्रिम जमानत के लिए प्रार्थना पत्र दायर किया था। उन्होंने अग्रिम जमानत पर अंतिम सुनवाई तक अंतरिम संरक्षण देने की भी मांग की थी। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) का अवलोकन किया। एफआईआर में आरोप है कि मृतका को दहेज के लिए प्रताड़ित किया गया और उसकी दहेज हत्या की गई। अदालत ने माना कि मामला गंभीर प्रकृति का है और अभियोजन पक्ष को सुने बिना अंतरिम अग्रिम जमानत देना उचित नहीं होगा। प्रभारी सेशन न्यायाधीश मोनिका मित्तल ने अंतरिम अग्रिम जमानत प्रार्थना पत्र निरस्त करते हुए अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए 10 अगस्त की तिथि निर्धारित की है।

THIS IS A PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSES ONLY. THIS IS NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT AND DOES NOT CONSTITUTE AN INVITATION OR OFFER TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE TO SECURITIES. NOT FOR RELEASE, PUBLICATION OR DISTRIBUTION, DIRECTLY OR INDIRECTLY, OUTSIDE INDIA. THE EQUITY SHARES OF THE COMPANY WILL GET LISTED ON MAIN BOARD PLATFORM OF BSE LIMITED ("BSE") AND NATIONAL STOCK EXCHANGE OF INDIA LIMITED ("NSE, AND TOGETHER WITH BSE, THE "STOCK EXCHANGES") IN COMPLIANCE WITH CHAPTER II OF THE SECURTIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (ISSUE OF CAPITAL AND DISCLOSURE REQUIREMENTS) REGULATIONS, 2018, AS AMENDED ("SEBI ICDR REGULATIONS")

TECHNOCRAFT VENTURES LIMITED

TECHNOCRAFT VENTURES LIMITED

(To be listed on the main board of BSE and NSE)

Our Company was originally incorporated as a private limited company under the name "Technocraft Construction Private Limited" under the Companies Act, 1956, pursuant to a certificate of incorporation dated October 21, 1998, issued by the Registrar of Companies, NCT of Delhi and Haryana. Thereafter, the name of our Company was changed from 'Technocraft Construction Private Limited' to 'Technocraft Ventures Private Limited' pursuant to a board resolution dated January 08, 2024, and a special resolution passed by our shareholders dated January 10, 2024, and a fresh certificate of incorporation dated February 09, 2024, was issued pursuant to change of name, by the Registrar of Companies, Delhi. Subsequently, our Company was converted into a public limited company pursuant to a resolution passed by our Board of Directors dated February 16, 2024, and a special resolution passed by our shareholders on March 13, 2024. Consequently, the name of our Company was changed to 'Technocraft Ventures Limited', and a fresh certificate of incorporation was issued to our company by the Registrar of Companies, Central Processing Centre, on June 11, 2024. For further details, kindly refer "Our History and Certain Corporate Matters - Brief History of our Company" beginning on page 328 of the Red Herring Prospectus ("RHP").

(Please scan this QR Code to view the Red Herring Prospectus)

CIN : U70101DL1998PLC096763 **Registered Office:** S 553/54, Ground Floor, School Block, Shakarpur, New Delhi-110092, India; **Corporate Office:** B-137, Sector-2 Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301, India;
Contact Person: Shefali Kesarwani, Company Secretary and Compliance Officer; **Tel.:** +91 9211252228; **E-mail:** compliance@technocraftventures.com; **Website:** www.technocraftventures.com

PROMOTERS OF OUR COMPANY: SANJAY TYAGI, REKHA TYAGI, KARTIKEY TYAGI, KARTIKEY CONSTRUCTIONS (PARTNERSHIP FIRM) AND SANJAY TYAGI HUF

INITIAL PUBLIC OFFERING OF UP TO 11,881,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10 EACH ("EQUITY SHARES") OF TECHNOCRAFT VENTURES LIMITED ("OUR COMPANY" OR THE "ISSUER") FOR CASH AT A PRICE OF ₹ [●] PER EQUITY SHARE ("OFFER PRICE") (INCLUDING A PREMIUM OF ₹ [●] PER EQUITY SHARE) AGGREGATING UP TO ₹ [●] MILLION (THE "OFFER"). THE OFFER COMPRISES OF A FRESH ISSUE OF UP TO 9,505,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10 EACH AGGREGATING UP TO ₹ [●] MILLION BY OUR COMPANY (THE "FRESH ISSUE") AND AN OFFER FOR SALE OF UP TO 2,376,000 EQUITY SHARES BY KARTIKEY CONSTRUCTIONS (PARTNERSHIP FIRM) (THE "PROMOTER SELLING SHAREHOLDER") AND REFERRED TO AS, THE "SELLING SHAREHOLDER" (THE "OFFER FOR SALE"). THE OFFER WOULD CONSTITUTE [●]% OF OUR POST-OFFER PAID-UP EQUITY SHARE CAPITAL.

DETAILS OF THE OFFER FOR SALE

NAME OF THE PROMOTER SELLING SHAREHOLDER	TYPE	NUMBER OF EQUITY SHARES OFFERED/AMOUNT	WEIGHTED AVERAGE COST OF ACQUISITION PER EQUITY SHARE OF FACE VALUE OF ₹ 10 EACH (IN ₹)*
Kartikey Constructions (Partnership Firm)	Promoter Selling Shareholder	Up to 2,376,000 Equity Shares of face value of ₹ 10 each aggregating up to ₹ [●] million	2.50

*As certified by Rishi Kapoor & Company, Chartered Accountants, pursuant to their certificate dated July 10, 2026 vide UDIN: 26455362QBCRCF4855.
For further details, kindly refer "The Offer" beginning on page 87 of the RHP.

**PRICE BAND: ₹ 200 TO ₹ 212 PER EQUITY SHARE OF FACE VALUE OF ₹ 10 EACH.
THE FLOOR PRICE IS 20 TIMES OF THE FACE VALUE OF THE EQUITY SHARES AND
THE CAP PRICE IS 21.20 TIMES OF THE FACE VALUE OF THE EQUITY SHARES.
BIDS CAN BE MADE FOR A MINIMUM QUANTITY OF 70 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10 EACH AND
IN MULTIPLES OF 70 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10 EACH THEREAFTER.**

**THE PRICE TO EARNINGS RATIO ("P/E"), BASED ON DILUTED EPS FOR FINANCIAL YEAR ENDED 2026
FOR OUR COMPANY AT THE LOWER END OF PRICE BAND IS 13.90 TIMES AND AT THE UPPER END OF PRICE BAND IS 14.73 TIMES.
WEIGHTED AVERAGE RETURN ON NET WORTH FOR LAST THREE FINANCIAL YEARS IS 24.55%.**

The details of the Fresh Issue, Offer for Sale, Total Offer Size and Post-Offer Market Capitalization of our Company, each at the Floor Price and Cap Price, are given below:

Particulars	At Floor Price of ₹ 200 per Equity Share		At Cap Price of ₹ 212 per Equity Share	
	Up to No. of Equity Shares of face value of ₹10 each	Up to Amount (₹ in million)	Up to No. of Equity Shares of face value of ₹ 10 each	Up to Amount (₹ in million)
Fresh Issue	9,505,000	1,901.00	9,505,000	2,015.06
Offer For Sale	2,376,000	475.20	2,376,000	503.71
Total Offer Size	11,881,000	2,376.20	11,881,000	2,518.77
Post-Offer Market Capitalization of our Company	39,606,200	7,921.24	39,606,200	8,396.51

BID / OFFER PROGRAMME	
	ANCHOR INVESTOR BIDDING DATE: THURSDAY, AUGUST 06, 2026
	BID / OFFER OPENS ON: FRIDAY, AUGUST 07, 2026
	BID / OFFER CLOSES ON: TUESDAY, AUGUST 11, 2026^

^ The UPI mandate end time and date shall be at 5:00 pm on Bid/ Offer Closing Date.

Our Company is a multidisciplinary public infrastructure development company engaged in the execution of turnkey Engineering, Procurement and Construction ("EPC") contracts.

**THE OFFER IS BEING MADE THROUGH THE BOOK BUILDING PROCESS IN ACCORDANCE WITH REGULATION 6(1) OF THE SEBI (ISSUE OF CAPITAL AND DISCLOSURE REQUIREMENTS) REGULATIONS, 2018 AS AMENDED.
THE EQUITY SHARES OF THE COMPANY WILL GET LISTED ON THE MAIN BOARD OF BSE & NSE. BSE LIMITED SHALL BE THE DESIGNATED STOCK EXCHANGE.**

**QIB PORTION: NOT MORE THAN 50% OF THE OFFER
NON-INSTITUTIONAL PORTION: NOT LESS THAN 15% OF THE OFFER
RETAIL PORTION: NOT LESS THAN 35% OF THE OFFER**

IN MAKING INVESTMENT DECISION, POTENTIAL INVESTORS MUST ONLY RELY ON THE INFORMATION INCLUDED IN THE RHP AND THE TERMS OF THE OFFER, INCLUDING THE RISKS INVOLVED AND NOT RELY ON ANY OTHER EXTERNAL SOURCES OF INFORMATION ABOUT THE OFFER AVAILABLE IN ANY MANNER. IN RELATION TO PRICE BAND, POTENTIAL INVESTORS SHOULD ONLY REFER TO THIS PRICE BAND ADVERTISEMENT FOR THE OFFER AND SHOULD NOT RELY ON ANY MEDIA ARTICLES/ REPORTS IN RELATION TO THE VALUATION OF THE COMPANY AS THESE ARE NOT ENDORSED, PUBLISHED OR CONFIRMED BY EITHER THE COMPANY OR THE BOOK RUNNING LEAD MANAGER TO THE OFFER ("BRLM").

In accordance with the recommendation of a committee of Independent Directors of our Company, pursuant to their resolution dated August 01, 2026, the above provided price band is justified based on quantitative factors/key performance indicators ("KPIs") disclosed in the "Basis for Offer Price" section beginning on page 150 of the RHP vis-a-vis the weighted average cost of acquisition ("WACA") of primary and secondary transaction(s), as applicable, as disclosed in the "Basis for Offer Price" section beginning on page 150 of the RHP and provided below in this advertisement.

RISK TO INVESTORS

For details, kindly refer to the section titled "Risk Factors" beginning on page 33 of the RHP.

1. **Business Concentration Risk:** We have generated 85.44%, 80.22% and 90.91% of our revenue from operations for the financial year ended on March 31, 2026, March 31, 2025 and March 31, 2024 , respectively, from Water & Wastewater Infrastructure work. We are a multidisciplinary public infrastructure development company engaged in the execution of turnkey Engineering, Procurement and Construction (**"EPC"**) contracts. We operate across various infrastructure segments, including Water & Wastewater Infrastructure such as Water Supply Scheme Projects (**"WSSPs"**), Sewerage Networks, Sewerage Treatment Plants (**"STPs"**), Wastewater Treatment Plants (**"WWTPs"**), Transmission mains, Reservoirs, Trenchless & Micro tunnelling Works, Roads and Highways work, Electrical Transmission work, Urban Infrastructure which includes sector-level planning and execution of residential building projects and Operation and Maintenance (**"O&M"**) of public utilities.
   The business segment wise bifurcation of revenue for the financial year ended March 31, 2026, March 31, 2025 and March 31, 2024 are as below:

(₹ in million)

Particulars	For the Financial Year ended					
	March 31, 2026		March 31, 2025		March 31, 2024	
	Amount	% of revenue from operations	Amount	% of revenue from operations	Amount	% of revenue from operations
Sale of Services						
Water & Wastewater Infrastructure work	2,947.64	85.44	2,242.61	80.22	2,055.48	90.91
Roads and Highways work	444.04	12.87	20.38	0.73	-	0.00
Urban Infrastructure work	-	-	248.38	8.88	-	0.00
Electrical Transmission work	-	-	210.30	7.52	-	0.00
Operation & Maintenance work	57.71	1.67	24.50	0.88	13.79	0.61
Other Operating Revenues						
Sale of Material	0.57	0.02	49.47	1.77	191.75	8.48
Total	**3,449.96**	**100.00**	**2,795.64**	**100.00**	**2,261.02**	**100.00**

As certified by Rishi Kapoor & Company, Chartered Accountants pursuant to their certificate dated July 10, 2026 vide UDIN: 26455362TEEDWY3049.

Continued on next page...

...continued from previous page.

2. **Revenue Concentration Risk:** A substantial portion of our revenues is derived from contracts awarded by Central and State Governments, local authorities under Government-led schemes such as the Atal Mission for Rejuvenation and Urban Transformation ("AMRUT"), Jal Jeevan Mission ("JJM"), Namami Gange and Pradhan Mantri Gram Sadak Yojana ("PMGSY"). Our order book is therefore highly dependent on Government budgetary allocations and policy priorities. Any reduction or reallocation in public spending, delay in issuance of tenders, change in pre-qualification norms, or cancellation of awarded projects could materially reduce our pipeline of opportunities.

The table below sets forth our revenue from Government & Government authorities and from Private clients for the financial years ended March 31, 2026, March 31, 2025 and March 31, 2024 indicated:

(₹ in million)

Particulars	For the financial year ended		
	March 31, 2026	March 31, 2025	March 31, 2024
Revenue from Government	3,449.39	2,274.52	1,741.50
% of Revenue from Operations	99.98	81.36	77.02
Revenue from Private Sector	0.57	521.12	519.52
% of Revenue from Operations	0.02	18.64	22.98
Total	**3,449.96**	**2,795.64**	**2,261.02**

As certified by Rishi Kapoor & Company, Chartered Accountants pursuant to their certificate dated July 10, 2026 vide UDIN: 26455362MFNQNB9135.

Our Company may face execution risks, including delays in approvals, resource mobilisation, site challenges, adverse weather, land acquisition issues, labour shortages, and supply chain disruptions in future. Our Company may not be able to successfully bid for and/or procure government orders in the future. Any inability to secure such orders, or a reduction in the number or value of government contracts awarded to our Company, could adversely affect our revenue, financial condition and results of operations.

3. **Geographical Concentration Risk:** Our Company's project portfolio is geographically concentrated, with a significant presence in Uttar Pradesh and Rajasthan. Our Company's geographic concentration in Uttar Pradesh and Rajasthan exposes it to risks such as regional slowdowns in infrastructure spending, changes in state policies or political conditions, limited geographic diversification, challenges in competing for large national projects due to a regional market perception, and constraints on efficiently expanding and clustering projects across other states.

Following are the state wise bifurcation of revenue for the financial year ended March 31, 2026, March 31, 2025 and March 31, 2024:

(₹ in million)

Sr. No.	Name of the States	For the Financial Year ended March 31,					
		2026		2025		2024	
		Revenue from Operations	% of Revenue from Operations	Revenue from Operations	% of Revenue from Operations	Revenue from Operations	% of Revenue from Operations
1.	Uttar Pradesh	881.00	25.53	756.39	27.06	1,382.72	61.15
2.	Rajasthan	2,175.25	63.05	1,665.42	59.58	730.64	32.31
3.	Delhi	355.21	10.30	163.53	5.85	147.66	6.54
4.	Uttarakhand	-	-	210.30	7.52	-	-
5.	Madhya Pradesh	38.50	1.12	-	-	-	-
	Total	**3,449.96**	**100.00**	**2,795.64**	**100.00**	**2,261.02**	**100.00**

As certified by Rishi Kapoor & Company, Chartered Accountants pursuant to their certificate dated July 10, 2026 vide UDIN: 26455362LGVDOP3135.

4. **Ability to qualify and bid for Government tenders:** Our Company relies on competitive government tenders to secure infrastructure projects across sectors such as water, wastewater, power, roads, microtunneling and urban infrastructure. Its ability to win contracts depends on meeting technical and financial eligibility criteria, which may change over time. Delays, cancellations, or unsuccessful bids can result in wasted bid preparation costs and reduced business opportunities. Our success ratio, in case of solo bids submitted by our Company, is 36.11% for the period ended on July 15, 2026 and last three financial years. Even after winning a contract, delays in project awards or commencement can lead to underutilized labour and equipment, increasing costs and reducing profitability.

The table below sets forth details of the cumulative bids submitted by us and the corresponding conversion metrics for the period ended July 15, 2026 and for the financial years ended March 31, 2026, March 31, 2025 and March 31, 2024 indicated:

Particulars	Solo bid by the Company	Bid as a Lead Partner	Bid as a Joint Venture Partner
Bids submitted	56	9	6
Less: Cancelled/ Awaited/ Pending Result	20	1	3
Net bids submitted	36	8	3
Awarded	13	6	0
Successful Conversion of Bids (in %)	36.11	75.00	0.00

5. **Financial Risks:**

A substantial portion of our revenues is derived from contracts awarded by Central and State Governments. The execution of large infrastructure projects involves high working capital requirements, and any shortfall or delay in the availability of working capital may adversely affect our project execution, business and financial condition, cash flows and results of operations. Further, our business requires significant working capital investment, which constitutes trade receivables and inventories together form a substantial part of our non-cash current assets, constituting 79.50%, 72.93% and 74.59% of total non-cash current assets as of March 31, 2026, March 31, 2025 and March 31, 2024, respectively.

Risk related to Working Capital Requirement Risk

Our operations across infrastructure segments, including water and wastewater projects, roads, electrical networks, and civil construction are inherently working capital intensive due to significant upfront expenses in procurement, mobilization, and project execution. As per our restated consolidated financial Information, our working capital requirements for the financial year ended March 31, 2026, March 31, 2025 and March 31, 2024 amounted to ₹ 1,338.16 million, ₹ 1,400.09 million and ₹ 1,280.66 million, respectively. Further, our working capital requirements for Financial Year 2027 are estimated at ₹ 2,909.29 million out of which an amount of ₹1,500.00 million will be funded out of the Net Proceeds from issue of fresh equity shares in financial year 2027, whereas the balance, if any, would be arranged from our internal accruals and/or borrowings. For details of our working capital requirements and estimation, kindly refer "Objects of the Offer" beginning on page 136 of the RHP.

Risk related to Trade Receivables & Trade Payables

As majority of our revenue is generated through the government tenders so our Company's trade receivables constitute only receivables from Governments:

(₹ in million)

Particulars	For the financial year ended		
	March 31, 2026	March 31, 2025	March 31, 2024
Trade Receivables	1,179.76	581.84	1,001.83
Revenue from operations	3,449.96	2,795.64	2,261.02
Trade Receivables as % of revenue from operations	34.20	0.81	44.31

The increase in our trade receivables as at March 31, 2026 was primarily attributable to the timing of billing during Fiscal 2026, with approximately 40% of our revenue from operations of ₹ 3,449.96 million being billed during the fourth quarter while approximately 56% was billed during the third and fourth quarters combined. Consequently, a substantial portion of the invoices remained outstanding as at the fiscal year-end, resulting in trade receivables of ₹ 1,179.76 million, of which ₹ 1,131.08 million were outstanding for less than six months.

Risk related to Contingent Liabilities:

Our contingent liabilities and commitments (as per Ind AS 37), derived from the Restated Consolidated Financial Information is ₹ 99.79 million and the following bank guarantees have been provided against the works:

(₹ in million)

GUARANTEES			
Particulars	As at		
	March 31, 2026	March 31, 2025	March 31, 2024
A) Bank Guarantees	1,680.33	1,113.16	792.27
Total	**1,680.33**	**1,113.16**	**792.27**

For further details, kindly refer "Restated Consolidated Financial Information - Annexure 46 - Contingent Liabilities and Commitments" beginning on page 438 of the RHP.

If a significant portion of these liabilities materialize, it could have an effect on our results of operations and financial condition. Further, there can be no assurance that we will not incur similar or increased levels of contingent liabilities in the future.

6. **Risk of seasonality of operations of the Company**

Our business operations may be affected by seasonal factors which may restrict our ability to carry on activities related to our construction projects, laying of water pipes and fully utilize our resources.

The following factors may restrict our ability:

- ➢ Heavy or sustained rainfalls
- ➢ Flood
- ➢ Cyclones or
- ➢ Other extreme weather conditions

The above could result in delays or disruptions to our operations during the critical periods of our projects and cause severe damages to our premises and equipment's. In particular, the monsoon season may adversely affect our ability to carry on activities related to our projects and efficiently utilize our resources, resulting in a slowdown in construction projects. This may lead to delays in project execution and consequently defer the recognition of revenue and profits to subsequent quarters. Adverse seasonal developments may also necessitate the evacuation of personnel, suspension or curtailment of operations, damage to construction sites or delays in the delivery of materials. Such fluctuations may adversely affect our revenues, cash flows, results of operations and financial conditions.

7. **Orders in our order book may be delayed, truncated, modified, or cancelled, and may not translate into confirmed orders**

As on July 15, 2026, our Order Book includes 14 EPC projects across water & wastewater treatment infrastructure work and roads and highways work with an aggregate unexecuted contract value of ₹ 13,054.45 million and 5 Operations and Maintenance (O&M) projects aggregating ₹ 152.87 million.

Continued on next page...

...continued from previous page.

Our Order Book represents the unexecuted value of ongoing and newly awarded contracts. It is compiled based on internal estimates and is unaudited. The methodology used by our Company may differ from industry practices and should not be construed as a guaranteed measure of future revenue or profitability. The realization of income from our Order Book is subject to various factors including but not limited to project approvals, site conditions, contractual timelines and changes in project scope or specifications by the client.

(₹ in million)

Sr. No.	Particulars	FY 2025-26	FY 2024-25	FY 2023-24
1.	Opening balance of Order Book	7,688.20	7,528.80	3,243.20
2.	Add: New orders awarded during the year	8,156.60	2,752.00	5,729.10
3.	Less: Sales booked*	3,449.96	2,798.40	2,262.10
4.	Add/less: Variation/Reduction	35.87	205.80	818.60
5.	Closing Order Book	12,358.97	7,688.20	7,528.80

**Revenue from operations as per audited standalone statement of profit & loss.*

8. **Outstanding Legal Proceeding:** There are proceedings pending at different levels of adjudication before various courts, enquiry officers and appellate forums involving our Company, Directors, Promoters and Senior Managerial Personnel (SMPs). Such proceedings could divert management's time, attention and consume financial resources in their defense. Further, an adverse judgment in some of these proceedings could have an adverse impact on our business, financial condition, and result of operations
9. **Regulatory Risk:** The company is unable to trace certain historical corporate records and RoC filings, and some statutory filings contain incomplete or inaccurate disclosures that have not been revised. Under the circumstances elaborated above, our Company cannot assure you that the filings were made in a timely manner, or the information gathered through other available documents of our Company are correct. Also, our Company may not be in a position to attend to and / or respond appropriately to any legal matters pertaining to such period and relating to such documents which have been lost and to that extent the same may adversely affect our business operations.
10. The average cost of acquisition of Equity Shares for the Promoter Selling Shareholder is ₹2.50 and offer price at upper end of the price band is ₹212.

11. Weighted average cost of acquisition (WACA) of Equity Shares by our Promoters (including the Promoter Selling Shareholder):

Particulars	Number of Equity Shares of face value of ₹ 10 each	WACA of Equity Shares of face value of ₹ 10 per Equity Share acquired in last 18 months (in ₹)	WACA of Equity Shares of face value of ₹10 per Equity Share acquired in last 1 year (in ₹)	WACA of Equity Shares of face value of ₹ 10 per Equity Share acquired in last 3 years (in ₹)
Sanjay Tyagi	1,212,000	0.10	Nil	0.10
Rekha Tyagi	395,200	Nil	Nil	Nil
Kartikey Tyagi	600,000	Nil	Nil	Nil
Sanjay Tyagi HUF	2,114,200	Nil	Nil	Nil
Kartikey Constructions^	24,990,000	Nil	Nil	Nil

As certified by the Rishi Kapoor & Company, Chartered Accountant pursuant to their certificate dated July 10, 2026.
^Also the Promoter Selling Shareholder.
Note: Weighted average cost of acquisition of all equity shares during last one year, 18 months and three years has been calculated after considering the shares allotted by way of bonus issue and gift.

12. Weighted average cost of acquisition of all Equity Shares transacted by our Promoters (including Promoter Selling Shareholder) and members of the Promoter Group in last 1 year, 18 months and 3 years immediately preceding from the date of RHP is as follows:

Period	Weighted Average Cost of Acquisition of Equity Shares (in ₹)	Cap price is 1.74 times the Weighted Average Cost of Acquisition	Range of acquisition price: Lowest Price-Highest Price (in ₹)
Last 1 year	Nil	Nil	Nil
Last 18 months	121.76	1.74	121.76-121.76
Last 3 years	121.76	1.74	121.76-121.76

As certified by the Rishi Kapoor & Company, Chartered Accountant pursuant to their certificate dated July 10, 2026.
Note: Weighted average cost of acquisition of all equity shares during last one year, 18 months and three years has been calculated without considering the shares allotted by way of bonus issue and gift.

13. Weighted Average Return on Net Worth for last three financial years is 24.55%.
14. Weighted average cost of acquisition for all the shares transacted in the last one year, 18 months and 3 years preceding the date of the Red Herring Prospectus is given in point 11 above.
15. The Price/Earnings ratio based on diluted EPS for Fiscal 2026 for our Company at the upper end of the Price band is 14.73 times as compared to the average industry peer group PE ratio of 24.73 times.
16. The BRLM associated with the Offer i.e., Khambatta Securities Limited has handled 11 public issues (2 main board IPOs & 9 SME IPOs) in the past three years preceding the date of RHP, out of which 3 SME IPOs closed below issue price on listing date.

Investors are advised to read the risk factors carefully before taking an investment decision in the Offer. For detail kindly refer "Risk Factors" beginning on page 33 of the RHP.

Investors are advised to read the risk factors carefully before taking an investment decision in the Offer. For detail kindly refer "Risk Factors" beginning on page 33 of the RHP.

ADDITIONAL INFORMATION FOR INVESTORS

1. The Company has not undertaken a pre-IPO placement.
2. The Promoter Selling Shareholder or members of the Promoter Group have not undertaken any transaction of Equity Shares aggregating up to 1% or more of the Paid-up Equity Share Capital of the Company from the date of Draft Red Herring Prospectus till date.
3. The aggregate Pre-offer and Post-offer shareholding of the Promoters, members of the Promoter Group and the additional top 10 Shareholders of the Company is set out below:

Sr. No.	Name of the Shareholders	Pre-Offer shareholding as on the date of the Red Herring Prospectus		Post-Offer shareholding as on the date of Allotment(1)			
				At the lower end of the price band (₹ 200)		At the upper end of the price band (₹ 212)	
		Number of Equity Shares of face value of ₹ 10 each held	Shareholding (in %)	Number of Equity Shares of face value of ₹ 10 each held	Share-holding (in %)	Number of Equity Shares of face value of ₹ 10 each held	Shareholding (in %)
Promoters							
1	Sanjay Tyagi	1,212,000	4.03	1,212,000	3.06	1,212,000	3.06
2	Rekha Tyagi	395,200	1.31	395,200	1.00	395,200	1.00
3	Kartikey Tyagi	600,000	1.99	600,000	1.51	600,000	1.51
4	Kartikey Constructions (Partnership Firm)*	24,990,000	83.02	22,614,000	57.10	22,614,000	57.10
5	Sanjay Tyagi HUF	2,114,200	7.02	2,114,200	5.34	2,114,200	5.34
Promoter Group *(who hold shares)*							
1.	Vartika Tyagi	429,800	1.43	429,800	1.09	429,800	1.09
2.	Technocraft Developers Private Limited	360,000	1.20	360,000	0.91	360,000	0.91
Additional top 10 Public Shareholders							
Nil							
Other Public Shareholders							
Nil							
Total (aggregate)		**30,101,200**	**100.00**	**27,725,200**	**70.00**	**27,725,200**	**70.00**

** Also Promoter Selling Shareholder*
Notes:
1) Assuming full subscription in the Offer (fresh issue and offer for sale). The post-Offer shareholding details, as at allotment, will be based on the actual subscription and the final Offer Price and updated in the Prospectus, subject to finalization of the basis of allotment. Also, this table assumes there is no transfer of shares by these shareholders between the date of the advertisement and allotment (if any such transfers occur prior to the date of Prospectus, it will be updated in the shareholding pattern in the Prospectus).
2) Based on the Offer price of ₹ [●] and subject to finalization of the basis of allotment.

BASIS FOR OFFER PRICE

The *"Basis for Offer Price"* beginning on page 150 of the RHP has been updated with the above. Please refer to the websites of the BRLM: www.khambattasecurities.com for the "Basis for Offer Price" updated with the above price band.
You may scan the QR code for accessing the website of Khambatta Securities Limited.

The Price Band has been determined by our Company in consultation with the BRLM, and the Offer Price shall also be determined by our Company in consultation with the BRLM, on the basis of assessment of market demand for the Equity Shares offered through the Book Building Process and quantitative and qualitative factors as described below. The face value of the Equity Shares is ₹10 each and the Floor Price is 20 times the face value and the cap price is 21.20 times the face value.

Bidders should read the below mentioned information along with *"Risk Factors", "Our Business", "Restated Consolidated Financial Information"* and *"Management's Discussion and Analysis of Financial Conditions and Results of Operations"* beginning on pages 33, 249, 364 and 486, respectively, of the RHP, to have an informed view before making an investment decision.

Qualitative Factors

Some of the qualitative factors and our strengths which form the basis for computing the Offer Price are on page 289 of the RHP.

Quantitative Factors

Certain information presented below relating to our Company is derived from the Restated Consolidated Financial Information. For details, please refer to the chapter titled "Restated Consolidated Financial Information" beginning on page 364 of the RHP.

Some of the quantitative factors which may form the basis for calculating the Offer Price are as follows:

1. **Basic and diluted earnings per Equity Share ("EPS"):**

For the Financial Year ended	Basic (in ₹)	Diluted (in ₹)	Weight
March 31, 2026	14.39	14.39	3
March 31, 2025	9.37	9.37	2
March 31, 2024	6.33	6.33	1
Weighted Average		11.37	

Notes:
i) Weighted average = Aggregate of financial year-wise weighted EPS divided by the aggregate of weights i.e. (EPS x Weight) for each financial year/Total of weights The face value of equity shares of the Company is ₹10 each.
ii) Basic Earnings per Equity Share (₹) = In accordance with the Ind AS 33, Basis earnings per share is calculated by dividing the restated profit or loss for the financial year by the weighted average number of Equity Shares outstanding during the financial year after considering the adjustment of bonus shares issued subsequent to financial year end.
iii) Diluted Earnings per Equity Share (₹) = In accordance with the Ind AS 33, Diluted earnings per share is calculated by dividing the restated profit or loss for the financial year by the weighted average number of Equity Shares outstanding during the financial year after considering the adjustment of bonus shares issued subsequent to financial year end and as adjusted for the effects of all dilutive potential Equity Shares during the financial year. The above statement should be read with significant accounting policies and notes on Restated Consolidated Financial Information.

2. **Price/Earning ("P/E") ratio in relation to the Price Band of ₹ 200 to ₹ 212 per Equity Share:**

Particulars	P/E at the Floor Price (no. of times)	P/E at the Cap Price (no. of times)
Based on Basic EPS for the Financial Year ended March 31, 2026	13.90	14.73
Based on Diluted EPS for the Financial Year ended March 31, 2026	13.90	14.73

3. **Industry Peer Group P/E ratio**

Based on the peer group information (excluding our Company), details of the highest, lowest and industry average P/E ratio are set forth below:

Particulars	P/E Ratio
Highest	31.96
Lowest	14.81
Average	22.96

Note:
i. The highest and lowest industry P/E shown above is based on the peers set out in item no. 6 of this section.
ii. The industry average has been calculated as the arithmetic average P/E of the industry peers disclosed under item no. 6 of this section.
iii. P/E Ratio has been computed based on the closing market price of equity shares as at July 21, 2026 / Diluted EPS as on March 31, 2026.

4. **Return on Net worth ("RoNW")**

For the Financial Year ended	RoNW* (%)	Weight
March 31, 2026	26.51	3
March 31, 2025	23.51	2
March 31, 2024	20.76	1
Weighted Average**	24.55	

Notes:
**Return on net worth is calculated as restated profit/(loss) for the financial year divided by net worth. Net Worth is aggregate value of the paid up share capital and all reserves created out of the profits and securities premium account and debit or credit balance of profit and loss account, after deducting the aggregate value of the accumulated losses, deferred expenditure and miscellaneous expenditure not written off, but does not include reserves created out of revaluation of assets/fair value gain, write back of depreciation and amalgamation, in accordance with Regulation 2(1)(hh) of the SEBI ICDR Regulations.*
***Weighted Average: Aggregate of financial year wise weighted RoNW, divided by the aggregate of weights, i.e. (RoNW*Weights) for each financial year/Total of weights.*

5. **Net Asset Value per Equity Share ("NAV")**

As at	Consolidated (in ₹)
March 31, 2026	54.28
March 31, 2025	39.86
March 31, 2024	30.49
After the completion of the Offer	
- At the Floor Price	89.25
- At the Cap Price	92.13
Offer Price*	[●]

** Offer Price per Equity Share will be determined on conclusion of the Book Building Process.*
Notes:
i) NAV means Net asset value (NAV) per share is computed as the closing net worth divided by number of equity shares outstanding at the end of the financial year, as adjusted for bonus issue of Equity Shares.
ii) Net Worth is aggregate value of the paid up share capital and all reserves created out of the profits and securities premium account and debit or credit balance of profit and loss account, after deducting the aggregate value of the accumulated losses, deferred expenditure and miscellaneous expenditure not written off, but does not include reserves created out of revaluation of assets/fair value gain, write back of depreciation and amalgamation, in accordance with Regulation 2(1)(hh) of the SEBI ICDR Regulations.

6. **Comparison of Accounting Ratios with listed industry peers**

Set forth below is a comparison of our accounting ratios with our listed peer companies listed in India, for Fiscal 2026:

Name of the Company	Face Value (₹ per share)	Revenue from Operations for Fiscal 2026 (₹ in million)	EPS for Fiscal 2026 (₹per share)		NAV (₹ per share)	P/E Ratio	RoNW (%) Fiscal 2026
			Basic	Diluted			
Technocraft Ventures Limited*	10	3,449.96	14.39	14.39	54.28	[●]**	26.51
Peer Group							
EMS Limited	10	7,327.47	16.30	16.30	190.57	24.30	8.62
VA Tech Wabag Limited	2	39,442.00	59.51	58.72	415.11	31.96	14.37
Enviro Infra Engineers Limited	10	11,455.96	10.42	10.41	7.05	20.76	15.22
Denta Water and Infra Solutions Limited	10	2,503.79	22.81	22.81	171.91	14.81	13.27

Continued on next page...

...continued from previous page.

*The financial information for our Company is based on the Restated Consolidated Financial Information.
**To be included in respect of our Company in the Prospectus, based on the Offer Price.
Source: All the financial information for listed industry peers mentioned above is on a Consolidated basis and is sourced from the annual results submitted to stock exchanges and posted on their websites.
(1) Basic EPS and Diluted EPS refer to the Basic EPS and Diluted EPS sourced from the financial statements of the respective company.
(2) P/E Ratio has been computed based on closing price as at July 29, 2026 / Diluted EPS as on March 31, 2026.
(3) Net asset value (NAV) per share is computed as the closing net worth divided by number of equity shares outstanding at the end of financial year, as adjusted for bonus issue of Equity Shares.
(4) Return on Net Worth calculated as restated profit for the financial year divided by Net Worth.
(5) "Net worth" means the aggregate value of the paid-up share capital and all reserves created out of the profits and securities premium account and debit or credit balance of profit and loss account, after deducting the aggregate value of the accumulated losses, deferred expenditure and miscellaneous expenditure not written off, as per the restated consolidated financial information, but does not include reserves created out of revaluation of assets, write- back of depreciation and amalgamation, capital reserve on consolidation and foreign currency translation reserve.

7. Comparison of Key Performance Indicators with listed industry peers

Set forth below is a comparison of our KPIs with our peer companies listed in India:

For the Financial Year ended March 31, 2026

(₹ in million, unless otherwise indicated)

Key Financial Indicators	Technocraft Ventures Limited	EMS Limited	VA Tech Wabag Limited	Enviro Infra Engineers Limited	Denta Water and Infra Solutions Limited
Revenue from Operations	3,449.96	7,327.47	39,442.00	11,455.96	2,503.79
Total Income	3,469.98	7,450.01	40,385.00	11,879.70	2,595.73
EBITDA (₹)	721.75	1,526.77	5,677.00	3,104.32	834.87
EBITDA Margin (%)	20.92	20.84	14.39	27.10	33.34
PAT	433.15	911.94	3,698.00	1,883.85	609.00
PAT Margin (%)	12.56	12.45	9.38	16.44	24.32
Operating Cash Flows	286.95	(149.04)	2,067.00	(630.92)	(344.95)
Net Worth	1,633.76	10,582.77	25,737.00	12,374.28	4,589.91
Net Debt	766.64	1,370.02	(5,567.00)	3,703.33	(144.78)
Debt- Equity Ratio (times)	0.55	0.15	0.09	0.34	0.03
Return on Equity (%)	26.51	8.62	14.37	15.22	13.27
Return on Capital Employed (%)	27.72	11.75	20.04	17.21	17.61

As certified by Rishi Kapoor & Company, Chartered Accountants pursuant to their certificate dated July 10, 2026 vide UDIN: 26455362NHPDQM8185.

Notes:
(1) Revenue from operation means revenue from sales and other operating revenues.
(2) Total Income represents the total turnover of our business i.e. Revenue from Operations and Other Income, if any.
(3) EBITDA is calculated as restated profit/(loss) before tax plus finance costs, depreciation and amortization expenses.
(4) EBITDA Margin is calculated as EBITDA divided by Revenue from Operations.
(5) PAT Margin is calculated as restated profit/(loss) for the financial year divided by Revenue from Operations.
(6) Net Worth is aggregate value of the paid up share capital and all reserves created out of the profits and securities premium account and debit or credit balance of profit and loss account, after deducting the aggregate value of the accumulated losses, deferred expenditure and miscellaneous expenditure not written off, but does not include reserves created out of revaluation of assets/fair value gain, write back of depreciation and amalgamation, in accordance with Regulation 2(1)(hh) of the SEBI ICDR Regulations.
(7) Net debt = non-current borrowing (including lease liability) + current borrowing (including lease liability) – Cash and Cash Equivalent.
(8) Debt equity ratio means ratio of total debt (long term plus short-term including current maturity of long-term debt) and Equity Share capital plus other equity (including minority interest).
(9) ROE is calculated as Profit for the financial year, divided by total shareholder's equity (including minority interest).
(10) ROCE is calculated as EBIT (i.e. restated profit/(loss) before tax plus finance costs) divided by capital employed (i.e. sum of:(i) Total shareholder's Equity (including minority interest); (ii) Long-Term Borrowings (including Lease Liabilities, if any); (iii) Short-Term Borrowings (including Lease Liability, if any).

8. Details of our Operational KPIs

(₹ in million, unless otherwise indicated)

KPI	For the Financial Year ended*		
	March 31, 2026	March 31, 2025	March 31, 2024
No. of Sewage Treatment Plant (STP) Projects Completed**[1]	Nil	1	Nil
No. of Govt. Projects Completed	6	2	2
Order Book (in numbers)	18	19	11
Order Book (in value)	12,358.97	7,688.20	7,528.80
Tender Participation and Success Ratio[2]	36.36%	41.67%	54.55%
EPC Volume under Government Schemes	12,358.97	7,688.20	7,528.80

**The Operational KPIs have been certified by Y.P.& Associates, Chartered Engineer vide certificate dated July 21, 2026, bearing certificate no. YP004/OPERATIONAL KPI'S/TECHNOCRAFT.*
***Since our inception, we completed and commissioned Wastewater Treatment projects, including high capacity STPs of capacity 56 MLD and 40 MLD based on SBR technology and a 3 MLD STP based on UASB technology.*
[1] *STP Projects take 2-3 years for completion ,3 projects are undergoing.*
[2] *Successful Conversion of Bids (in %) = (Bids awarded / Net Bids Submitted) *100.*

9. Weighted average cost of acquisition ("WACA").
Weighted average cost of acquisition based on Primary Issuances and Secondary Transactions

a) **Price per share of the Company (as adjusted for bonus issuance) based on primary issuances of Equity Shares or convertible securities (excluding Equity Shares issued under ESOP Plan and issuance of Equity Shares pursuant to a bonus issue) during the 18 months preceding the date of the Red Herring Prospectus, where such issuances is equal to or more than 5% of the fully diluted paid-up share capital of the Company in a single transaction or multiple transactions combined together over a span of rolling 30 days ("Primary Issuances")**

There have been no primary/new offer of shares (Equity Shares/convertible securities), excluding grants of any options and issuance of bonus shares, equal to or more than 5% of the fully diluted paid-up share capital of our Company (calculated on the pre-issue capital before such transactions and excluding employee stock options granted but not vested), in a single transaction or multiple transactions (combined together over a span of rolling 30 days) during 18 months preceding the date of the Red Herring Prospectus.

b) **Price per share of the Company (as adjusted for bonus issuance) based on secondary sales or acquisitions of Equity Shares or convertible securities (excluding gifts) where Promoters or members of the Promoter group or other shareholders with rights to nominate directors are a party to the transaction during the 18 months preceding the date of the Red Herring Prospectus, where the acquisitions or sale is equal to or more than 5% of the fully diluted paid-up share capital of the Company (calculated on the pre-issue capital before such transactions and excluding employee stock options granted but not vested), in a single transaction or multiple transactions combined together over a span of rolling 30 days ("Secondary Transactions").**

There have been no Secondary Transactions, where Promoters or members of the Promoter group or other shareholders with rights to nominate directors are a party to the transaction (excluding gifts), during the 18 months preceding the date of the Red Herring Prospectus, where either acquisition or sale is equal to or more than 5% of the fully diluted paid-up share capital of the Company (calculated on the pre-issue capital before such transactions and excluding employee stock options granted but not vested), in a single transaction or multiple transactions combined together over a span of rolling 30 days.

c) **Since there are no such transactions to report under (a) and (b) above, the details basis the last five primary and secondary transactions (secondary transactions where Promoters or members of the Promoter group or other shareholders with rights to nominate directors are a party to the transaction) during the three years preceding the date of the Red Herring Prospectus, irrespective of the size of transactions, is as below:**

Primary Transactions:

Sr. No.	Date of Allotment	Nature of Specified Securities	No. of Specified Security Allocated	Face Value per Share (in ₹)	Adjusted no. of shares Allotted at Face Value of ₹ 10 each	Issue per share (in ₹)	Nature of Allotment	Nature of Consideration	Total Consideration (₹ in million)
1	May 29, 2025	Equity	22,575,900	10	Nil	Nil	Bonus Issue in the ratio of 3:1	Other than cash	Nil

As certified by Rishi Kapoor & Company, Chartered Accountants pursuant to their certificate dated July 10, 2026 vide UDIN: 26455362QBCRCF4855.
 # The Primary Transactions includes Bonus Issue.

Secondary Transactions

Sr. No	Date of Allotment	Name of Transferee	Name of Transferor	Name of Transaction	Number of Equity Shares Transferred	Face Value per Share (in ₹)	Adjusted no. of Shares allotted of Face Value ₹10 each	Transfer Price per share (in ₹)	Total consideration in (₹ in million)
1.	March 24, 2025	Sanjay Tyagi	M/S Neeraj Tyagi HUF	Cash	750	10	Nil	121.76	0.09

As certified by Rishi Kapoor & Company, Chartered Accountants pursuant to their certificate dated July 10, 2026 vide UDIN: 26455362QBCRCF4855.

d) Weighted average cost of acquisition ("WACA"), floor price and cap price

Based on the disclosures in (a), (b) and (c) above, the weighted average cost of acquisition of the securities with the Floor Price and the Cap price is set forth below:

Past transactions	Weighted average cost of acquisition after Bonus shares adjustments (₹ per Equity Share)	Floor Price (i.e., ₹ 200)	Cap Price (i.e., ₹212)
Weighted average cost of acquisition of Primary Issuances as per paragraph (a) above.	N/A	N/A	N/A
Weighted average cost of acquisition of Secondary Transactions as per paragraph (b) above.	N/A	N/A	N/A
Weighted average cost of acquisition of Primary Issuances/ Secondary transactions as per paragraph (c) above.	–	–	–
-Based on Primary issuances	Nil	Nil	Nil
-Based on secondary transactions	121.76	1.64	1.74

As certified by Rishi Kapoor & Company, Chartered Accountants pursuant to their certificate dated July 10, 2026 vide UDIN: 26455362QBCRCF4855.

10. Justification for Basis for the Offer Price

Explanation for Cap Price along with our Company's key performance indicators and financial ratios Fiscals 2026, 2025 and 2024 and in view of the external factors which may have influenced the pricing of the Offer:
i. Diversified EPC Capabilities across Core Infrastructure Sectors.
ii. Execution of High Value Government and Multilateral Funded Projects.
iii. Regulatory Approved Electrical EPC Capabilities with Statewide Licenses.
iv. Strong order book of ₹ 13,207.32 Million as on July 15, 2026.
v. Promoter - Led Business with Strong Execution Capabilities
vi. Consistent Revenue Growth and Strengthening Profitability

11. The Offer Price is [●] times of the face value of the Equity Shares

The Offer Price of ₹ [●] has been determined by our Company in consultation with the BRLM, on the basis of the demand from investors for the Equity Shares through the Book Building Process. Our Company, in consultation with the BRLM, are justified of the Offer Price in view of the above qualitative and quantitative parameters.

Investors should read the above-mentioned information along with *"Risk Factors", "Our Business", "Restated Consolidated Financial Information"* and *"Management Discussion and Analysis of Financial Conditions and Results of Operations"* beginning on pages 33, 249, 364 and 486, respectively, of the RHP to have a more informed view. The trading price of the Equity Shares could decline due to the factors mentioned in the section *"Risk Factors"* beginning on page 33 of the RHP and any other factors that may arise in the future and you may lose all or part of your investment.

INDICATIVE TIMELINE IN RESPECT OF THE OFFER IS SET OUT BELOW:

Bid/Offer Programme

Event	Indicative Date
ANCHOR INVESTOR BIDDING DATE	Thursday, August 06, 2026
BID/OFFER OPENS ON	Friday, August 07, 2026
BID/OFFER CLOSES ON*^	Tuesday, August 11, 2026
Finalisation of Basis of Allotment with the Designated Stock Exchange	On or about Wednesday, August 12, 2026
Initiation of refunds (if any, for Anchor Investors) /unblocking of funds from ASBA Account*	On or about Thursday, August 13, 2026
Credit of Equity Shares to demat accounts of Allottees	On or about Thursday, August 13, 2026
Commencement of trading of the Equity Shares on the Stock Exchanges	On or about Friday, August 14, 2026

** Our Company in consultation with the BRLM, may consider closing the Bid/ Offer Period for QIBs one Working Day prior to the Bid/ Offer Closing Date in accordance with the SEBI ICDR Regulations.*
^ UPI mandate end time and date shall be at 5:00 pm on Bid/ Offer Closing Date
** In case of any delay in unblocking of amounts in the ASBA Accounts (including amounts blocked through the UPI Mechanism) exceeding 2 Working Days from the Bid/ Offer Closing Date, the Bidder shall be compensated at a uniform rate of ₹100 per day or 15% per annum of the Bid Amount, whichever is higher, for the entire duration of delay exceeding two Working Days from the Bid/Offer Closing Date by the intermediary responsible for causing such delay in unblocking in accordance with applicable law. The BRLM shall, in their sole discretion, identify and fix the liability on such intermediary or entity responsible for such delay in unblocking. Further, investors shall be entitled to compensation in the manner specified in the SEBI Master Circular no. SEBI/HO/MIRSD/POD-1/P/CIR/2024/37 dated May 07, 2024 in case of delays in resolving investor grievances in relation to blocking/unblocking of fund and the provisions shall also be deemed to be incorporated in the deemed agreement of the Company with the SCSBs to the extent applicable. The BRLM shall, in their sole discretion, identify and fix the liability on such intermediary or entity responsible for such delay in unblocking. For the avoidance of doubt, the provisions of the SEBI Master Circular no. SEBI/HO/MIRSD/POD-1/P/CIR/2024/37 dated May 07, 2024 shall be deemed to be incorporated in the agreements to be entered into by and between the Company and the relevant intermediaries, to the extent applicable.*
The processing fees for applications made by UPI Bidders using the UPI Mechanism may be released to the remitter banks (SCSBs) only after such banks provide a written confirmation on compliance with the SEBI master circular (SEBI/HO/CFD/PoD-1/P/CIR/2024/0154 2023) dated November 11, 2024.

Submission of Bids:

Bid/ Offer Period (except the Bid/Offer Closing Date)	
Submission and Revision in Bids	Only between 10.00 a.m. and 5.00 p.m. IST
Bid/Offer Closing Date*	
Submission of electronic applications (Online ASBA through 3-in-1 accounts) - For Retail Individual Bidders	Only between 10.00 a.m. and up to 5.00 p.m. IST
Submission of electronic applications (Bank ASBA through Online channels like internet banking, mobile banking and Syndicate UPI ASBA applications where Bid Amount is up to ₹0.50 million)	Only between 10.00 a.m. and up to 4.00 p.m. IST
Submission of electronic applications (Syndicate non-retail, non-individual applications)	Only between 10.00 a.m. and up to 3.00 p.m. IST
Submission of physical applications (Bank ASBA)	Only between 10.00 a.m. and up to 1.00 p.m. IST
Submission of physical applications (Syndicate non-retail, non-individual applications where Bid Amount is more than ₹0.50 million)	Only between 10.00 a.m. and up to 12.00 p.m. IST
Modification/ revision/cancellation of Bids	
Upward revision of Bids by QIBs and Non-Institutional Bidders categories#	Only between 10.00 a.m. and up to 5.00 p.m. IST on Bid/ Offer Closing Date
Upward or downward Revision of Bids or cancellation of Bids by	Only between 10.00 a.m. and up to 5.00 p.m. IST on

** UPI mandate end time and date shall be at 5:00 pm on Bid/ Offer Closing Date.*
 # QIBs and Non-Institutional Bidders can neither revise their bids downwards nor cancel/withdraw their bids.

On the Bid/Offer Closing Date, the Bids shall be uploaded until:
a) 4.00 p.m. IST in case of Bids by QIBs and Non-Institutional Bidders, and
b) Until 5.00 p.m. IST or such extended time as permitted by the Stock Exchanges, in case of Bids by Retail Individual Bidders.

On Bid/Offer Closing Date, extension of time may be granted by Stock Exchanges only for uploading Bids received by Retail Individual Bidders after taking into account the total number of Bids received up to closure of timings for acceptance of Bid cum Application Forms as stated herein and as reported by the BRLM to the Stock Exchanges.

ASBA*	Simple, Safe, Smart way of Application – Make use of it!!!	*Applications Supported by Blocked Amount (ASBA) is a better way of applying to Offers by simply blocking the fund in the bank account, investors can avail the same. For details, check section on ASBA below. **Mandatory in Public Issues. No cheque will be accepted.**

UNIFIED PAYMENTS INTERFACE

UPI – Now available in ASBA for Retail Individual Investors and Non-Institutional Investors applying in public issues where the application amount is up to ₹ 0.50 million, applying through Registered Broker, Syndicate, CDPs & RTAs. UPI Bidders also have the option to submit the application directly to the ASBA Bank (SCSBs) or to use the facility of linked online trading, demat and bank account. Bidders are required to ensure that the bank account used for bidding is linked to their PAN. Bidders must ensure that their PAN is linked with Aadhar and are in compliance with CBDT notification dated February 13, 2020 issued by Central Board of Direct Taxes and the subsequent press releases, including press release dated June 25, 2021 read with press release dated September 17, 2021, and CBDT circular no. 7 of 2022 dated March 30, 2022, read with press release dated March 28, 2023 and any subsequent press release in this regard.

ASBA has to be availed by all the investors except Anchor Investors. UPI may be availed by (i) Retail Individual Investors; and (ii) Non-Institutional Investors applying in public issue where the application amount is up to ₹ 0.50 million in the Non-Institutional Portion. For details on the ASBA and UPI process, please refer to the details given in the Bid Cum Application Forms and Abridged Prospectus and also please refer to the section "Offer Procedure" beginning on page 576 of the RHP. The process is also available on the website of Association of Investment Bankers of India ("AIBI") and Stock Exchanges in the General Information Document. The Bid Cum Application Forms and the Abridged Prospectus can be downloaded from the websites of Stock Exchanges and can be obtained from the list of banks that is displaying on website of SEBI at www.sebi.gov.in/sebiweb/other/OtherAction.do?doRecognisedFpi=yes&intmId=35 and https://www.sebi.gov.in/sebiweb/other/OtherAction.do? doRecognisedFpi=yes&intmId=43, respectively as updated form time to time. For the list of UPI Apps and Banks live on IPO, please refer to the link: www.sebi.gov.in. UPI Bidders Bidding using the UPI Mechanism may apply through SCSBs and mobile applications whose names appear on the website of SEBI, as updated from time to time. HDFC Bank Limited and Axis Bank Limited have been appointed as Sponsor Bank for the Offer in accordance with the requirements of the SEBI Circular dated November 01, 2018, as amended. For Offer related queries, please contact the BRLM on its email ID as mentioned below. For UPI related queries, investors can contact NPCI at the toll free number: 18001201740 and mail ID: ipo.upi@npci.org.in

THE EQUITY SHARES OF OUR COMPANY WILL GET LISTED ON THE MAIN BOARD PLATFORMS OF BSE AND NSE

In case of any revision in the Price Band, the Bid/Offer Period shall be extended by at least three additional Working Days following such revision of the Price Band, subject to the Bid/Offer Period not exceeding 10 Working Days. In cases of *force majeure,* banking strike or similar circumstances, our Company in consultation with the BRLM, may, for reasons to be recorded in writing, extend the Bid/Offer Period for a minimum of one Working Day, subject to the Bid/Offer Period not exceeding 10 Working Days. Any revision in Price Band, and the revised Bid/Offer Period, if applicable, shall be widely disseminated by notification to the Stock Exchanges, by issuing a public notice, and also by indicating the change on the website of the BRLM and at the terminals of the Syndicate Member and by intimation to the Designated Intermediaries and the Sponsor Banks, as applicable.

The Offer is being made in terms of Rule 19(2)(b) of the SCRR, read with Regulation 31 of the SEBI ICDR Regulations. The Offer is being made through the Book Building Process, in compliance with Regulation 6(1) of the SEBI ICDR Regulations wherein not more than 50% of the Offer shall be available for allocation on a proportionate basis to Qualified Institutional Buyers ("QIBs") (such portion referred to as "QIB Portion") provided that our Company, in consultation with the BRLM, may allocate up to 60% of the QIB Portion to Anchor Investors and the basis of such allocation will be on a discretionary basis in accordance with the SEBI ICDR Regulations (the "Anchor Investor Portion"), of which 40% of the Anchor Investor Portion will be reserved for allocation in the following manner: (i) 33.33% to domestic Mutual Funds, and (ii) 6.67% to life insurance companies and pension funds in accordance with the SEBI ICDR Regulations. In the event of under-subscription or non-allocation in the Anchor Investor Portion, the balance Equity Shares shall be added to the Net QIB Portion. (other than the Anchor Investor Portion). Further, 5% of the QIB Portion shall be available for allocation on a proportionate basis only to Mutual Funds subject to valid Bids being received at or above the Offer Price, and the remainder of the QIB Portion shall be available for allocation on a proportionate basis to all QIBs, including Mutual Funds, subject to valid Bids being received at or above the Offer Price. However, if the aggregate demand from Mutual Funds is less than 5% of the QIB Portion, the balance Equity Shares available for allocation in Mutual Fund Portion will be added to the remaining QIB Portion for proportionate allocation to QIBs. Further, not less than 15% of the Offer shall be available for allocation to NIIs (out of which: (a) one-third of the portion available to NIIs will be for allocation to Bidders with a Bid size of more than ₹ 0.20 million and up to ₹ 1.00 million ; and two-thirds of the Non-Institutional Category will be available for allocation to Bidders with Bid size of more than ₹ 1.00 million and under-subscription in either of these two sub- categories of Non-Institutional Category may be allocated to Bidders in the other sub-category of Non-Institutional Category). Further, not less than 35% of the Offer shall be available for allocation to RIIs, in accordance with the SEBI ICDR Regulations, subject to valid Bids being received from them at or above the Offer Price. In case of revision of Price Band, the Bid Lot shall remain the same. All potential Bidders (except Anchor Investors) are required to mandatorily utilize the Application Supported by Blocked Amount ("ASBA") process by providing details of their respective ASBA Accounts and UPI ID (in case of UPI bidders using the UPI Mechanism (as defined hereinafter)), in which case the corresponding Bid Amounts will be blocked by the SCSBs or under the UPI Mechanism, as applicable to participate in the Offer. Anchor Investors are not permitted to participate in the Anchor Investor Portion of the Offer through ASBA process. For details, kindly refer *"Offer Procedure"* beginning on page 576 of the RHP.

Bidders/Applicants should ensure that DP ID, PAN and the Client ID (for UPI Bidders bidding through UPI Mechanism) are correctly file in the Bid Cum Application Form. The DP ID, PAN and Client ID provided in the Bid cum Application Form should match with the DP ID, PAN, Client ID and UPI ID (for UPI Bidders bidding through the UPI Mechanism) in the Depository database, otherwise, the Bid cum Application Form is liable to be rejected. Bidders/Applicants should note that on the basis of the PAN, DP ID, Client ID and UPI ID (for UPI Bidders bidding through UPI mechanism) as provided in the Bid cum Application Form, the Bidder/Applicant may be deemed to have authorized the Depositories to provide to the Registrar to the Offer, any requested Demographic Details of the Bidder/Applicant as available on the records of the depositories. These Demographic details may be used, among other things, for giving Allotment Advice or unblocking of ASBA Account or for other correspondence(s) related to the Offer. Bidders/Applicants are advised to update any changes to their Demographic Details as available in the records of the Depository Participant to ensure accuracy of records. Any delay resulting from failure to update the Demographic Details would be at the Bidders/Applicants sole risk.

CONTENTS OF THE MEMORANDUM OF ASSOCIATION OF OUR COMPANY AS REGARDS ITS OBJECTS: For information on the main objects and other objects of our Company, kindly refer *"Our History and Certain Corporate Matters"* beginning on page 328 of the RHP. The Memorandum of Association of our Company is a material document for inspection in relation to the Offer. For further details, kindly refer *"Material Contracts and Documents for Inspection"* beginning on page 618 of the RHP.

LIABILITY OF MEMBERS OF THE COMPANY: Limited by shares.

AMOUNT OF SHARE CAPITAL OF THE COMPANY AND CAPITAL STRUCTURE: As on date of RHP, the authorized share capital of the Company is ₹ 400,000,000 divided into 40,000,000 Equity Shares of face value of ₹ 10 each. The issued, subscribed and paid-up share capital of the Company before the Offer is ₹ 301,012,000 divided into 30,101,200 Equity Shares of face value of ₹ 10 each. For details of the Capital Structure, kindly refer *"Capital Structure"* beginning on page 113 of the RHP.

Continued on next page...

संक्षिप्त खबरें

वाराणसी: तत्काल टिकट के लिए नई व्यवस्था लागू

वाराणसी। रेलवे ने तत्काल टिकट बुकिंग प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने के लिए नई व्यवस्था लागू कर दी है। अब एसी और स्लीपर श्रेणी के तत्काल टिकट लेने वाले यात्रियों को पहले टोकन प्राप्त करना होगा। टोकन लेने के दौरान संबंधित यात्री को अपना वैध पहचान पत्र भी दिखाना अनिवार्य होगा। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य तत्काल टिकट काउंटरों पर लगने वाली भीड़ को नियंत्रित करना और टिकट वितरण को अधिक सुव्यवस्थित बनाना है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार नई व्यवस्था के तहत निर्धारित संख्या में ही टोकन जारी किए जाएंगे। एसी श्रेणी के तत्काल टिकटों के लिए 10 टोकन तथा स्लीपर श्रेणी के लिए 15 टोकन वितरित किए जाएंगे। टोकन की संख्या सीमित होने के कारण काउंटरों पर अनावश्यक भीड़ कम होगी और यात्रियों को अपनी बारी का इंतजार व्यवस्थित ढंग से करने में सुविधा मिलेगी।

प्रयागराज से वाराणसी रोडवेज बस का किराया बढ़ा, सावन में यात्रियों पर बढ़ा अतिरिक्त बोझ

प्रयागराज/वाराणसी। सावन माह में कांवड़ यात्रा के मद्देनजर प्रयागराज से वाराणसी के बीच संचालित रोडवेज बसों का किराया बढ़ा दिया गया है। डायवर्जन व्यवस्था लागू होने के कारण उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (रोडवेज) ने किराए में 28 रुपये की वृद्धि की है, जिससे यात्रियों को अब पहले की तुलना में अधिक भुगतान करना पड़ेगा। नई दरों के अनुसार प्रयागराज से वाराणसी का सामान्य बस किराया 197 रुपये से बढ़ाकर 225 रुपये कर दिया गया है। वहीं प्रयागराज से गोरखपुर जाने वाली बसों का किराया भी 428 रुपये से बढ़ाकर 440 रुपये कर दिया गया है। रोडवेज अधिकारियों के अनुसार प्रयागराज-वाराणसी और गोरखपुर मार्ग पर चलने वाली बसों को कांवड़ यात्रा के चलते डायवर्जन वाले रास्तों से संचालित किया जा रहा है। मार्ग बदलने के कारण बसों को अधिक दूरी तय करनी पड़ रही है, जिससे परिचालन लागत बढ़ी है। इसी को देखते हुए किराए में अस्थायी बढ़ोतरी का निर्णय लिया गया है। प्रयागराज क्षेत्रीय रोडवेज के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक (एआरएम) ने बताया कि यह व्यवस्था कांवड़ यात्रा समाप्त होने तक लागू रहेगी। यात्रा समाप्त होने के बाद बसों का संचालन सामान्य मार्ग से शुरू होने पर किराए की दरों की दोबारा समीक्षा की जाएगी।

वाराणसी : कांवड़ मार्ग पर कट प्वाइंट से नहीं रुक रही वाहनों की आवाजाही, हादसों की आशंका

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी। सावन माह में कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, व्यवस्थित और निर्बाध रूप से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। प्रयागराज से वाराणसी आने वाले दक्षिणी मार्ग को कांवड़ियों के लिए आरक्षित घोषित किया गया है, जहां आम वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाई गई है। पुलिस कमिश्नर, डीआईजी समेत वरिष्ठ अधिकारी लगातार कांवड़ मार्ग का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले रहे हैं और ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे हैं। हालांकि, पुलिस की सख्ती के बीच मार्ग के कट प्वाइंटों पर सामने आ रही अव्यवस्था नई चुनौती बनकर उभर रही है, जहां वाहन चालकों की जल्दबाजी किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। कछवां, मिजार्मुराद और रखौना गांव के आसपास आरक्षित कांवड़ मार्ग पर बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। पुलिसकर्मी लगातार मार्ग पर गश्त कर रहे हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि किसी भी प्रकार का सामान्य यातायात कांवड़ियों के लिए आरक्षित लेन में प्रवेश न करे। दोपहिया वाहनों सहित अन्य छोटे वाहनों को मार्ग के शुरूआती हिस्सों में ही रोककर उन्हें वैकल्पिक रास्तों से जाने के लिए निर्देशित किया जा रहा है। प्रशासन का उद्देश्य कांवड़ियों की यात्रा को पूरी तरह सुरक्षित और बाधारहित बनाए रखना है। मिजार्मुराद थाना क्षेत्र के बंगला गांव के पास पुलिस विशेष रूप से सक्रिय दिखाई दी। यहां थाना प्रभारी अपनी टीम के साथ आरक्षित मार्ग पर आने वाले दोपहिया वाहनों को रोककर वापस भेज रहे थे। वाहन चालकों को समझाया जा रहा था कि वे निर्धारित वैकल्पिक मार्ग का ही उपयोग करें, जिससे कांवड़ियों के आवागमन में कोई व्यवधान उत्पन्न न हो। पुलिस की इस कार्रवाई से आरक्षित मार्ग पर सामान्य वाहनों का दबाव काफी हद तक नियंत्रित होता दिखाई दिया। हालांकि, इसी व्यवस्था के दौरान एक गंभीर समस्या भी सामने आई। जब वाहन चालकों को आरक्षित मार्ग से लौटाया गया, तो उनमें से कई लोग निकट स्थित कट प्वाइंट से सड़क पार कर दूसरी लेन में जाने लगे। इस दौरान कई चालक बिना दोनों ओर से आ रहे तेज रफ्तार वाहनों का सही आकलन किए ही सड़क पार करने का प्रयास करते नजर आए।

सावन के पहले सोमवार की पूर्व संध्या पर केसरियामय हुई काशी

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी। सावन माह के पहले सोमवार की पूर्व संध्या पर उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी (काशी) पूरी तरह शिवमय और केसरियामय हो गई। रविवार तड़के से ही हजारों कांवड़ियों के जत्थे वाराणसी पहुंचने लगे और देर रात तक उनके आने का सिलसिला अनवरत जारी रहेगा। ह्यहर-हर महादेवह्ल और ह्यबोल बमह्ल के जयघोष से गंगाघाटों, प्रमुख मार्गों और बाबा विश्वनाथ धाम का पूरा क्षेत्र गुंजायमान है। बाबा के जलाभिषेक का उत्साह, थकान पर भारी रही आस्था लंबी पैदल यात्रा से सूजे पांव और छालों के बावजूद शिवभक्तों का उत्साह कम नहीं हुआ। रास्ते में कुछ देर विश्राम के बाद कांवड़िए पुनः बाबा विश्वनाथ के दरबार की ओर बढ़ते रहे। विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं शिवभक्तों द्वारा चितरंजन पार्क (दशाश्वमेध), गोदौलिया सहित कई स्थानों पर कांवड़ियों के लिए जलपान, चिकित्सा और विश्राम की व्यवस्था की गई है। गंगाघाटों पर आस्था का सैलाब दशाश्वमेध, प्राचीन शीतला एवं राजेंद्र प्रसाद घाट पर गंगा के बढ़े जलस्तर के बावजूद श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई और कांवड़ में गंगाजल भरकर बाबा विश्वनाथ के दर्शन-पूजन के लिए मंदिर के विभिन्न प्रवेश द्वारों पर कतारबद्ध होते रहे। पहले सोमवार के जलाभिषेक के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ भगवान शिव को अत्यंत प्रिय सावन के पहले सोमवार पर जलाभिषेक करने की लालसा एक दिन पहले से ही स्पष्ट दिखाई देने लगी। वाराणसी, आसपास के जिलों के अलावा बिहार और मध्यप्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में शिवभक्त कांवड़ लेकर काशी पहुंच रहे हैं। प्रयागराज संगम से पवित्र जल लेकर लगभग 125 किलोमीटर की पदयात्रा करने वाले हजारों कांवड़िए भी सोमवार तक काशी पहुंचने की तैयारी में हैं। इनमें बड़ी संख्या में डाक बम भी शामिल हैं, जो तेज गति से दौड़ते हुए यात्रा पूरी करते हैं। गोदौलिया क्षेत्र में बनाए गए बैरिकेडिंग के भीतर रविवार से ही कांवड़ियों की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गईं। सुकर्मा एवं सर्वार्थ सिद्धि योग में होगा जलाभिषेक इस वर्ष सावन के पहले सोमवार को सुकर्मा योग और सर्वार्थ सिद्धि योग का शुभ संयोग बन रहा है। ज्योतिषीय दृष्टि से इस योग में भगवान शिव का जलाभिषेक अत्यंत फलदायी माना जाता है। यही कारण है कि कांवड़ियों के साथ-साथ स्थानीय श्रद्धालुओं में भी विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

महंत बालक देवाचार्य का अखिलेश यादव पर पलटवार , बोले- तथ्यों का अध्ययन कर करें टिप्पणी

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी के पातालपुरी मठ के पीठाधीश्वर महंत बालक देवाचार्य ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के एक ट्वीट पर रविवार को तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि धार्मिक विषयों और संत समाज से जुड़े मामलों पर टिप्पणी करने से पहले तथ्यों का गंभीरता से अध्ययन करना चाहिए। महंत बालक देवाचार्य ने कहा कि इतिहास और धार्मिक ग्रंथों में छलपूर्वक साधु का वेश धारण करने वालों का अंत बुरा हुआ है। उन्होंने कहा, रावण और कालनेमी ने साधु का वेश बनाया तो दोनों को दंडित किया गया। पप्पू यादव ने साधु का वेश बनाया तो संत समाज ने केवल एफआईआर दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव अपने ट्वीट में मरे हुए रावण की बात कर रहे हैं और बिना तथ्यों के बयान दे रहे हैं। राम मंदिर निर्माण के दौरान चंदे से जुड़े कथित चोरी के मामले का उल्लेख करते हुए महंत ने कहा कि अब तक इस प्रकरण में किसी साधु का नाम सामने नहीं आया है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के नाम चर्चा में आए हैं, उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज हो चुकी है और जांच एजेंसियां अपना कार्य कर रही हैं। महंत बालक देवाचार्य ने विश्वास जताया कि जांच पूरी होने पर सच्चाई सामने आ जाएगी और दूध का दूध, पानी का पानी हो जाएगा। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में रहने वाले नेताओं को तथ्यों की जानकारी लेकर ही बयान देना चाहिए, ताकि समाज में भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो।

अब एसजीपीजीआई में हो सकेगा चेहरे की जटिल चोट व विकृतियों का अत्याधुनिक उपचार

प्रात: किरण संवाददाता

लखनऊ। अब उत्तर प्रदेश के रोगियों को चेहरे पर लगी जटिल चोटों एवं पोस्ट-ट्रॉमेटिक विकृतियों के उपचार के लिए प्रदेश के बाहर नहीं जाना पड़ेगा। लखनऊ स्थित संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) के एपेक्स ट्रॉमा सेंटर के ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग में चेहरे पर लगी चोट का अत्याधुनिक उपचार हो सकेगा। एसजीपीजीआई ने क्रैनियो-मैक्सिलोफेशियल सर्जरी के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए एपेक्स ट्रॉमा सेंटर के ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग ने पेशेंट-स्पेसिफिक इम्प्लांट तथा ओ-आर्म इमेजिंग तकनीक की सहायता से इंट्राऑपरेटिव नेविगेशन गाइडेड सेकेंडरी ऑर्बिटल वॉल रिकंस्ट्रक्शन की राज्य की पहली सफल सर्जरी सम्पन्न की है। रोगी को पूर्व में हुए गंभीर चेहरे की चोट के कारण नेत्रगुहा की हड्डी की जटिल विकृति हो गई थी, जिसके कारण उसे लगातार प्रत्येक आकृति दो दिखाई पड़ती थी। इस जटिल सर्जरी में इंट्राऑपरेटिव नेविगेशन तकनीक ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ऑपरेशन पूर्ण होने से पूर्व ओ-आर्म इमेजिंग की गई। इससे ऑपरेशन थिएटर में ही इम्प्लांट की स्थिति एवं ऑर्बिटल रिकंस्ट्रक्शन का तत्काल मूल्यांकन संभव हुआ। इस प्रक्रिया से सर्जरी की गुणवत्ता की वस्तुनिष्ठ पुष्टि हुई, इम्प्लांट की सटीक स्थिति सुनिश्चित हुई तथा भविष्य में किसी शेष विकृति अथवा पुनः सुधारात्मक सर्जरी की आवश्यकता की संभावना कम हो गई। यह उत्तर प्रदेश का पहला मामला है, जिसमें सेकेंडरी ऑर्बिटल वॉल रिकंस्ट्रक्शन हेतु इंट्राऑपरेटिव नेविगेशन, ओ-आर्म इमेजिंग तथा पेशेंट-स्पेसिफिक इम्प्लांट का सफलतापूर्वक संयुक्त उपयोग किया गया है। डॉ. कुलदीप विश्वकर्मा ने बताया कि अब चेहरे की गंभीर चोटों के बाद उत्पन्न विकृतियों, लगातार दोहरा दिखाई देने अथवा अन्य जटिलताओं से पीड़ित रोगी एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, एसजीपीजीआई के ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग में उन्नत पुनर्निर्माण उपचार की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं।

मानसिक तनाव के चलते अधेड़ ने फांसी लगाकर दी जान, पुलिस

कानपुर। महाराजपुर थाना क्षेत्र के बंबुरिहा गांव में देर रात एक अधेड़ ने घर के भीतर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पड़ताल में जुट गई है। मृतक की पहचान बंबुरिहा निवासी राकेश कुमार कुरील (52) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, उन्होंने रात के समय में घर में पंखे से कपड़ा बांधकर फंदा लगा लिया प्रारंभिक जांच में परिजनों ने बताया कि राकेश कुमार पिछले दो-तीन दिनों से मानसिक तनाव में थे। आशंका जताई जा रही है कि इसी वजह से उन्होंने यह कदम उठाया। मृतक अपने पीछे पत्नी सीमा, दो बेटे अमन और प्रशांत तथा बेटी नेहा को छोड़ गए हैं। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। महाराजपुर थाना के कार्यवाहक प्रभारी सुनील कुमार वर्मा ने बताया कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

दो छात्राओं को पुणे के स्कूल ऑफ प्रोग्रामिंग में मिला प्रवेश दो वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए चार लाख रुपये की छात्रवृत्ति

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में वाराणसी जनपद के भंदहा कला (कैथी) गांव की दो छात्राओं ने अपनी प्रतिभा के दम पर पुणे स्थित स्कूल ऑफ प्रोग्रामिंग में प्रवेश प्राप्त किया है। चयनित छात्राओं प्रतिमा सोनकर और दिव्या निषाद को दो वर्षीय पाठ्यक्रम के दौरान लगभग चार लाख रुपये की छात्रवृत्ति भी प्रदान की जाएगी। पुणे स्थित यह संस्थान नवगुरुकुल फाउंडेशन द्वारा संचालित किया जाता है। दोनों छात्राएं सामाजिक संस्था आशा ट्रस्ट की ओर से संचालित निःशुल्क आशा लाइब्रेरी में अध्ययन कर रही थीं। आशा ट्रस्ट के समन्वयक वल्लभाचार्य पाण्डेय ने बताया कि चयन प्रक्रिया के तहत कई चरणों में लिखित परीक्षा और साक्षात्कार आयोजित किए गए। इस प्रक्रिया में आशा लाइब्रेरी की नौ छात्राओं ने भाग लिया था, जिनमें अंतिम रूप से प्रतिमा सोनकर और दिव्या निषाद का चयन हुआ। उन्होंने बताया कि दो अन्य छात्राओं की चयन प्रक्रिया अभी जारी है उन्होंने बताया कि चयनित दोनों छात्राएं उच्च अध्ययन के लिए पुणे पहुंच चुकी हैं। पाठ्यक्रम की पूरी अवधि के दौरान उनके अध्ययन, छात्रावास, भोजन, लैपटॉप सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था नवगुरुकुल फाउंडेशन द्वारा की जाएगी। पाठ्यक्रम पूरा होने के बाद छात्राओं को निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों में परिसर चयन (कैंपस प्लेसमेंट) का अवसर भी उपलब्ध कराया जाएगा।

...continued from previous page.

NAMES OF THE INITIAL SIGNATORIES TO THE MEMORANDUM OF ASSOCIATION OF THE COMPANY AND THE NUMBER OF EQUITY SHARES SUBSCRIBED BY THEM: Given below are the names of the initial signatories of the Memorandum of Association of the Company and the number of Equity Shares subscribed by them at the time of signing of the Memorandum of Association of our Company: Rekha Tyagi- 100 Equity Shares and Neeraj Tyagi- 100 Equity Shares aggregating to 200 Equity Shares of face value of ₹ 10 each. For details of the share capital history of the Company, kindly refer *"Capital Structure"* beginning on page 113 of the RHP.

LISTING: The Equity Shares offered through the RHP are proposed to be listed on BSE and NSE. Our Company has received in-principle approvals from BSE and NSE for listing of the Equity Shares pursuant to their letters each dated October 10, 2025. For the purposes of this Offer, BSE shall be the Designated Stock Exchange. A signed copy of the RHP has been filed with the RoC and the Prospectus shall be filed with the RoC in accordance with Section 26(4) and 32 of the Companies Act, 2013. For details of the material contracts and documents available for inspection from the date of the RHP up to the Bid/Offer Closing date, kindly refer *"Material Contracts and Documents for Inspection"* beginning on page 618 of the RHP.

DISCLAIMER CLAUSE OF SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA ("SEBI"): SEBI only gives its observations on the Offer Document and this does not constitute approval of either the Offer or the specified securities stated in the Offer Document. The investors are advised to refer to page 549 of the RHP for the full text of the Disclaimer Clause of SEBI.

DISCLAIMER CLAUSE OF BSE (THE DESIGNATED STOCK EXCHANGE): It is to be distinctly understood that the permission given by BSE should not in any way be deemed or construed that the RHP has been cleared or approved by BSE nor does it certify the correctness or completeness of any of the contents of the RHP. The investors are advised to refer to page 552 of the RHP for the full text of the Disclaimer Clause of BSE.

DISCLAIMER CLAUSE OF NSE: It is to be distinctly understood that the permission given by NSE should not in any way be deemed or construed that the RHP has been cleared or approved by NSE nor does it certify the correctness or completeness of any of the contents of the RHP. The investors are advised to refer to page 552 and 553 of the RHP for the full text of the Disclaimer Clause of NSE.

GENERAL RISKS: Investments in equity and equity-related securities involve a degree of risk and investors should not invest any funds in this Offer unless they can afford to take the risk of losing their investment. Investors are advised to read the risk factors carefully before taking an investment decision in this Offer. For taking an investment decision, investors must rely on their own examination of our Company and the Offer including the risks involved. The Equity Shares issued in the Offer have neither been recommended nor approved by Securities and Exchange Board of India ("SEBI"), nor does SEBI guarantee the accuracy or adequacy of the contents of the RHP. Specific attention of the investors is invited to the chapter titled *"Risk Factors"* beginning on page 33 of the RHP.

BOOK RUNNING LEAD MANAGER	REGISTRAR TO THE OFFER	COMPANY SECRETARY AND COMPLIANCE OFFICER
Khambatta Securities Limited SINCE 1918 SIXTH SENSE ...beyond the obvious **KHAMBATTA SECURITIES LIMITED** 806, World Trade Tower, Tower B, Noida Sector-16, Uttar Pradesh-201301, India **Tel.:** +91 9953989693; 0120 4415469 **E-mail:** ipo@khambattasecurities.com **Investor Grievance E-mail:** mbcomplaints@khambattasecurities.com **Contact Person:** Chandan Mishra/ Shubhra **Website:** www.khambattasecurities.com **SEBI Registration Number:** INM000011914	**BIGSHARE SERVICES PRIVATE LIMITED** S6-2, 6th Floor, Pinnacle Business Park, Next to Ahura Centre, Mahakali Caves Road, Andheri East, Mumbai – 400093, Maharashtra, India **Tel:** +91 22 6263 8200 **E-mail:** ipo@bigshareonline.com **Investor Grievance E-mail:** investor@bigshareonline.com **Contact Person:** Babu Rapheal **Website:** www.bigshareonline.com **SEBI Registration Number:** INR000001385	**Shefali Kesarwani** S 553/54, Ground Floor, School Block, Shakarpur, New Delhi-110092, India. **Tel:** +91 7835008595 **E-mail:** compliance@technocraftventures.com Investors may contact the Company Secretary and Compliance Officer, the BRLM or the Registrar to the Offer in case of any pre-offer or post-offer related grievances including non-receipt of letters of Allotment, non-credit of Allotted Equity Shares in the respective beneficiary account, non-receipt of refund orders or non-receipt of funds by electronic mode. For all offer related queries and for redressal of complaints, investors may also write to the BRLM.

AVAILABILITY OF THE RHP: Investors are advised to refer to the RHP and the section titled "Risk Factors" beginning on page 33 of the RHP before applying in the Offer. A copy of the RHP will be made available on the website of the SEBI at www.sebi.gov.in, the website of the BRLM, Khambatta Securities Limited, at www.khambattasecurities.com and websites of BSE and NSE i.e. www.bseindia.com and www.nseindia.com, respectively and the website of the Company at www.technocraftventures.com.

AVAILABILITY OF THE ABRIDGED PROSPECTUS: A copy of the Abridged Prospectus shall be available on the website of the Company, the BRLM and the Registrar to the Offer at: www.technocraftventures.com, www.khambattasecurities.com and www.bigshareonline.com, respectively.

AVAILABILITY OF BID CUM APPLICATION FORMS: Bid Cum Application Forms can be obtained from the Registered Office of the Company, Technocraft Ventures Limited (Tel: +91 7835008595); BRLM- Khambatta Securities Limited (Tel: +91 9953989693; 0120 4415469); Specified locations of Syndicate Member: Prabhat Financial Services Limited (Tel: 0141-4162083/4162099, 8696266661), Registered Brokers, Designated RTA Locations and Designated CDPs Locations for CDP participating in the Offer. Bid Cum Application Forms will also be available on the websites of BSE (www.bseindia.com) and NSE (www.nseindia.com) and all the Designated Branches of SCSBs, the list of which is available at websites of the Stock Exchanges and SEBI.

SUB-SYNDICATE MEMBERS: Shreeram Fincare India Private Limited, Spread X Securities Private Limited, Greshma Shares & Stocks Limited, Rudra Shares And Stock Brokers Limited, JSK Securities and Services Private Limited.

BANKERS TO THE OFFER:-

ESCROW COLLECTION BANK: Axis Bank Limited

SPONSOR BANKS: HDFC Bank Limited and Axis Bank Limited

PUBLIC OFFER BANK: HDFC Bank Limited

REFUND BANK: Axis Bank Limited

UPI: UPI Bidders can also Bid through UPI Mechanism.

All capitalized terms used herein and not specifically defined shall have the same meaning as ascribed to them in the RHP.

For **Technocraft Ventures Limited**
On Behalf of the Board of Directors
Sd/-
Shefali Kesarwani
Company Secretary and Compliance Officer

Place: Noida, Uttar Pradesh
Date: August 01, 2026

Technocraft Ventures Limited is proposing, subject to applicable statutory and regulatory requirements, receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations, to undertake an initial public offering of its Equity Shares and has filed the RHP dated July 30, 2026 with Registrar of Companies, Delhi I. The RHP shall be available on the website of the SEBI at www.sebi.gov.in, the website of the BRLM at www.khambattasecurities.com, the website of the Company at www.technocraftventures.com and websites of BSE and NSE i.e. www.bseindia.com and www.nseindia.com, respectively. Any potential investor should note that investment in equity shares involves a high degree of risk and for details relating to the same, kindly refer *"Risk Factors"* beginning on page 33 of the RHP. Potential investors should not rely on the DRHP filed with the SEBI and Stock Exchanges for making any investment decision and should instead rely on the information included in the RHP filed by the Company with the RoC, the SEBI and the Stock Exchanges.

The Equity Shares have not been and will not be registered under the U.S. Securities Act of 1933, as amended or any other applicable law of the United States, and may not be offered or sold within the United States except pursuant to an exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the U.S. Securities Act and applicable state securities laws. Accordingly, the Equity Shares are only being offered and sold (i) to persons in the United States or to or for the account or benefit of, U.S. Persons, in each case to investors that are both "qualified institutional buyers" (as defined in Rule 144A under the U.S. Securities Act and referred to in the Red Herring Prospectus as "U.S. QIBs") and, for the avoidance of doubt, the term U.S. QIBs does not refer to a category of institutional investor defined under applicable Indian regulations and referred to in the Red Herring Prospectus as "QIBs"; and "qualified purchasers" (as defined under the U.S. Investment Company Act and referred to in the Red Herring Prospectus as "QPs") in transactions exempt from or not subject to the registration requirements of the U.S. Securities Act and in reliance on Section 3(c)(7) of the U.S. Investment Company Act; or (ii) outside the United States to investors that are not U.S. Persons in offshore transactions (as defined in, and in reliance on, Regulation S under the U.S. Securities Act and the applicable laws of the jurisdiction where those offers and sales occur).

सम्पादकीय

एआई बनाम परमाणु बम : मानवता के सामने सबसे बड़ा खतरा कौन ?

डॉ. शैलेश शुक्ला

कुछ वर्ष पहले तक दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा परमाणु बम को माना जाता था। आज भी यदि किसी देश के पास परमाणु हथियार हैं तो दुनिया चिंतित हो जाती है। लेकिन अब एक नई शक्ति तेजी से विकसित हो रही है, जिसका नाम है कृत्रिम मेधा (एआई)। यह तकनीक हमारे मोबाइल फोन, कंप्यूटर, अस्पतालों, स्कूलों, बैंकों, कारखानों और सरकारी दफ्तरों तक पहुँच चुकी है। यह हमारे काम को आसान बना रही है, लेकिन इसके साथ अनेक नए प्रश्न भी खड़े हो गए हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या भविष्य में एआई परमाणु बम से भी बड़ा खतरा बन सकता है? इस प्रश्न का उत्तर देने से पहले यह समझना आवश्यक है कि दोनों की प्रकृति अलग-अलग है। परमाणु बम एक हथियार है, जिसका उद्देश्य विनाश करना है। इसके विपरीत एआई एक तकनीक है, जिसे मनुष्य ने अपनी सहायता के लिए बनाया है। इसका उपयोग चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, शोध, पत्रकारिता और अनेक अन्य क्षेत्रों में हो रहा है। इसलिए यह कहना उचित नहीं होगा कि एआई अपने आप में कोई बुरी चीज है। असली प्रश्न यह है कि इसका उपयोग किस उद्देश्य से और किस प्रकार किया जाता है। परमाणु बम का नुकसान सभी को दिखाई देता है। यदि उसका प्रयोग हो जाए तो कुछ ही क्षणों में भारी तबाही मच सकती है। लोगों की जान चली जाती है, इमारतें नष्ट हो जाती हैं और पर्यावरण भी लंबे समय तक प्रभावित रहता है। इसलिए दुनिया के अधिकांश देशों ने ऐसे हथियारों के उपयोग को रोकने के लिए अनेक नियम बनाए हैं। परमाणु हथियार बहुत कम देशों के पास हैं और उन पर कड़ा नियंत्रण भी रहता है। एआई की स्थिति इससे बिल्कुल अलग है। यह किसी एक देश या संस्था तक सीमित नहीं है। आज दुनिया भर में करोड़ों लोग इसका उपयोग कर रहे हैं। कोई छात्र पढ़ाई के लिए इसका सहारा ले रहा है, कोई डॉक्टर रोगों की जानकारी प्राप्त करने के लिए इसका उपयोग कर रहा है, कोई किसान खेती से जुड़ी जानकारी ले रहा है और कोई लेखक अपने काम में सहायता प्राप्त कर रहा है। यही इसकी सबसे बड़ी ताकत भी है और सबसे बड़ी चुनौती भी। एआई का सबसे बड़ा खतरा यह नहीं है कि वह अचानक दुनिया को नष्ट कर देगा। वास्तविक चिंता यह है कि यदि इसका गलत उपयोग होने लगे तो समाज को धीरे-धीरे बहुत बड़ा नुकसान पहुँच सकता है। उदाहरण के लिए आज ऐसी तकनीक उपलब्ध है जिससे किसी व्यक्ति की नकली आवाज बनाई जा सकती है, उसका झूठा वीडियो तैयार किया जा सकता है या उसके नाम से गलत बातें फैलाई जा सकती हैं। यदि इन साधनों का उपयोग चुनावों, सामाजिक विवादों या किसी व्यक्ति की छवि खराब करने के लिए किया जाए तो समाज में भ्रम और अविश्वास फैल सकता है। आज सूचना पहले से कहीं अधिक तेजी से फैलती है। यदि गलत सूचना एआई की सहायता से तैयार होकर लाखों लोगों तक पहुँच जाए, तो उसे रोकना आसान नहीं होता। लोग बिना जाँच किए उस पर विश्वास कर लेते हैं। इससे समाज में तनाव बढ़ सकता है और लोकतांत्रिक व्यवस्था भी प्रभावित हो सकती है। इसलिए एआई के इस पक्ष को गंभीरता से समझने की आवश्यकता है। रोजगार के क्षेत्र में भी एआई का प्रभाव दिखाई देने लगा है। कई ऐसे कार्य हैं जिन्हें अब कंप्यूटर पहले की तुलना में अधिक तेजी से कर सकते हैं। इससे लोगों की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि सभी नौकरियाँ समाप्त हो जाएँगी। इतिहास बताता है कि जब भी नई तकनीक आती है, कुछ पुराने काम कम हो जाते हैं और नए प्रकार के काम शुरू होते हैं। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि लोग समय के साथ नए कौशल सीखें और बदलती तकनीक के अनुसार स्वयं को तैयार करें। शिक्षा के क्षेत्र में भी एआई नई संभावनाएँ लेकर आया है। विद्यार्थी कठिन विषयों को आसानी से समझ सकते हैं। शिक्षक पढ़ाने के नए तरीके अपना सकते हैं। लेकिन यदि विद्यार्थी बिना सोचे-समझे हर उत्तर एआई से लेने लगेंगे, तो उनकी अपनी सोचने और समझने की क्षमता कमजोर हो सकती है। शिक्षा का उद्देश्य केवल उत्तर प्राप्त करना नहीं, बल्कि सही ढंग से सोचने की क्षमता विकसित करना भी है। इसलिए एआई को शिक्षक का विकल्प नहीं, बल्कि सहायक के रूप में देखना चाहिए। पत्रकारिता में भी एआई का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। समाचारों का अनुवाद, आँकड़ों का विश्लेषण और सामान्य रिपोर्ट तैयार करने जैसे कार्य अब पहले की तुलना में अधिक तेजी से हो सकते हैं।

हर किसी का अपना सावन है

सफलता के बिना, आशावाद की जगह चिंता ले लेती है। इसलिए किसान सावन पर निर्भर है और उसे इस पर भरोसा करना ही चाहिए। सावन भारतीय कविता का अभिन्न अंग रहा है। वसंत ऋतु प्रेम के द्वार खोलती है, वहीं वर्षा ऋतु प्रेम और भावनाओं की प्रचुरता की अभिव्यक्ति मानी जाती है। प्राचीन संस्कृत के कवियों, मध्यकालीन भक्ति संतों, लोकगीतों और समकालीन लेखकों को काले बादलों, हल्की फुहारों, दूर-दूर तक फैले तूफानों और वर्षा से व्याकुल दृश्यों से प्रेरणा मिली है। ऐसा लगता है कि बारिश का मौसम प्रेम को एक नई लय देता है। बारिश परिदृश्य और भावनाओं को शांत और मधुर बना देती है। कीचड़ से सनी सड़कें, झूमते पेड़, ठंडी हवा, धुंधली परछाइयाँ - ये सभी दृश्य चिंतन और आत्मीयता को प्रेरित करते हैं। वास्तव में, भारत की कुछ बेहतरीन कविताएँ, संगीत और चित्रकलाएँ बारिश के रोमांस को सम्मान देती हैं, शायद इसलिए कि यह महज एक संयोग नहीं है। सावन का मौसम देश के गांवों में लोगों के जीवन को त्योहारों में बदल देता है। बरगद, नीम और पीपल के पेड़ों पर झूले लगाए जाते हैं। चमकीले कपड़े पहने युवतियां मल्हार और कजरी जैसे पारंपरिक गीत गाती हैं, जिनमें प्रेम, एकांत और प्रकृति की समृद्धि का वर्णन होता है।

डॉ. प्रियंका सौरभ
(लेखक)

भारत मानसून के आगमन के साथ मौसम में बदलाव का स्वागत करता है, और इससे भी कहीं अधिक। यह एक ऐसे मौसम की शुरूआत है जो फलों की भरपूर फसल, ताजगी और नए जीवन को जन्म देता है, साथ ही मानव हृदयों में नई आशा और सदियों से समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को पुनर्जीवित करता है। महीनों की भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के बाद बारिश होती है; यह केवल प्यासी धरती के लिए ही पानी नहीं है, बल्कि जागृत सपनों के लिए, थकी हुई आत्माओं को ऊर्जा प्रदान करने के लिए और अग्नि के सानिध्य में जीने वाले हम जैसे लोगों को बंजरपन का सामना करने और यह जानने की याद दिलाने के लिए है कि इसके बाद हरियाली और नया जीवन आएगा। कई मायनों में सावन भारत का सबसे लोकतांत्रिक मौसम है। यह सबके लिए उपलब्ध है, लेकिन हर व्यक्ति के लिए इसका अपना अनूठा महत्व है। अलग-अलग लोगों के लिए, उनके पेशे, उम्र, यादों, आस्था, आकांक्षाओं और परिस्थितियों के अनुसार इसके अलग-अलग अर्थ होते हैं। कुछ के लिए यह सफलता का प्रतीक है, तो दूसरों के लिए प्रेम का। कई लोगों के लिए यह आस्था की यात्रा है, तो बच्चों के लिए मस्ती का! जी हां, हममें से हर कोई अपने-अपने तरीके से सावन का अनुभव करता है। भारत के किसानों के लिए सावन सिर्फ बारिश नहीं, बल्कि जीवन और जीने का मौका है। कृषि आज भी इस देश में लाखों लोगों का प्रमुख रोजगार स्रोत है और बारिश का समय पर आना या न आना कई जगहों पर जीवन-मरण का सवाल होता है। हम सभी को इंतजार करना पड़ता है, और हर बादल उम्मीद लेकर आता है, हर बौछार राहत देती है, हर हरा-भरा खेत महीनों के धैर्य और मेहनत का फल होता है। समय पर बारिश होने से मिट्टी उपजाऊ होती है और किसान का आत्मविश्वास भी बढ़ता है। सफलता के बिना, आशावाद की जगह चिंता ले लेती है। इसलिए किसान सावन पर निर्भर है और उसे इस पर भरोसा करना ही चाहिए। सावन भारतीय कविता का अभिन्न अंग रहा है। वसंत ऋतु प्रेम के द्वार खोलती है, वहीं वर्षा ऋतु प्रेम और भावनाओं की प्रचुरता की अभिव्यक्ति मानी जाती है। प्राचीन संस्कृत के कवियों, मध्यकालीन भक्ति संतों, लोकगीतों और समकालीन लेखकों को काले बादलों, हल्की फुहारों, दूर-दूर तक फैले तूफानों और वर्षा से व्याकुल दृश्यों से प्रेरणा मिली है। ऐसा लगता है कि बारिश का मौसम प्रेम को एक नई लय देता है। बारिश परिदृश्य और भावनाओं को शांत और मधुर बना देती है। कीचड़ से सनी सड़कें, झूमते पेड़, ठंडी हवा, धुंधली परछाइयाँ - ये सभी दृश्य चिंतन और आत्मीयता को प्रेरित करते हैं। वास्तव में, भारत की कुछ बेहतरीन कविताएँ, संगीत और चित्रकलाएँ बारिश के रोमांस को सम्मान देती हैं, शायद इसलिए कि यह महज एक संयोग नहीं है। सावन का मौसम देश के गांवों में लोगों के जीवन को त्योहारों में बदल देता है। बरगद, नीम और पीपल के पेड़ों पर झूले लगाए जाते हैं। चमकीले कपड़े पहने युवतियां मल्हार और कजरी जैसे पारंपरिक गीत गाती हैं, जिनमें प्रेम, एकांत और प्रकृति की समृद्धि का वर्णन होता है। नवविवाहित बेटियों के लिए यह मौसम अक्सर बचपन के घर को यादों से भर देता है और उन रिश्तों को फिर से जीवंत करने का अवसर होता है जो भले ही टूट गए हों, लेकिन कभी खोए नहीं। यह सिर्फ एक सांस्कृतिक परंपरा नहीं, बल्कि जीने का एक तरीका है; ये लोक परंपराएं हैं और भारत के भावनात्मक और सामाजिक ताने-बाने की अभिव्यक्ति हैं। सावन का मौसम बच्चों की तरह आनंदित होता है। उन्हें कृषि उत्पादन या मौसम पूवार्नुमान की कोई चिंता नहीं होती। बारिश का मतलब है नंगे पैर नाचना, पानी के गड्ढों में कागज की नावें तैराना, इंद्रधनुष के पीछे खेलना और खुलकर हंसना। जब वे खुश होते हैं, तो ऐसा लगता है मानो बड़ों को एक सरल तथ्य याद आ रहा होः कभी-कभी, खुशी छोटी-छोटी चीजों में ही होती है! लेकिन आजकल के बच्चे बाहर और निर्धारित गतिविधियों में बहुत कम समय बिताते हैं। कई बच्चों के लिए मानसून उस समय में आता है जब डिजिटल मनोरंजन बाहरी खेलों की जगह ले रहा होता है। प्रकृति के साथ इस घनिष्ठ संबंध को संरक्षित करना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि जंगलों और नदियों के साथ। लेकिन वृद्ध लोगों के लिए सावन का अर्थ अलग होता है। जब बारिश के दिन आते हैं, तो उन्हें कई बातें याद आ जाती हैंः बचपन के खेल, बचपन की दोस्ती, पारिवारिक मिलन और सादगी भरे पल। यह सिर्फ खिड़की के पास बैठकर गर्म चाय की चुस्की लेते हुए बाहर बारिश की हल्की आवाज सुनने का समय नहीं है, बल्कि यह जीवन भर के अनमोल पलों को याद करने का समय है। इस मायने में मानसून स्मृतियों का साथी होता है। यह ऋतु आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्रावण सबसे पवित्र माह है जो भगवान शिव को समर्पित है और प्रत्येक वर्ष, भारत में बड़ी संख्या में लोग उनके मंदिरों में दर्शन के लिए जाते हैं। अनुशासन, त्याग और आस्था वे प्रमुख तत्व हैं जिनके माध्यम से तीर्थयात्री लंबी यात्राओं पर निकलते हैं और नदियों से पवित्र जल लाकर शिव मंदिरों में अर्पित करते हैं। ये सभी अनूठी भारतीय परंपराएं हैं जहां दुनिया और प्रकृति आपस में जुड़ी हुई हैं और आध्यात्मिक महत्व रखती हैं। नदियां, पहाड़, जंगल, वर्षा और भूमि केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं हैं बल्कि जीवन के लिए पवित्र स्थान रखते हैं।

क्या धर्मेंद्र प्रधान की इस्तीफा बदल देगा भारतीय राजनीति की दिशा ?

भारत में कई ऐसे आंदोलन हुए हैं जिन्होंने राजनीतिक व्यवस्था को गहराई से प्रभावित किया। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर जेपी आंदोलन, मंडल आंदोलन, भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन और किसान आंदोलनों तक अनेक उदाहरण बताते हैं कि जब जनता किसी मुद्दे पर व्यापक रूप से एकजुट होती है, तो सरकारों को अपनी नीतियों पर पुनर्विचार करना पड़ता है। हालाँकि हर आंदोलन सत्ता परिवर्तन का कारण नहीं बना। कई आंदोलनों ने केवल नीतिगत बदलाव कराए, जबकि कुछ ने राजनीतिक दलों के उदय या पतन का मार्ग प्रशस्त किया। इसलिए किसी भी आंदोलन का प्रभाव उसकी व्यापकता, नेतृत्व, संगठन और दीर्घकालिक राजनीतिक रणनीति पर निर्भर करता है। धर्मेंद्र प्रधान प्रकरण को भी इसी व्यापक संदर्भ में देखा जा रहा है। यदि यह केवल एक घटना बनकर रह जाता है, तो इसका प्रभाव सीमित होगा। लेकिन यदि विपक्ष इसे व्यापक जनभावनाओं से जोड़ने में सफल होता है, तो यह एक बड़े राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन सकता है। पिछले कुछ वर्षों में यह धारणा बनने लगी थी कि भारतीय राजनीति में चुनावी अभियानों का केंद्र डिजिटल माध्यम और नेतृत्व आधारित प्रचार बन गया है। लेकिन हाल के घटनाक्रमों ने यह संकेत दिया कि सड़क पर उतरने वाले आंदोलनों की प्रासंगिकता अब भी समाप्त नहीं हुई है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहाँ राजनीति केवल चुनावी मंचों पर नहीं होती। संसद, सड़क, न्यायपालिका, मीडिया, विश्वविद्यालय, सामाजिक संगठन और अब सोशल मीडिया, ये सभी लोकतांत्रिक विमर्श के महत्वपूर्ण मंच बन चुके हैं। जब किसी मुद्दे पर इन विभिन्न मंचों का दबाव एक साथ दिखाई देता है, तो उसका राजनीतिक प्रभाव कहीं अधिक व्यापक हो जाता है। धर्मेंद्र प्रधान प्रकरण ने भी यही संकेत दिया है। इस पूरे घटनाक्रम ने यह प्रश्न खड़ा किया कि क्या अब भारतीय राजनीति में जनता का संगठित दबाव फिर से निर्णायक भूमिका निभाने लगा है? या यह केवल एक विशेष परिस्थिति थी, जिसका प्रभाव समय के साथ सीमित हो जाएगा? इन प्रश्नों का उत्तर केवल वर्तमान घटनाओं में नहीं, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में भी छिपा है। भारत में कई ऐसे आंदोलन हुए हैं जिन्होंने राजनीतिक व्यवस्था को गहराई से प्रभावित किया। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर जेपी आंदोलन, मंडल आंदोलन, भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन और किसान आंदोलनों तक अनेक उदाहरण बताते हैं कि जब जनता किसी मुद्दे पर व्यापक रूप से एकजुट होती है, तो सरकारों को अपनी नीतियों पर पुनर्विचार करना पड़ता है। हालाँकि हर आंदोलन सत्ता परिवर्तन का कारण नहीं बना। कई आंदोलनों ने केवल नीतिगत बदलाव कराए, जबकि कुछ ने राजनीतिक दलों के उदय या पतन का मार्ग प्रशस्त किया। इसलिए किसी भी आंदोलन का प्रभाव उसकी व्यापकता, नेतृत्व, संगठन और दीर्घकालिक राजनीतिक रणनीति पर निर्भर करता है। धर्मेंद्र प्रधान प्रकरण को भी इसी व्यापक संदर्भ में देखा जा रहा है। यदि यह केवल एक घटना बनकर रह जाता है, तो इसका प्रभाव सीमित होगा। लेकिन यदि विपक्ष इसे व्यापक जनभावनाओं से जोड़ने में सफल होता है, तो यह एक बड़े राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन सकता है। पिछले कुछ वर्षों में यह धारणा बनने लगी थी कि भारतीय राजनीति में चुनावी अभियानों का केंद्र डिजिटल माध्यम और नेतृत्व आधारित प्रचार बन गया है। लेकिन हाल के घटनाक्रमों ने यह संकेत दिया कि सड़क पर उतरने वाले आंदोलनों की प्रासंगिकता अब भी समाप्त नहीं हुई है। जब छात्र, युवा, सामाजिक संगठन और विभिन्न समूह किसी मुद्दे पर एक साथ सक्रिय होते हैं, तो सरकार के सामने केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि नैतिक चुनौती भी खड़ी होती है। लोकतंत्र में सरकारें केवल बहुमत से नहीं, बल्कि जनता के विश्वास से भी चलती हैं। इसलिए जनदबाव को पूरी तरह अनदेखा करना किसी भी सरकार के लिए आसान नहीं होता। यही कारण है कि विपक्ष ने इस पूरे घटनाक्रम को लोकतांत्रिक संघर्ष के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया। भारतीय संसद लोकतांत्रिक जवाबदेही का सबसे महत्वपूर्ण मंच है। किसी भी सरकार के निर्णयों की समीक्षा, प्रश्नों के उत्तर, बहस और आलोचना, ये सभी संसदीय लोकतंत्र की आधारशिला है। धर्मेंद्र प्रधान प्रकरण में विपक्ष ने संसद के भीतर लगातार सरकार को घेरने की रणनीति अपनाई। विभिन्न विपक्षी दलों ने इसे केवल एक विभागीय मामला न मानकर व्यापक जवाबदेही का विषय बनाया। संसद में उठे प्रश्नों और बाहर चल रहे आंदोलनों के बीच एक प्रकार का समन्वय दिखाई दिया। राजनीतिक दृष्टि से यह विपक्ष के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बदलाव माना जा सकता है। पहले कई मुद्दों पर विपक्ष बिखरा हुआ दिखाई देता था, लेकिन इस बार उसने अपेक्षाकृत अधिक समन्वित रुख अपनाने की कोशिश की। भारतीय लोकतंत्र में नागरिक समाज की भूमिका हमेशा महत्वपूर्ण रही है। शिक्षाविद, पूर्व प्रशासक, सामाजिक कार्यकर्ता, छात्र संगठन, वकील, लेखक और विभिन्न पेशेवर समूह समय-समय पर सार्वजनिक मुद्दों पर अपनी राय रखते रहे हैं। हाल के वर्षों में सोशल मीडिया ने नागरिक समाज की आवाज को और अधिक व्यापक बना दिया है। अब किसी भी मुद्दे पर विशेषज्ञों और आम नागरिकों की प्रतिक्रियाएँ कुछ ही घंटों में राष्ट्रीय बहस का हिस्सा बन जाती हैं। धर्मेंद्र प्रधान प्रकरण में भी नागरिक समाज के विभिन्न वर्गों की प्रतिक्रियाओं ने इस मुद्दे को केवल राजनीतिक विवाद न रहने देकर सार्वजनिक विमर्श का विषय बना दिया। कांग्रेस लंबे समय से ऐसे मुद्दे की तलाश में थी जो उसे राष्ट्रीय स्तर पर सरकार के खिलाफ एक मजबूत नैरेटिव बनाने का अवसर दे सके। यदि विपक्ष इस पूरे घटनाक्रम को ॖजनदबाव की सफलताॗ के रूप में प्रस्तुत करता है, तो वह भविष्य में इसी मॉडल को अन्य मुद्दों पर भी अपनाने का प्रयास कर सकता है। इस रणनीति के मुख्य तत्व हो सकते हैं जनता के बीच लगातार अभियान। संसद में संयुक्त विपक्ष का समन्वित प्रदर्शन। सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार। छात्र, युवा और नागरिक संगठनों से संवाद। स्थानीय आंदोलनों को राष्ट्रीय विमर्श से जोड़ना। लेकिन इस रणनीति की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि विपक्ष केवल विरोध तक सीमित रहता है या जनता के सामने ठोस वैकल्पिक नीतियाँ भी प्रस्तुत करता है। अब राजनीतिक दृष्टि से सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न उत्तर प्रदेश है। 2027 का विधानसभा चुनाव केवल राज्य की सत्ता का चुनाव नहीं होगा, बल्कि उसे 2029 के लोकसभा चुनाव के सेमीफाइनल के रूप में भी देखा जाएगा। उत्तर प्रदेश भारत का सबसे बड़ा राजनीतिक राज्य है। यहाँ की सामाजिक संरचना, जातीय समीकरण, धार्मिक विविधता, ग्रामीण-शहरी संतुलन और विशाल मतदाता आधार राष्ट्रीय राजनीति को गहराई से प्रभावित करते हैं। यदि विपक्ष किसी राष्ट्रीय मुद्दे को उत्तर प्रदेश के स्थानीय प्रश्नों रोजगार, शिक्षा, कृषि, कानून-व्यवस्था और सामाजिक न्याय से जोड़ने में सफल होता है, तो चुनावी मुकाबला अधिक रोचक हो सकता है। वहीं दूसरी ओर भाजपा भी इस राज्य में अपना सबसे मजबूत संगठन रखती है।

अराजकता के वातावरण में कुलगाम काण्ड के मायने

डा. रवीन्द्र अरजरिया

संसद से सडक तक अराजकता का वातावरण है। संसदीय गरिमा अपने श्रंगार के लिए जार-जार रो रही है। सडकों पर ईंट, पत्थर और डंडे चल रहे हैं। डीप स्टेट के एजेन्डा की प्रत्यक्ष दर्शन हो रहे हैं। न्यायालयीन आदेशों को खुलेआम न मानने घोषणायें की जा रहीं है। छात्र आन्दोलन के नाम पर सजाये गये मंच से धारा 370, राम मंदिर, सम्प्रदायगत, जातिगत मुद्दों को ही नहीं उठाया गया बल्कि गालियों की प्रतियोगिता, अभद्रता का टूनार्मेन्ट, हिंसा का होड जैसे अनगिनत कृत्य किये गये। बांग्लादेश और नेपाल की तर्ज पर भारत को चलाने की चेतावनियां दी जाती रहीं। विपक्षियों ने सरेआम सरकार विरोधी षडयंत्र को कार्यरूप दिया। देश की आन्तरिक सुरक्षा, नागरिक व्यवस्था तथा कानूनी बोध को स्थापित रखने वाले लोगों बेखौफ निशाना बनाया जाता रहा। आन्दोलन के नाम पर हिंसा करने वालों को बचाने के लिए प्रयास शुरू हो गये। इसी दौरान अमेरिका की धरती से विशेष लक्ष्य लेकर आने वाले आम आदमी पार्टी के पूर्व पदाधिकारी ने विभिन्न राजनैतिक दलों के युवा और छात्र संगठनों के साथ मिलकर काकरोच के नाम पर एक नया संगठन खडा कर दिया और धमकाने लगे देश की निरीह आवाम को। आश्चर्य होता है कि देश के ईमानदार करदाताओं के खून-पसीने की कमाई से वसूले जाने वाली धनराशि से राष्ट्र विरोधी मानसिकता वालों को भारी भरकम सुरक्षा, संसाधन तथा सहयोग दिया जा रहा है। देश को डसने वाले सांपों के पोषण हेतु देश के आम नागरिकों का खून पिलाया जा रहा है। खुले मंचों से राष्ट्र को धमकाने वाले, सरेआम साम्प्रदायिक दंगे कराने वाले, कट्टरपंथी सोच वाले, जेहादी मानसिकता वाले हजारों लोग आज सरकारी सुरक्षा घेरे में ऐश की जिन्दगी जी रहे हैं। उनके बच्चे विदेशी धरती पर भविष्य संवार रहे हैं। हालात यह है कि संसार का सबसे बडा लोकतांत्रिक देश आज अपने ही संवैधानिक हथकडियों में जकड कर स्वयं की किस्तों में होती हत्या का गवाह बनता जा रहा है। एशिया को पूरी तरह से लाचार करने के लिए डीप स्टेट लम्बे समय से भारत को निशाना बनाता रहा है। नक्सल से लेकर कट्टरता तक, आन्दोलनों से लेकर प्रदर्शनों तक और सम्प्रदाय से लेकर जाति तक के आधारों पर हिंसा फैलाई जाती रही। स्लीपर सेल, उजागर नाम और संरक्षकों की जमातें नित नये पैतरे आजमाती रहीं। एक बार फिर धरती के स्वर्ग पर कट्टरवाद ने गैर मुस्लिम को स्वर्गवासी बनाना शुरू कर दिया है। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में ईंट-भट्ठे पर पसीना बहाकर अपने परिवार का पेट पालने वाले छत्तीसगढ़ के निर्दोष श्रमिक दीपक रात्रे और भूपिंदर की आतंकवादियों द्वारा की गई कायरतापूर्ण हत्या केवल एक आपराधिक घटना नहीं है बल्कि यह भारत की साझा सांस्कृतिक चेतना, आर्थिक संप्रभुता और मानवाधिकारों पर सीधा प्रहार है। लश्कर-ए-तैयबा के छद्म संगठन ह्यद रेजिस्टेंस फ्रंट यानी टीआरएफ द्वारा अंजाम दी गई यह वारदात उस रक्तरंजित प्रवृत्ति की निरंतरता है, जिसमें आतंकवादी संगठन पीड़ित की धार्मिक व क्षेत्रीय पहचान पूछकर या सुनिश्चित करके गोलियां चलाते हैं। पहलगाम से लेकर कुलगाम तक और गंदेरबल से लेकर श्रीनगर की सड़कों तक जब-जब किसी बेगुनाह से उसकी पहचान, उसका गृह राज्य या उसका धर्म पूछकर ट्रिगर दबाया जाता है, तब-तब आतंकवाद अपने सबसे घिनौने और नग्न रूप में प्रकट होता है। यह केवल भू-राजनीतिक संघर्ष नहीं बल्कि विचारधारा के स्तर पर उपजी एक गहरी बर्बरता है। यह केवल कश्मीर घाटी की शांति प्रक्रिया को ध्वस्त ही नहीं करना चाहती बल्कि पूरे भारत में सांप्रदायिक वैमनस्य का जहर घोलने की साजिश भी रचती है। पहलगाम से कुलगाम की विभीषिका कश्मीर घाटी में गैर-स्थानीय श्रमिकों, कश्मीरी पंडितों और धार्मिक अल्पसंख्यकों को निशाना बनाकर की जाने वाली हत्याओं का इतिहास कोई नया नहीं है। इसने अनेक बार खुलकर आतंक फैलाया जिससे देश के अनेक राजनैतिक दलों ने खुलकर समर्थन ही नहीं दिया बल्कि आतंकवादियों को मासूम, निरीह और उत्तेजिक जनमानस के रूप में भी परिभाषित भी किया।

सड़कों पर लावारिस पशुओं का बढ़ता आतंक

कांतिलाल मांडोत

सड़क पर अचानक सामने आ गई गाय, सांड या भैंस। चालक के पास ब्रेक लगाने का समय नहीं। पलभर में वाहन असंतुलित हुआ और एक परिवार की खुशियां हमेशा के लिए उजड़ गई। भारत के शहरों, कस्बों और गांवों में यह दृश्य अब असामान्य नहीं रह गया है। हर दिन अखबारों और समाचार चैनलों में ऐसे हादसों की खबरें आती हैं, जिनमें निर्दोष लोग अपनी जान गंवा देते हैं या जीवनभर के लिए अपंग हो जाते हैं। यह केवल सड़क सुरक्षा का विषय नहीं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही, सामाजिक गैर-जिम्मेदारी और कानून के कमजोर क्रियान्वयन का गंभीर परिणाम है। ऐसे समय में सर्वोच्च न्यायालय का यह कहना कि सड़कों पर घूमने वाले लावारिस पशु प्राकृतिक स्पीड ब्रेकर नहीं हैं और इनके कारण होने वाले हादसों के पीड़ितों के लिए वैधानिक मुआवजा व्यवस्था बनाई जानी चाहिए, अत्यंत स्वागतयोग्य और समयोचित निर्देश है। न्यायालय ने केंद्र और राज्य सरकारों से स्पष्ट कहा है कि इस समस्या को अलग-अलग घटनाओं के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्रीय समस्या के रूप में देखा जाए। देश में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या लगातार चिंता का विषय बनी हुई है। सड़क परिवहन और राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार भारत में हर वर्ष लगभग डेढ़ लाख से अधिक लोगों की सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु होती है। इनमें एक बड़ा हिस्सा उन दुर्घटनाओं का भी है जिनका कारण सड़कों पर घूमने वाले पशु होते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने सुनवाई के दौरान सरकारी आंकड़ों का उल्लेख करते हुए कहा कि पशुओं के हमलों और उनसे जुड़े हादसों में प्रतिवर्ष लगभग 1300 से अधिक लोगों की जान चली जाती है। यह संख्या बताती है कि समस्या केवल स्थानीय नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर की है। सबसे अधिक पशुजनित सड़क हादसों का सटीक राष्ट्रीय राज्यवार रिकॉर्ड अभी उपलब्ध नहीं है, क्योंकि अधिकांश राज्यों में इन्हें अलग श्रेणी में व्यवस्थित रूप से दर्ज नहीं किया जाता। फिर भी विभिन्न राज्यों के उपलब्ध आंकड़े समस्या की गंभीरता को उजागर करते हैं। ओडिशा में वर्ष 2022 से 2024 के बीच लावारिस पशुओं से जुड़े 3023 सड़क हादसे दर्ज किए गए। मध्य प्रदेश में पिछले दो वर्षों में 237 दुर्घटनाओं में 94 लोगों की मृत्यु हुई। यह केवल दर्ज मामलों का आंकड़ा है, जबकि अनेक दुर्घटनाएं सामान्य सड़क हादसों के रूप में दर्ज हो जाती हैं। यह समस्या केवल महानगरों तक सीमित नहीं है। दिल्ली, जयपुर, भोपाल, अहमदाबाद, लखनऊ, कानपुर, इंदौर, नागपुर, पटना और चंडीगढ़ जैसे शहरों में अक्सर सांडों और गायों के झुंड मुख्य सड़कों पर बैठे दिखाई देते हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों पर रात के समय सड़क पर बैठे पशु वाहन चालकों के लिए सबसे बड़ा खतरा बन जाते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में तो स्थिति और भी गंभीर है, जहां किसान दूध देना बंद कर चुके पशुओं को खुला छोड़ देते हैं और वे सड़कों पर विचरण करते रहते हैं। समस्या की जड़ केवल प्रशासनिक नहीं बल्कि सामाजिक भी है। जब तक पशु दूध देता है या खेती में उपयोगी रहता है, तब तक उसकी देखभाल की जाती है। जैसे ही वह आर्थिक रूप से अनुपयोगी हो जाता है, उसे सड़क पर छोड़ दिया जाता है। इससे पशु भी असुरक्षित होता है और आम नागरिक भी। सर्वोच्च न्यायालय ने बिल्कुल उचित टिप्पणी की है कि पशुपालकों की जिम्मेदारी केवल पशु पालने तक सीमित नहीं है बल्कि उसके पूरे जीवन की जिम्मेदारी भी उन्हीं की है। यदि वे उसकी देखभाल नहीं कर सकते तो उसे अधिकृत गौशाला या आश्रय गृह में सौंपना चाहिए, सड़क पर नहीं छोड़ना चाहिए। न्यायालय ने कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। सभी पशुओं की टैगिंग और डिजिटल पहचान सुनिश्चित की जाए ताकि मालिक की पहचान हो सके। प्रत्येक नगर निकाय में नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएं। लावारिस पशुओं को पकड़कर आश्रय गृहों में भेजा जाए। जिन राज्यों में संबंधित कानून पहले से हैं, उनका सख्ती से पालन कराया जाए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि सड़क हादसे के पीड़ितों को समयबद्ध मुआवजा देने की कानूनी व्यवस्था बनाई जाए। दरअसल, यह केवल सड़क सुरक्षा का मामला नहीं बल्कि संविधान के मूल दायित्वों से भी जुड़ा विषय है। संविधान का अनुच्छेद 48 राज्य को पशुधन संरक्षण का दायित्व देता है, जबकि अनुच्छेद 51(ए)(जी) प्रत्येक नागरिक को जीवों के प्रति करुणा रखने का कर्तव्य सौंपता है। लेकिन करुणा का अर्थ यह नहीं कि पशुओं को सड़कों पर खुला छोड़ दिया जाए। वास्तविक करुणा उनकी उचित देखभाल, भोजन, चिकित्सा और सुरक्षित आश्रय सुनिश्चित करने में है। सरकारों को अब इस समस्या पर तदर्थ कार्रवाई के बजाय दीर्घकालिक नीति बनानी होगी।

संक्षिप्त खबरें

विधायक पुत्र ने कावड़ शिविर उद्घाटन के साथ ही अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले शिव भक्तों को दी शुभकामनाएं

लोनी। रविवार के दिन ही पाइप लाइन रोड पर शिव कावड़ सेवा संस्था द्वारा आयोजित कावड़ सेवा शिविर का विधायक पुत्र ने शुभारंभ किया। इस पावन अवसर पर उन्होंने शिविर के सभी आयोजकों एवं सेवाभावी कार्यकर्ताओं के प्रति हृदय से आभार एवं अभिनंदन व्यक्त किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने इंद्रापूरी कॉलोनी से पवित्र अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं की पूजा-अर्चना में सम्मिलित होकर बाबा बर्फानी से सभी यात्रियों की सुखद, सुरक्षित एवं मंगलमय यात्रा की प्रार्थना की तथा सभी श्रद्धालुओं को पवित्र श्री अमरनाथ यात्रा के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई दी।

एक व्यक्ति के अंगदान से बच सकती है आठ लोगों की जिंदगी

लखनऊ। अंगदान की मुहिम को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश के लिए राज्य अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन ने संजय गांधी स्नातकोत्तर संस्थान (एसजीपीजीआई) के अस्पताल प्रशासन विभाग के सहयोग से रविवार को हजरतगंज में एक वाकथान का आयोजन किया। इस अवसर पर विशेष सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण धीरेन्द्र सिंह, अपर निदेशक चिकित्सा शिक्षा नीलम ने हरी झण्डी दिखाकर वाकथान को रवाना किया। कार्यक्रम में इस बात पर जोर दिया गया कि अंगदान एक चिकित्सकीय प्रकिया ही नहीं है बल्कि करुणा, मानवता और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रतीक है। राज्य अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन के संयुक्त निदेशक प्रो. आर. हर्षवर्धन ने बताया कि भारतीय अंगदान दिवस अंगदान के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 03 अगस्त को मनाया जाता है। इस पहल का उद्देश्य प्रत्यारोपण की आवश्यकता वाले मरीजों और उपयुक्त अंगों के बीच के अंतर को पाटना है। प्रो. आर. हर्षवर्धन ने बताया कि एक व्यक्ति द्वारा किया गया अंगदान 08 लोगों का जीवन बचा सकता है।

बाराबंकी: पीएसी बैरक में सिपाही का शव फंदे से लटका मिला

बाराबंकी। जिले की 10वीं वाहिनी पीएसी परिसर स्थित बैरक में रविवार तड़के 2021 बैच के सिपाही का शव कमरे के अंदर फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही पीएसी अधिकारी और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान 10वीं वाहिनी पीएसी में तैनात सिपाही दीपक सिंह (30) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से मेरठ जिले के रोहटा थाना क्षेत्र का निवासी था। रविवार सुबह काफी देर तक कमरे का दरवाजा नहीं खुलने पर साथी जवानों को संदेह हुआ। दरवाजा खोलने पर दीपक का शव फंदे से लटका मिला। सूचना मिलते ही अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। प्राथमिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि सिपाही द्वारा यह कदम उठाने के पीछे के वास्तविक कारणों का अभी खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। जांच के दौरान ऑनलाइन गेमिंग से जुड़े पहलू की भी पड़ताल की जा रही है, लेकिन फिलहाल इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

मीरजापुर: पुराने कुएं में गिरने से किशोरी की मौत, बचाने कूदी मां गंभीर

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जनपद में विंध्याचल थाना क्षेत्र के धौहरा गांव के बैशपुर मजरा में रविवार को एक हृदयविदारक हादसा सामने आया है। यहां पुराने कुएं में गिरने से 12 वर्षीय किशोरी की मौत हो गई, जबकि उसे बचाने के प्रयास में कुएं में कूदी मां गंभीर रूप से घायल हो गई। धौहरा गांव निवासी बसंत लाल गुप्ता की पुत्री सुचिता (12) अपनी मां शकुंतला देवी के साथ घर से करीब एक किलोमीटर दूर खेत में निराई-गुड़ाई करने गई थी। करीब 11 बजे प्यास लगने पर किशोरी सुचिता पास स्थित पुराने कुएं पर पानी लेने पहुंची। रस्सी-बाल्टी से पानी निकालते समय अचानक उसका पैर फिसल गया और वह कुएं में जा गिरी। बेटी की चीख सुनते ही मां शकुंतला देवी बिना देर किए उसे बचाने के लिए कुएं में कूद गई। आसपास मौजूद चरवाहों ने घटना की सूचना गांव में दी, जिसके बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद दोनों को कुएं से बाहर निकाला गया और दोनों को तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सरोंई ले जाया गया, जहां प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. पुनीत अग्रवाल ने किशोरी सुचिता को मृत घोषित कर दिया। वहीं शकुंतला देवी का उपचार जारी है। मृत किशोरी सुचिता गांव के कंपोजिट विद्यालय में कक्षा छह की छात्रा थी। वह तीन बहनों और एक भाई में सबसे बड़ी थी। उसकी असामयिक मौत से परिवार सहित पूरे गांव में शोक का माहौल है। घटना को लेकर मौके पर पहुंचे चौकी प्रभारी सुरेश दुबे ने बताया कि किशोरी के शव का पंचनामा भरने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है।

श्रावण मास के पहले सोमवार को यदुवंशी समाज करेंगा बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी। श्रावण मास के पहले सोमवार को उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी से हजारों यादव बंधु परम्परागत रूप से जलाभिषेक यात्रा निकाल कर बाबा विश्वनाथ के दरबार में बाबा विश्वनाथ सहित शहर के प्रमुख शिवालयों में बाबा का जलाभिषेक करेंगे। रविवार को इसकी तैयारियां पूरी कर ली गई। यह जानकारी काशी विश्वनाथ दल के अध्यक्ष जंत्रलेश्वर यादव ने रविवार को दी। उन्होंने बताया कि समाज के लोग काशीवासियों के साथ परम्परागत रूप से शीतला घाट से गंगाजल भरकर बाबा विश्वनाथ का मंदिर के गर्भगृह में जलाभिषेक करते चले आये हैं। इसी क्रम में तीन अगस्त सोमवार को पूर्वाह्न 09 बजे यदुवंशी समाज पूर्व की भांति शीतलाघाट पर इकट्ठा होकर सर्वप्रथम माँ गंगा का पूजन अर्चन कर कलश में जल भरेगा। यहां माँ शीतला का जलाभिषेक कर पुनः शीतला घाट से जल भरकर गंगा तट से दशाश्वमेध स्थित डेढ़सी पुल से होते हुए ढुंढ़ीराज गणेश का पूजन कर माँ अन्नपूर्णा मंदिर में दर्शन करते हुए दल बाबा विश्वनाथ मंदिर में पहुंच कर जलाभिषेक करेगा। इसके बाद ज्ञानवापी से निकल कर बांसफाटक पर स्व. तेजू सरदार के शारदा कॉम्प्लेक्स पर फलाहार वितरण के बाद इस कार्यक्रम का समापन किया जायेगा। जंत्रलेश्वर यादव ने दावा किया कि अंग्रेजी हुकूमत के समय से यदुवंशी समाज काशी में बाबा विश्वनाथ सहित प्रमुख शिवालयों में जलाभिषेक करता चला आ रहा है। जिसमें काशी विश्वनाथ दल के संस्थापक अब स्मृतिशेष तेजू सरदार के साथ वर्ष 1952 से यदुवंशी समाज शीतला घाट से जल भरकर बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक करता आ रहा है। इसी क्रम में गोवर्धन पूजा समिति के बैनर तले अध्यक्ष विनोद यादव गप्पू के नेतृत्व में गोदौलिया स्थित सुशील सिनेमा के पास यादव बंधु जुटेंगे और दशाश्वमेधघाट पर गंगा स्नान के बाद गगरे में गंगा जल भर कर शोभायात्रा की शक्ल में बाबा विश्वनाथ धाम जाएंगे और बाबा का जलाभिषेक करेंगे।

प्रेस क्लब स्योहारा के धर्मेंद्र भुइयार संरक्षक व डा. शाश्वत वर्मा बने सह संरक्षक

प्रात: किरण संवाददाता

स्योहारा। स्योहारा प्रेस क्लब स्योहारा की एक बैठक वर्मा नर्सिंग होम पर आयोजित की गई बैठक की अध्यक्षता प्रेस क्लब अध्यक्ष व संचालन कोषाध्यक्ष ने किया। बैठक में वरिष्ठ समाजसेवी चिकित्सक एवं क्लब के संरक्षक डॉक्टर मनोज वर्मा ने संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया। नए पदाधिकारियों का फूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया गया। प्रेस क्लब स्योहारा की एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें सर्व सम्मति से धर्मेंद्र कुमार भुइयार को संरक्षक व डा.शाश्वत वर्मा को सह संरक्षक मनोनीत किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रेस क्लब अध्यक्ष रियाजुलहक उर्फ. प्रिंस जमाल व संचालन कोषाध्यक्ष अरशद चौधरी ने किया। इस अवसर पर संरक्षक डा.मनोज वर्मा ने कहा कि किसी भी संगठन को चलने के लिए एकजुटता की जरूरत होती हैं इसलिए सभी को अपनी अपनी जिम्मेदारी को निभाना चाहिए। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान सर्वसम्मति से डा.शाश्वत वर्मा को प्रेस क्लब स्योहारा का सह संरक्षक मनोनीत किया गया। अध्यक्ष रियाजुलहक ने दोनों स्वागत करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके मार्गदर्शन से क्लब को नई दिशा और मजबूती मिलेगी और संगठन मजबूत होगा। सभी ने प्रेस क्लब स्योहारा की एकजुटता बनाये रखते हुए पत्रकार हितों में कार्य करने का संकल्प लिया। इस मौके बैठक में महामंत्री चमन भारद्वाज, अश्वनी विश्नोई, नादिर त्यागी, अंकुल प्रजापति, कपिल शर्मा, राशिद पीटर, गय्यूर चौधरी, आकाश तोमर, इकबाल अंसारी, फजल अंसारी, अश्वनी विश्नोई आदि मौजूद रहे।

नशा मुक्त भारत के संकल्प के साथ वेंकटेश्वरा में अभियान का आगाज

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय में रविवार को भारत सरकार के खेल एवं युवा कल्याण मंत्रालय तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के निर्देशों के अनुपालन में ह्यनशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारतह्न अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के तहत वर्षभर जागरूकता संगोष्ठी, नुक्कड़ नाटक, पोस्टर प्रदर्शनी, यूथ काउंसलिंग, नशा मुक्ति शपथ, रैली और जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर युवाओं एवं आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जाएगा। विश्वविद्यालय के डॉ. सी.सी. रमन सभागार में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, कुलपति प्रो. कृष्णकांत दवे, वित्त निदेशक युवराज सिंह तथा कुलसचिव पीयूष पांडे ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी ने छात्र-छात्राओं को नशा मुक्त भारत की शपथ दिलाते हुए कहा कि केवल कड़े कानून बनाकर नशे की समस्या का समाधान संभव नहीं है। इसके लिए शिक्षण संस्थानों, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं और प्रत्येक जिम्मेदार नागरिक को आगे आकर अपनी भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखकर ही विकसित भारत का सपना साकार किया जा सकता है। वेंकटेश्वरा समूह के संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरि ने कहा कि भारत विश्व का सबसे युवा देश है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास और रोजगार के साथ-साथ नशा मुक्त समाज का निर्माण भी आवश्यक है। उन्होंने प्रधानमंत्री के इस अभियान की सराहना करते हुए सभी युवाओं से इसे जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। कुलपति प्रो. कृष्णकांत दवे ने कहा कि नशा मुक्त युवा ही स्वस्थ, सशक्त और सुरक्षित राष्ट्र की नींव रखेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वयं नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लेने की अपील की। कार्यक्रम को वित्त निदेशक युवराज सिंह एवं कुलसचिव पीयूष पांडे ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर प्रतिकुलपति डॉ. मानस रंजन पाणिग्रही, डॉ. राजेश सिंह, डॉ. नीतू पवार, डॉ. सुमन कुमारी, डॉ. आयशा वाहिद, डॉ. ज्योति सिंह, डॉ. अरुण गोस्वामी, डॉ. स्नेह लता, मेरठ परिसर के निदेशक डॉ. पंकज सिंह, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

शिक्षक राजनीति में बड़ा धमाका! MLC चुनाव से पहले अखिल भारतीय राष्ट्रीय स्नातक संघ का बड़ा ऐलान, विमलेंद्र शर्मा विमल बने अधिकृत प्रत्याशी

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश की चर्चित बरेलीझ्रमुरादाबाद शिक्षक एमएलसी सीट पर चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इसी बीच अखिल भारतीय राष्ट्रीय स्नातक संघ ने बड़ा राजनीतिक और संगठनात्मक दांव चलते हुए विमलेंद्र शर्मा ह्यविमलह्न को अपना अधिकृत प्रत्याशी घोषित कर दिया है। संगठन के इस फैसले को शिक्षक राजनीति में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। मुरादाबाद स्थित एस.एस. इंटर कॉलेज में आयोजित संगठन की महत्वपूर्ण बैठक में यह घोषणा राष्ट्रीय नेतृत्व की मौजूदगी में की गई। बैठक में संगठन के पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि आगामी चुनाव पूरी रणनीति, संगठनात्मक मजबूती और शिक्षक हितों के मुद्दों के साथ लड़ा जाएगा। बैठक की अध्यक्षता क्षेत्रीय अध्यक्ष राजकुमार सिंह चौहान ने की, जबकि संचालन जिला अध्यक्ष अरुण शर्मा ने किया। राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) योगेश सेंगर ने कहा कि अखिल भारतीय राष्ट्रीय स्नातक संघ लगातार शिक्षकों और स्नातकों के अधिकारों की आवाज उठाता रहा है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने और चुनावी अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश नाथ सिंघल (एडवोकेट) ने कहा कि यह चुनाव संगठन की प्रतिष्ठा से जुड़ा हुआ है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से अधिकृत प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करने के लिए समर्पण और अनुशासन के साथ कार्य करने का आग्रह किया। बैठक के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश पांडे द्वारा जारी अधिकृत पत्र राष्ट्रीय महामंत्री योगेश सेंगर एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश नाथ सिंघल ने विमलेंद्र शर्मा ह्यविमलह्न को सौंपा। इसके साथ ही उन्हें आधिकारिक रूप से बरेलीझ्रमुरादाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से संगठन का अधिकृत एमएलसी प्रत्याशी घोषित किया गया। बैठक में हरिओम शर्मा, सत्यवीर गुप्ता, डॉ. अनिल कुमार सिंह, आचार्य राजेश शर्मा, सत्यप्रकाश शर्मा, अमित शर्मा, खेमपाल शर्मा, विशाल राठौर, डॉ. हितेश शर्मा, कौशलेंद्र, प्रीतम सिंह, राजपाल सिंह, नरेंद्र सिंह, दिनेश सिंह यादव, पंकज शर्मा एडवोकेट, डॉ. शरद शर्मा, मनोज शर्मा, संजय शर्मा, संदीप शर्मा, सत्येंद्र शर्मा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे। विश्लेषण शिक्षक एमएलसी चुनावों में समय से उम्मीदवार घोषित करना चुनावी रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। इससे संगठन को शिक्षक मतदाताओं तक जल्दी पहुंचने और अपना जनसंपर्क अभियान मजबूत करने का अवसर मिलता है। अब सभी की निगाहें इस बात पर रहेंगी कि अन्य शिक्षक संगठन अपने उम्मीदवारों की घोषणा कब करते हैं और मुकाबला किस दिशा में आगे बढ़ता है।

लोनी बॉर्डर स्थित शिव चौक पर जलवाले गुरुजी के करकमलो द्वारा हुआ कांवड़ शिविर का उद्घाटन

प्रात: किरण सुशील शर्मा

लोनी। रविवार को लोनी बॉर्डर के शिव चौक पर कावड़ियों की सेवार्थ निशुल्क कावड़ शिविर का श्री गणेश हुआ। शिविर का उद्घाटन। जल वाले गुरुजी के कर कमल द्वारा फीता काटकर हुआ. इस अवसर पर उन्होंने मंत्र उच्चारण के साथ विधिवत रूप से पूजा अर्चना कराई। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान हर-हर महादेव के गगन चुंबी जयकारे गूंजते रहे। इस शुभ अवसर पर नगर पालिका चेयरमैन रंजीता धामा ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले कई वर्षों से शिव कावड़ सेवा समिति व अन्य समितियां लोनी बॉर्डर-बंद फाटक कांवड़ मार्ग के बीच विभिन्न स्थानों पर शिवभक्त कावड़ियों की सेवार्थ शिविर की व्यवस्था करती आ रही है। आस्थावान नागरिकों द्वारा महाशिवरात्रि पर्व तक संचालित रहने वाले इन शिविरों के माध्यम से हम सब मिलकर भोले के भक्तों की सेवा करेंगे। शिविरों में आने वाले सभी शिवभक्त कावड़ियों के लिए शुद्ध व पवित्र भोजन, चिकित्सीय सुविधाएं, सोने व नहाने आदि की सभी व्यवस्था प्रबंध समिति की तरफ होंगी। उन्होंने उपस्थित जनों को कहा कि सावन का पवित्र माह चल रहा है जिसमे महाशिवरात्रि जैसा पावन पर्व आता है। इस शुभ अवसर पर लाखों की संख्या में भोले के भक्त हरिद्वार से पवित्र जल लेकर अपने-अपने गंतव्य पर पहुंचते हैं। कावड़ियाओ की इस अपार भीड़ में बहुत से श्रद्धालु बाइक या अपनी इच्छानुसार अन्य किसी मध्यम से गंगाजल (कावड़) लाकर अपनी-अपनी श्रद्धानुसार शिवालयो (शिव मंदिर) में पहुंचकर वहा साथ लाए गंगा जल को शिव लिंग पर अर्पण करते हुए भोले शंकर का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। श्रीमती धामा ने कहा कि ऐसे धार्मिक अवसर पर हम सभी का भी यह कर्तव्य बनता है कि कावड़ियाओ के मार्ग में आने वाली मुश्किलों के मध्य नजर हम उनके रुकने, बैठने, खाने-पीने व नहाने आदि की व्यवस्था करें। साथ ही उन्हें आवश्यकतानुसार चिकित्सीय सुविधाएं मुहैया कराने का प्रबंध करें। कांवड़ शिविर उद्घाटन के अवसर पर पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष मनोज धामा ने दीप प्रज्वलित करने के साथ ही हवन-पूजन कार्यक्रम में सम्मिलित होकर पूजा अर्चना करी। इस दौरान उन्होंने शिविर में उपस्थित कावंडियो की सेवा करते हुए उन्हें स्वयं अपने हाथों से भोजन परोसा। इससे पूर्व पूर्ण नगर पालिका अध्यक्ष एवं वर्तमान नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रंजीता मनोज धामा ने अन्य कावड़ शिविरों का भी रिबन काटकर उद्घाटन किया। इस दौरान मौके उन्होंने आस्थावान सभी क्षेत्रवासियों को भी शिविरो में पहुंचकर भोले के भक्त कावड़ियों की सेवार्थ प्रेरित किया। शिविर उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से जल वाले गुरुजी के अलावा अनिल शर्मा, टिल्लू प्रधान, उदयपाल, प्रमुख अनिल कसाना, अनिल शर्मा, सत्ते पंडित जी, सुनील शर्मा, ओम शर्मा, सुशील भाटी, सत्येंद्र शर्मा, प.बबलू शर्मा, वीरेंद्र शर्मा, पर्व प्रसाद, नेहा शर्मा व सरिता आदि सहित सैकड़ो की तादाद में आस्थावान नागरिक उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा: लोक निर्माण विभाग ने दुरुस्त किए मार्ग, पैचिंग व सुरक्षा कार्यों से शिवभक्तों को मिली राहत

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। श्रावण मास में शिवरात्रि के अवसर पर निकलने वाली कांवड़ यात्रा को सुरक्षित एवं सुगम बनाने के लिए लोक निर्माण विभाग ने जनपद के प्रमुख कांवड़ मार्गों पर व्यापक पैचिंग और सुधारात्मक कार्य कराए हैं। विभाग ने विभिन्न मार्गों को गड्ढामुक्त (पैचलेस) बनाने के साथ-साथ सुरक्षा संबंधी आवश्यक व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की हैं। लोक निर्माण विभाग के निर्माण खंड-द्वितीय के अधिशासी अभियंता एस.के. सारस्वत ने बताया कि हरिद्वार से गंगाजल लेकर आने वाले शिवभक्त हरिद्वार-नजीबाबाद-काशीपुर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-734) से भागूवाला होते हुए मोटा महादेव पहुंचकर जलाभिषेक करते हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में कांवड़िये नजीबाबाद से ठाकुरद्वारा, मुरादाबाद, अमरोहा और जसपुर की ओर तथा चंदक शाखा नहर पटरी मार्ग से बिजनौर की ओर भी प्रस्थान करते हैं। उन्होंने बताया कि निर्माण खंड-द्वितीय के कार्यक्षेत्र में आने वाले सभी प्रमुख कांवड़ मार्गों पर विशेष अभियान चलाकर सड़क मरम्मत एवं सुरक्षा कार्य पूरे किए गए हैं। मोटा महादेव-भागूवाला मार्ग तथा चंदक शाखा नहर पटरी मार्ग को पूरी तरह पैचलेस बनाते हुए आवश्यक सुधारात्मक कार्य कराए गए हैं। इसके अतिरिक्त किरतपुर-मौजमपुर मंडावली मार्ग, नगीना बाईपास मार्ग, मुरादाबाद-देहरादून राज्य मार्ग तथा जसपुर-धामपुर मार्ग के किलोमीटर-18 स्थित मनोहरवाली रपटे पर कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मजबूत चैन रेलिंग (सुरक्षा रेलिंग) का निर्माण कराया गया है। लोक निर्माण विभाग का कहना है कि इन कार्यों से कांवड़ यात्रा के दौरान शिवभक्तों को सुरक्षित, सुगम और निर्बाध आवागमन की सुविधा मिलेगी तथा यात्रा के दौरान दुर्घटनाओं की संभावना भी कम होगी।

कांवड़ियों की सुविधा के लिए जल निगम ने बढ़ाई पेयजल आपूर्ति, बैकअप और गुणवत्ता जांच की विशेष व्यवस्था

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। कांवड़ यात्रा के दौरान हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे शिवभक्तों को निर्बाध और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) ने व्यापक तैयारियां की हैं। विभाग ने कांवड़ मार्ग पर संचालित सभी ग्रामीण पाइप पेयजल योजनाओं को विशेष रूप से सक्रिय कर दिया है, ताकि यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) ने बताया कि कांवड़ मार्ग पर स्थित सभी नलकूपों एवं जल मीनारों से जलापूर्ति का समय बढ़ा दिया गया है। इससे कांवड़ शिविरों, विश्राम स्थलों और मार्ग पर लगातार स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा सकेगा। साथ ही विद्युत विभाग के समन्वय से प्रमुख पेयजल योजनाओं पर निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। बिजली बाधित होने की स्थिति में जलापूर्ति प्रभावित न हो, इसके लिए संवेदनशील एवं बड़े शिविरों से जुड़ी योजनाओं पर जनरेटर की वैकल्पिक व्यवस्था भी की गई है। उन्होंने बताया कि पेयजल की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए सभी जल स्रोतों पर नियमित क्लोरिनेशन कराया जा रहा है। विभाग की प्रयोगशाला टीम द्वारा पानी के नमूनों की लगातार रासायनिक जांच भी की जा रही है, जिससे श्रद्धालुओं को सुरक्षित और शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। कांवड़ यात्रा के दौरान प्रत्येक पेयजल योजना की निगरानी के लिए संबंधित सहायक अभियंता एवं अवर अभियंताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है। अधिकारी लगातार क्षेत्र में रहकर जलापूर्ति व्यवस्था पर नजर रख रहे हैं और किसी भी तकनीकी समस्या का तत्काल समाधान सुनिश्चित कर रहे हैं। अधिशासी अभियंता ने कहा कि उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण), बिजनौर का उद्देश्य है कि देवभूमि हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौटने वाले किसी भी शिवभक्त को जनपद की सीमा में पेयजल से जुड़ी कोई परेशानी न हो। विभाग पूरी यात्रा अवधि के दौरान व्यवस्थाओं की सतत निगरानी करता रहेगा।

भाजपा नेता से अभद्रता पर भड़के सुभासपा जिलाध्यक्ष, दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। नगर कोतवाली में भाजपा आईटी सेल के जिला संयोजक मनीष कुमार दक्ष के साथ 31 जुलाई की रात कथित अभद्रता के मामले ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने पुलिस प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक से दोषी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध तत्काल कठोर कार्रवाई की मांग की है। रविवार को जारी एक वीडियो संदेश में सत्यपाल तोमर ने कहा कि जब सत्ता पक्ष के एक जिम्मेदार पदाधिकारी के साथ कोतवाली परिसर में इस प्रकार का व्यवहार हो सकता है, तो आम नागरिकों के साथ पुलिस का रवैया कैसा होगा, इसका सहज अनुमान लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह घटना पुलिस व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। सुभासपा जिलाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि जनपद अमरोहा में पुलिस का रवैया निरंकुश होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि सुभासपा एनडीए का हिस्सा होने के नाते सरकार को मजबूत करने का कार्य कर रही है, लेकिन अमरोहा पुलिस की कार्यशैली से सरकार की छवि लगातार धूमिल हो रही है। उनका आरोप है कि कुछ लोग सुनियोजित तरीके से सरकार को बदनाम करने की साजिश कर रहे हैं।सत्यपाल तोमर ने पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच कराने, दोषी पुलिसकर्मियों को तत्काल बर्खास्त करने तथा भाजपा नेता मनीष कुमार दक्ष को न्याय दिलाने की मांग की। उन्होंने कहा कि कानून का सम्मान बनाए रखने के लिए दोषियों के विरुद्ध निष्पक्ष और कठोर कार्रवाई आवश्यक है।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने व दुष्कर्म के आरोप में दो गिरफ्तार

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। थाना नूरपुर क्षेत्र में नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने, उसके साथ दुष्कर्म करने तथा जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और पॉक्सो एक्ट की गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार 1 अगस्त को पीड़िता की मां ने थाना नूरपुर में तहरीर देकर आरोप लगाया कि ग्राम आदोपुर उर्फ आजमपुर निवासी पारस पुत्र बलराज सिंह तथा आसिफ पुत्र राशिद उसकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गए। शिकायत में आरोप लगाया गया कि दोनों ने किशोरी के साथ गलत कार्य किया तथा विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। तहरीर के आधार पर थाना नूरपुर में मुकदमा अपराध संख्या 270/2026 धारा 137(2), 70(2), 351(3) भारतीय न्याय संहिता तथा धारा 5(˘)/6 पॉक्सो एक्ट के अंतर्गत दर्ज किया गया। इसके बाद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष पुलिस टीम गठित की गई। पुलिस ने शनिवार को दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पारस पुत्र बलराज सिंह एवं आसिफ पुत्र राशिद, निवासी ग्राम आदोपुर उर्फ आजमपुर, थाना नूरपुर, जनपद बिजनौर के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई जारी है। थानाध्यक्ष के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस का कहना है कि नाबालिगों से जुड़े अपराधों में संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ कार्रवाई की जा रही है तथा ऐसे मामलों में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

188 पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों के लिए लगा नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर, 2 अगस्त। रिजर्व पुलिस लाइन, बिजनौर में रविवार को वामा सारथी उत्तर प्रदेश पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पुलिस विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवारों सहित कुल 188 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। शिविर का आयोजन वामा सारथी बिजनौर की अध्यक्ष श्रीमती रिया झा के निर्देशन में किया गया। इसमें आयुष विभाग, आयुर्वेद विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों ने संयुक्त रूप से अपनी सेवाएं प्रदान कीं। चिकित्सकों ने पुलिसकर्मियों और उनके परिजनों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। मानसून के मौसम को देखते हुए विशेषज्ञों ने वायरल बुखार, सर्दी-जुकाम और अन्य मौसमी बीमारियों से बचाव के उपाय बताए। उन्होंने स्वच्छता बनाए रखने, संतुलित भोजन करने, पर्याप्त पानी पीने तथा समय पर उपचार कराने की सलाह दी। साथ ही रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए आवश्यक सुझाव भी दिए। शिविर की विशेषता यह रही कि पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों को एक ही स्थान पर होम्योपैथी, एलोपैथी एवं आयुर्वेद तीनों चिकित्सा पद्धतियों के विशेषज्ञों से परामर्श प्राप्त हुआ। स्वास्थ्य परीक्षण के बाद मरीजों को आवश्यक दवाइयां भी निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं।

रेखा गुप्ता सरकार ने दवा के बाद अब साइकिल खरीद में किया 90 करोड़ का घोटाला: सौरभ भारद्वाज

● दवा घोटाले की तरह साइकिल खरीद का टेंडर किसे देना है, पहले ही तय था और उसी मुताबिक शर्तें लगाई गईं: सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार का दवा खरीद के बाद अब 90 करोड़ रुपए का साइकिल खरीद घोटाला सामने आया है। इस घोटाले का पदार्फाश टेंडर से बाहर की गई साइकिल बिक्रेता कंपनियों की ओर से एलजी, मुख्यमंत्री और विजिलेंस को दी गई शिकायतों से हुआ है। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज इन शिकायतों के आधार पर कहा कि रेखा गुप्ता सरकार ने साइकिल खरीद में करीब 90 करोड़ रुपए का घोटाला किया है। उन्होंने कहा कि दवा खरीद की तरह साइकिल खरीद का टेंडर किसे देना है, पहले ही तय था और उसी मुताबिक शर्तें लगाई गईं। जो साइकिल 4100 रुपए की है, टेंडर में उसकी कीमत 6923 रुपए रखी गई। साथ ही, 1.30 लाख साइकिल के लिए कंपनी का टर्नओवर 360 करोड़ मांगा गया, ताकि चुनिंदा कंपनी ही हिस्सा ले सकें। रविवार को ह्लआपह्न मुख्यालय पर प्रेस वार्ता कर सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली की भाजपा सरकार के ऊपर छात्राओं को बांटी गई साइकिलों मे घोटाले के गंभीर आरोप लग रहे हैं। दो दिन पहले मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता विनोद नगर स्थित एक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 9वीं कक्षा की लड़कियों को साइकिल बांट कर आई हैं और आज उस साइकिल की खरीद में भ्रष्टाचार के बड़े आरोप सरकार पर लगे हैं। उन्होंने कहा कि यह ठीक वैसा ही है जैसे स्वास्थ्य विभाग के मामले में एसीबी की एफआईआर कहती है कि टेंडर की शर्तें इस तरह बनाई गई थीं कि ठेका एक चुनिंदा ठेकेदार को ही मिले, बिल्कुल वही आरोप इस साइकिल टेंडर में भी लग रहे हैं। यह पहले से तय था कि टेंडर किसे देना है और जितने में साइकिल बाजार में उपलब्ध है, उससे कई ज्यादा दाम चुकाए गए। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि एसके बाइक्स नामक एक कंपनी और कई अन्य कंपनियों ने वर्ल्ड एमएसएमई फोरम, सीवीसी, एलजी और मुख्यमंत्री को लिखित शिकायतें दी हैं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। शिकायत में कहा गया है कि जो साइकिल सरकार मांग रही है, वह बाजार में 4100 रुपए की मिलती है, लेकिन टेंडर के अंदर इसकी कीमत 6923 रुपए रखी गई। यह बात वह कंपनी कह रही है जिसने राजस्थान, मध्य प्रदेश और असम जैसे भाजपा शासित राज्यों में 5.5 लाख साइकिलें दी हैं। दिल्ली में 1 लाख 30 हजार साइकिलें खरीदने का टेंडर हुआ और अगर मान लें कि सरकार 6923 रुपए की एक साइकिल खरीदना चाह रही है, तो कुल टेंडर करीब 90 करोड़ रुपए का बनता है। ऐसे में टर्नओवर का क्राइटेरिया टेंडर अमाउंट का डेढ़ या दोगुना होता है, जिसके हिसाब से टर्नओवर की वैल्यू ज्यादा से ज्यादा 180 करोड़ रुपए होनी चाहिए थी। मगर इसे बढ़ाकर जानबूझकर 360 करोड़ रुपए किया गया ताकि इनका चुनिंदा वेंडर ही इसमें हिस्सा ले सके। सौरभ भारद्वाज ने बताया कि शिकायत में भाजपा शासित राज्यों के कई उदाहरण दिए गए हैं। राजस्थान ने 3 लाख 70 हजार साइकिलों का टेंडर दिया और 150 करोड़ का टर्नओवर मांगा।

100 सप्ताह तक चलेगा नशा मुक्त युवा अभियान, हर रविवार चलेगा जनजागरण

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी में शुरू हुए नशा मुक्त युवा-विकसित भारत संकल्प अभियान के तहत अब अगले 100 सप्ताह तक प्रत्येक रविवार युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए जागरूकता कार्यक्रम होंगे। डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने कहा कि नशा मुक्त युवा ही विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत हैं और इस अभियान को जनआंदोलन बनाया जाएगा। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के एमवाई भारत की ओर से आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्चुअल संबोधन भी सुनाया गया। मंत्री ने कहा कि प्रत्येक रविवार खेल, योग, ध्यान, सांस्कृतिक गतिविधियां, सेवा कार्यों और जनजागरूकता कार्यक्रमों के जरिए नशा मुक्त भारत का संदेश घर-घर पहुंचाया जाएगा। युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ेंगे रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब देश का युवा शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार युवाओं को शिक्षा, खेल और कौशल विकास से जोड़कर नशा मुक्त समाज बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है 100 लोगों तक संदेश पहुंचाने की अपील उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि अभियान का उद्देश्य केवल नशे से दूर रहने का संदेश देना नहीं, बल्कि युवाओं में ऐसा आत्मविश्वास पैदा करना है कि वे इस बुराई से हमेशा दूर रहें। उन्होंने प्रत्येक युवा से कम से कम 100 लोगों तक नशामुक्ति का संदेश पहुंचाने को कहा। कार्यक्रम में युवाओं ने सामूहिक रूप से नशा मुक्त भारत का संकल्प लिया और सिग्नेचर वॉल पर हस्ताक्षर कर अपनी प्रतिबद्धता भी जताई।

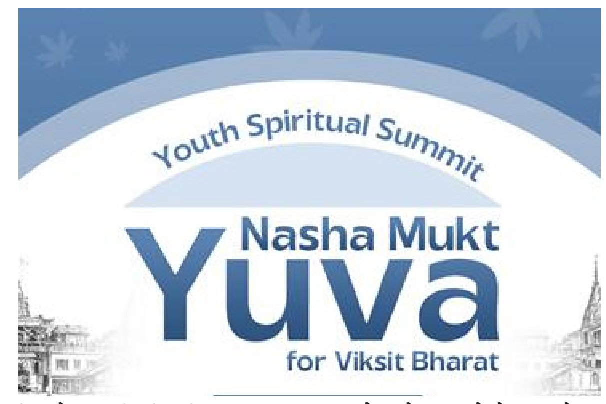

संक्षिप्त खबरें

रोहिणी की हाउसिंग सोसाइटी में लगा एरोबिन, 40 दिन में 10 किलो गीला कचरा बनेगा कंपोस्ट खाद

नई दिल्ली। महापौर प्रवेश वाही ने रविवार को रोहिणी सेक्टर-15 स्थित श्री अपार्टमेंट हाउसिंग सोसाइटी में एरोबिन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक तकनीक पर आधारित एरोबिन गीले कचरे के स्रोत पर ही निस्तारण को बढ़ावा देगा और दिल्ली को स्वच्छ एवं हरित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। महापौर ने बताया कि एरोबिन की सहायता से एक बिन में एक बार में 10 किलोग्राम गीले कचरे को बायो-कल्चर की मदद से करीब 40 दिनों में कंपोस्ट खाद में बदला जा सकता है। इस प्रक्रिया के दौरान दुर्गंध भी नहीं आती, जिससे इसे हाउसिंग सोसाइटी और आवासीय परिसरों में आसानी से उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इससे स्रोत पर ही कचरे का पृथक्करण (सेग्रीगेशन) और निस्तारण संभव होगा तथा लैंडफिल साइटों पर जाने वाले कचरे की मात्रा कम करने में मदद मिलेगी। प्रवेश वाही ने हाउसिंग सोसाइटियों और रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों से अपने परिसरों में एरोबिन स्थापित करने की अपील करते हुए कहा कि छोटी-छोटी पहल भी स्वच्छता अभियान को नई दिशा दे सकती है। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ महीनों में एमसीडी ने अपने स्वच्छता बेड़े में कई आधुनिक मशीनों को शामिल किया है, जिससे राजधानी में सफाई व्यवस्था को और प्रभावी बनाया जा रहा है।

दिल्ली की जेलों में अप्राकृतिक मौत पर सरकार परिवार को देगी 7.5 लाख रुपये मुआवजे का सहारा

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने जेलों में अभिरक्षा के दौरान होने वाली अप्राकृतिक मौतों के मामलों में मृतक कैदियों के परिजनों को 5 लाख से 7.5 लाख रुपये तक मुआवजा देने की योजना अधिसूचित की है। योजना राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप लागू की गई है। इसका उद्देश्य कस्टोडियल मौत के मामलों में पीड़ित परिवारों को समय रहते राहत देने के साथ जेल प्रशासन की जवाबदेही तय करना है। गृह विभाग की अधिसूचना के मुताबिक, जेल के भीतर कैदियों के बीच झगड़े या जेल कर्मियों द्वारा कथित यातना अथवा मारपीट के कारण मृत्यु होने पर मृतक के निकटतम परिजन या वैधानिक उत्तराधिकारी को 7.5 लाख रुपये का मुआवजा मिलेगा। वहीं जेल अधिकारियों या कर्मचारियों की लापरवाही, चिकित्सा या पैरामेडिकल स्टाफ की लापरवाही व कैदी द्वारा आत्महत्या किए जाने की स्थिति में 5 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। योजना अधिसूचना की तिथि या उसके बाद होने वाली घटनाओं पर ही लागू होगी। इन मामलों में नहीं मिलेगा लाभ सरकार ने स्पष्ट किया है कि प्राकृतिक मृत्यु या बीमारी से हुई मौत पर कोई मुआवजा नहीं दिया जाएगा। इसके अलावा जेल से फरार होने या वैध अभिरक्षा से भागने के दौरान हुई मृत्यु व किसी प्राकृतिक आपदा या अन्य विपदा के कारण हुई मौत भी इस योजना के दायरे से बाहर रहेगी। इससे योजना का दायरा केवल अप्राकृतिक और कस्टोडियल मौतों तक सीमित रहेगा। जांच के बाद होगा भुगतान हर मामले में संबंधित जेल अधीक्षक को मजिस्ट्रियल जांच रिपोर्ट, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, मृत्यु के अंतिम कारण, चिकित्सा इतिहास और उपचार संबंधी पूरा रिकॉर्ड महानिदेशक कारागार को भेजना होगा। महानिदेशक कारागार की अध्यक्षता में गठित समिति इन दस्तावेजों की समीक्षा करेगी। समिति की सिफारिश के बाद प्रशासनिक सचिव के समक्ष मुआवजा स्वीकृति का प्रस्ताव भेजा जाएगा।

नीट पेपर लीक मामलों की फास्ट ट्रैक कोर्ट की कमान अब जज अजय गुप्ता के हाथ

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक मामलों की सुनवाई के लिए गठित फास्ट ट्रैक कोर्ट की जिम्मेदारी अब विशेष न्यायाधीश अजय गुप्ता को सौंप दी गई है। दिल्ली हाईकोर्ट ने शनिवार को जारी 137 न्यायिक अधिकारियों की तबादला सूची में यह बदलाव किया। इससे पहले 23 जुलाई को इस मामले में गठित देश की पहली फास्ट ट्रैक कोर्ट की कमान विशेष न्यायाधीश अनु ग्रोवर बालीगा को सौंपी गई थी। उन्होंने 25 जुलाई को कार्यभार संभाला था। ताजा आदेश के अनुसार जज अनु ग्रोवर बालीगा का तबादला राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) अधिनियम के तहत गठित विशेष अदालत में किया गया है। अब वे एनआईए के साथ-साथ गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और एनडीपीएस से जुड़े मामलों की भी सुनवाई करेंगी। आतंकी मामलों की सुनवाई करने वाले अन्य विशेष न्यायाधीशों में विकास ढुल, प्रशांत शर्मा, पुलस्त्य प्रमाचला, किरण बंसल और अमित बंसल शामिल हैं। पीएम की घोषणा के बाद बनी थी फास्ट ट्रैक कोर्ट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 23 जुलाई को नीट पेपर लीक मामलों के त्वरित निपटारे के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट गठित करने की घोषणा की थी। उसी दिन दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने इस विशेष अदालत का गठन किया और इसकी जिम्मेदारी जज अनु ग्रोवर बालीगा को सौंपी। आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के मुद्दे पर सुनवाई आज फास्ट ट्रैक कोर्ट में 27 जुलाई को पहली सुनवाई हुई थी, लेकिन सीबीआई की ओर से अधिवक्ता के उपस्थित नहीं होने के कारण सुनवाई स्थगित करनी पड़ी। इसके बाद सीबीआई ने 13 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया। अदालत ने आरोपपत्र पर संज्ञान लेने और दो आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई के लिए 3 अगस्त की तारीख तय की थी। अब विशेष न्यायाधीश अजय गुप्ता सोमवार को आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के मुद्दे पर सुनवाई करेंगे।

चिड़ियाघर में पहली बार हुई रेप्टाइल्स और एम्फीबियंस वॉक

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राष्ट्रीय प्राणी उद्यान (दिल्ली चिड़ियाघर), नई दिल्ली ने जैव विविधता और वन्यजीव संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से पहली बार संडे रेप्टाइल्स, एम्फीबियंस और मोलस्क वॉक का आयोजन किया। इसके साथ ही नियमित संडे बर्ड वॉकह्न भी आयोजित की गई। इस विशेष नेचर वॉक में प्रकृति प्रेमियों, छात्रों, वन्यजीव फोटोग्राफरों, शोधकताओं और स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। विशेषज्ञ डॉ. सूर्य प्रकाश के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने चिड़ियाघर परिसर में पाए जाने वाले सरीसृपों, उभयचरों और मोलस्क की प्रजातियों के बारे में जानकारी हासिल की। वॉक के दौरान प्रतिभागियों ने स्लग, गार्डन लिजर्ड, हाउस गेको, मॉनिटर लिजर्ड और सॉफ्ट-शेल्ड कछुआ सहित पांच प्रजातियों की पहचान और रिकॉर्डिंग की। विशेषज्ञों ने इन जीवों की पर्यावरण में भूमिका, उनके व्यवहार और संरक्षण के महत्व के बारे में जानकारी दी। इसी दिन आयोजित संडे बर्ड वॉक @ एनजेडपी में प्रतिभागियों ने 42 पक्षी प्रजातियों को रिकॉर्ड किया। इसमें इंडियन पीफाउल, ग्रे फ्रैंकोलिन, एशियन कोयल, पेंटेड स्टॉर्क, किंगफिशर, हॉर्नबिल, पैराकीट और कई अन्य पक्षी शामिल रहे। इस गतिविधि से चिड़ियाघर परिसर में मौजूद पक्षियों की समृद्ध विविधता सामने आई। चिड़ियाघर के निदेशक डॉ. संजीत कुमार ने कहा कि इस तरह की नेचर वॉक से लोगों को जैव विविधता को समझने, प्रजातियों की पहचान करने और वन्यजीव संरक्षण में योगदान देने का अवसर मिलता है। उन्होंने बताया कि ये कार्यक्रम नागरिक विज्ञान (सिटिजन साइंस) को बढ़ावा देने में भी मदद करते हैं। नेशनल जूलॉजिकल पार्क आगे भी ऐसी गतिविधियां जारी रखेगा। इसी क्रम में 9 अगस्त को ह्यसंडे बटरफ्लाई एंड ड्रैगनफ्लाई वॉक @ एनजेडपीह्न का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य लोगों को प्रकृति के करीब लाना और शहरी जैव विविधता के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

शाहदरा में सख्त कार्रवाई: वाहन चोर गिरफ्तार, कृष्णा नगर में चोरी का खुलासा

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। शाहदरा जिले में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस की सक्रियता लगातार असर दिखा रही है। जिले के दो अलग-अलग इलाकों में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने वाहन चोरी और मकान चोरी के मामलों का सफलतापूर्वक खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन कार्रवाइयों से न केवल वारदातों पर लगाम लगी है, बल्कि अपराधियों में कानून का डर भी साफ नजर आ रहा है। फरश बाजार थाना प्रभारी अजय करण शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 30 जुलाई को अनाज मंडी के पास वाहन जांच के दौरान एक संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार को रोका। जांच में वाहन चोरी का निकला। पूछताछ में आरोपी की पहचान अश्वनी उर्फ लोकेश उर्फ विनोद के रूप में हुई, जो विवेक विहार थाने का घोषित बदमाश है और 21 आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन बरामद कर दो मामलों का खुलासा किया। उधर, कृष्णा नगर थाना प्रभारी विजेंद्र राणा की टीम ने मकान चोरी के मामले में तेजी और सूझबूझ दिखाते हुए तकनीकी जांच तथा सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की। जांच में सामने आया कि घरेलू सहायिका मोनिका ने अपने साथी विनीत के साथ मिलकर चोरी की साजिश रची थी। पुलिस टीम ने उत्तर प्रदेश के शामली से विनीत को गिरफ्तार कर दोनों आरोपियों को दबोच लिया और उनके कब्जे से दो हीरे की अंगूठियां व नकदी बरामद की। शाहदरा जिले के पुलिस उपायुक्त राजेन्द्र प्रसाद मीणा ने बताया कि दोनों मामलों में पुलिस की सतर्कता, तकनीकी जांच और त्वरित कार्रवाई से आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि जिले में अपराध के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस हर स्तर पर सख्ती बरत रही है।

कोडीन युक्त खांसी की दवा रखने के आरोपी पर आरोप तय करने का आदेश

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट ने एक व्यक्ति के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया है, जिस पर 4300 किलोग्राम से अधिक कोडीन आधारित खांसी की सिरप अवैध रूप से रखने का आरोप है। अदालत ने कहा कि उपलब्ध सबूत उसके खिलाफ गंभीर संदेह पैदा करते हैं। विशेष न्यायाधीश जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि आरोपी विपिन चावला के खिलाफ नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंसेज (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत प्रथम द्दष्टया मामला बनता है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने 16 जून 2023 को आजादपुर स्थित एक दुकान पर छापा मारा था। इस छापे में 302 बॉक्स बरामद हुए, जिनमें 100 मिलीलीटर की कुल 36,238 बोतलें खांसी की सिरप थीं।

वीजा नियमों पर दिल्ली पुलिस का शिकंजा: ऑपरेशन विस्टा 1.0 में छह बांग्लादेशी नागरिक दबोचे, निर्वासन तय

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। केंद्रीय जिला पुलिस के विदेशी प्रकोष्ठ ने ऑपरेशन विस्टा 1.0 के तहत सख्त कार्रवाई करते हुए वीजा शर्तों का उल्लंघन करने वाले छह बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ लिया। विशेष स्टाफ द्वारा होटलों और गेस्ट हाउसों में चलाए गए व्यापक सत्यापन अभियान के दौरान यह कार्रवाई की गई, जिससे राजधानी में अवैध रूप से ठहरे विदेशी नागरिकों पर पुलिस का शिकंजा और कड़ा हो गया है। पुलिस के अनुसार, अराकाशन रोड, नबी करीम स्थित एक होटल में जांच के दौरान छह विदेशी नागरिक ठहरे मिले। उनके पासपोर्ट, वीजा और यात्रा दस्तावेजों की गहन जांच में सामने आया कि सभी डबल एंट्री वीजा पर भारत आए थे, जिसमें प्रत्येक यात्रा के दौरान अधिकतम 15 दिन तक ही रुकने की अनुमति होती है। इसके बावजूद सभी आरोपित निर्धारित अवधि से अधिक समय तक भारत में ठहरे रहे, जो वीजा नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। कार्रवाई के बाद सभी आरोपितों को विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय के समक्ष पेश किया गया, जहां कानूनी प्रक्रिया शुरू करते हुए उनके खिलाफ प्रतिबंध आदेश जारी किए गए। इसके बाद सभी को सराय रोहिल्ला स्थित सेवा धाम निरोध केंद्र भेज दिया गया है, जहां उन्हें निर्वासन की प्रक्रिया पूरी होने तक रखा जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई दस्तावेजों और आव्रजन रिकॉर्ड के सत्यापन के बाद की गई है। केंद्रीय जिला के विशेष स्टाफ की टीम ने निरीक्षक संदीप यादव के नेतृत्व में इस अभियान को अंजाम दिया, जिसकी निगरानी सहायक पुलिस आयुक्त (ऑपरेशन) पदम सिंह राणा ने की। पुलिस का कहना है कि ह्यऑपरेशन विस्टा 1.0ह्न के तहत आगे भी ऐसे सत्यापन अभियान जारी रहेंगे, ताकि वीजा नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जा सके।

कांवड़ मार्ग पर सख्ती: नंद नगरी में ट्रैफिक पुलिस का बड़ा अभियान, 117 वाहनों के चालान

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। कांवड़ यात्रा के मद्देनजर राजधानी में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए पूर्वी दिल्ली के नंद नगरी ट्रैफिक सर्कल क्षेत्र में रविवार को लोनी गोल चक्कर स्थित टी.आर. साहनी व टाटा मोटर्स शोरूम के आसपास विशेष अभियान चलाया गया। कांवड़ियों की आवाजाही वाले इस महत्वपूर्ण मार्ग पर अव्यवस्थित पार्किंग और अतिक्रमण को हटाने के लिए पुलिस ने सख्ती के साथ कार्रवाई की। अभियान के दौरान ट्रैफिक पुलिस पूरी तरह मुस्तैद नजर आई और सड़क किनारे बेतरतीब खड़े वाहनों पर तत्काल कार्रवाई की गई। कांवड़ यात्रा को देखते हुए इस रूट को प्राथमिकता में रखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया, जिससे यातायात सुचारु बना रहे और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। कार्रवाई के तहत गलत पार्किंग करने वाले 45 वाहनों के ई-चालान किए गए, 60 वोक्का चालान काटे गए, जबकि क्रेन की मदद से 12 वाहनों को हटाकर चालान किया गया। इस तरह कुल 117 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई कर साफ संकेत दिया गया कि कांवड़ मार्ग पर नियमों से किसी भी तरह की छूट नहीं दी जाएगी। ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे निर्धारित स्थानों पर ही वाहन खड़े करें और कांवड़ यात्रा के दौरान यातायात नियमों का पालन करें। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि प्रमुख मार्गों पर निगरानी बढ़ा दी गई है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

डीपीएल में यश ढुल व अर्पित राणा समेत पांच स्टार क्रिकेट पर टिकी दिल्ली की निगाहें

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) अब केवल राजधानी का घरेलू टी-20 टूनार्मेंट नहीं रह गया है, बल्कि यह भारतीय क्रिकेट के भविष्य की नई प्रयोगशाला बन चुका है। पिछले दो सीजन में इस मंच ने कई ऐसे खिलाड़ियों को देश के सामने लाकर खड़ा किया, जिन्होंने बाद में घरेलू क्रिकेट, आईपीएल और राष्ट्रीय टीम तक अपनी छाप छोड़ी। प्रियांश आर्य, तेजस्वी दहिया, दिग्वेश राठी, सार्थक रंजन, मयंक रावत और प्रिंस यादव जैसे खिलाड़ियों की सफलता इस बात का प्रमाण है कि डीपीएल युवा प्रतिभाओं के लिए सुनहरा मंच बन चुका है। सबसे प्रेरणादायक कहानी प्रिंस यादव की रही, जिन्होंने डीपीएल में तेज गेंदबाजी से अपनी पहचान बनाई, फिर आईपीएल में जगह बनाई और शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय वनडे टीम तक का सफर तय किया। यही वजह है कि डीपीएल के तीसरे सीजन को लेकर क्रिकेट प्रेमियों के साथ-साथ चयनकताओं और आईपीएल फ्रेंचाइजी की नजरें भी इस टूनार्मेंट पर टिकी हैं। यश ढुल - आईपीएल की नीलामी में खरीदार नहीं मिला सेंट्रल दिल्ली किंग्स के कप्तान और भारत की अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान रह चुके यश ढुल इस सीजन के सबसे बड़े आकर्षण हैं। रणजी और दलीप ट्रॉफी में पदार्पण शतक लगाने वाले यश का करियर कुछ समय के लिए मुश्किल दौर से गुजरा। आईपीएल 2025 की नीलामी में उन्हें कोई खरीदार नहीं मिला, लेकिन डीपीएल 2025 में उन्होंने 435 रन बनाकर शानदार वापसी की। दिल की सर्जरी के बाद मैदान पर लौटे कप्तान यश शुक्रवार को सेंट्रल दिल्ली बनाम पुरानी दिल्ली छह के मुकाबले में जिम्मेदारी संभालते हुए 45 गेंदों पर 72 रनों की शानदार पारी खेली और टीम को जीत दिलाई।

जीजा को फंसाने के लिए घर में रखी थीं अवैध पिस्टल, दिल्ली पुलिस ने किया बेनकाब

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस ने एक फर्जी आर्म्स केस का पदार्फाश करते हुए एक ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिसने पारिवारिक रंजिश के चलते अपने जीजा को फंसाने के लिए उनके घर में अवैध हथियार रख दिए थे। वेलकम थाना पुलिस ने आरोपी निवासी सुंदर नगरी दिल्ली निवासी मोहम्मद वसीम (28) को गिरफ्तार कर उसके बताए स्थान से 2 कंट्री मेड पिस्टल बरामद की है। डीसीपी राहुल अलवाल के अनुसार 31 जुलाई 2026 को शस्त्र अधिनियम की जांच के दौरान वेलकम थाना पुलिस टीम ने राजीव कॉलोनी, डीएलएफ बॉर्डर, गाजियाबाद स्थित वसीम की मोबाइल रिपेयर की दुकान से उसे गिरफ्तार किया। पूछताछ में पहले तो वसीम ने गुमराह करने की कोशिश की लेकिन बाद में उसने बताया कि उसके जीजा मोहम्मद अशरफ (29) ने उसकी साली से परिवार की मर्जी के खिलाफ शादी की थी, जिससे वह नाराज था। इसी दुश्मनी में वसीम ने अलग-अलग मौकों पर अशरफ के वेलकम स्थित किराए के घर में 3 अवैध पिस्टल छिपा दिए थे। इसके बाद वसीम ने अर्जुन नाम से फर्जी कॉल कर पुलिस को सूचना दी। 16 जुलाई 2026 को इसी सूचना पर पुलिस ने अशरफ के घर से एक अवैध पिस्टल बरामद कर उसे गिरफ्तार किया था। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की जांच जारी है ताकि साजिश के सभी पहलुओं का पता लगाया जा सके। आरोपी की निशानदेही पर दो और पिस्टल बरामद : वसीम की निशानदेही पर पुलिस टीम ने मकान मालिक अनवर और आरोपी अशरफ की मौजूदगी में तलाशी ली। इस दौरान घर से 2 और अवैध पिस्टल बरामद हुई। नई बरामदगी और खुलासे के आधार पर वेलकम थाने में मामला दर्ज कर वसीम को गिरफ्तार कर लिया गया।

इंदौर में सोनी ने लॉन्च की नई BRAVIA II TRUE RGB टीवी श्रृंखला

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

तकनीकी क्षेत्र में दिग्गज कंपनी रडठ INDIA ने बुधवार को इंदौर के सपना संगीत क्षेत्र स्थित लोटस इलेक्ट्रॉनिक्स के शोरूम में अपनी आधुनिक SONY BRAVIA II TRUE RGB टीवी की श्रंखला लॉन्च की है। यह लॉन्चिंग अगली पीढ़ी की टेलीविजन और उपभोक्ताओं को बेहतर मनोरंजन का बेजोड़ अनुभव प्रदान करने की दिशा में सोनी की प्रतिभा का एक बड़ा मिल का पत्थर है। इस भव्य लॉन्च कार्यक्रम के दौरान लोटस इलेक्ट्रॉनिक्स के निर्देशक श्री संजय छाबड़ा जी और श्री गौरव पाहवा जी के साथ सोनी इंदौर शाखा प्रबंधक श्री भावेश पाठक जी अपनी सोनी टीम के साथ मुख्य रूप से उपस्थित थे। कंपनी के अधिकारियों के अनुसर, नया सोनी ब्राविया टू आरजीबी टीवी अपनी अनूठी और उन्नत रंग तकनीकों के कारण दर्शकों को असली और जीवंत द्दश्यों का अनुभव कराएगा। इसके हाई डेफिनिशन डिस्प्ले और उन्नत फीचर्स के साथ उपभोक्ताओं को अपने घर पर ही सिनेमा घर जैसा एहसास मिलेगा। सपना संगीता स्थित लोटस इलेक्ट्रॉनिक्स में अयोजित इस कार्यक्रम में नई टीवी रेंज को लॉन्च करने के बाद लोटस के निर्देशकों ने प्रसन्नाता व्यक्त करते हुए कहा कि सोनी हमेशा से अपनी बेहतर पिक्चर और साउंड क्वालिटी के लिए जाना जाता रहा है और नई ब्राविया टू आरजीबी रेंज निश्चित रूप से दर्शकों के टीवी देखने के अनुभव को एक नये स्तर पर ले जायेगी। लॉन्च के अवसर पर लोटस इलेक्ट्रॉनिक्स और सोनी इंडिया के वरिष्ठ अधिकारियों ने संयुक्त रूप से कहा कि इंदौर के बाजार में इस नई रेंज को उतारने के लिए लोटस इलेक्ट्रॉनिक्स से बेहतर कोई और मंच नहीं हो सकता था। इस साझेदारी से उपभोक्ताओं को अब सबसे आधुनिक और इनोवेटिव मनोरंजन तकनिकी आसानी से उपलब्ध हो सकेगी।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, सोमवार, 03 अगस्त, 2026

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली पुलिस ने स्नैचिंग नेटवर्क का पर्दाफाश किया

नई दिल्ली। पहाड़गंज पुलिस ने स्नैचिंग नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। 30 जुलाई को एक शिकायत दर्ज कराई गई थी कि शाम करीब 5:00 बजे पीड़ित और उसकी पत्नी सदर बाजार से पहाड़गंज के होटल रॉयल इन लौट रहे थे। उस वक्त स्कूटी पर सवार दो बदमाशों ने महिला के हाथ से उसका फोन छीन लिया था। वहां मौजूद लोगों ने बदमाशों का पीछा किया तो आरोपी मोबाइल फोन के साथ स्कूटी भी छोड़कर मौके से भाग गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने दो स्नैचर्स, मुकुल उर्फ मनीष और ललित को गिरफ्तार किया, जिसके बाद पांच अलग-अलग मामलों को सुलझाया गया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने जिसको मोबाइल बेचा था, उसकी पहचान बताई इसके बाद पुलिस ने चोरी का सामान खरीदने वाले को 1 अगस्त को पकड़ लिया। लगातार पूछताछ के दौरान, चोरी का मोबाइल खरीदने वाले प्रीत ने बताया कि उसने अपने पर्सनल इस्तेमाल के लिए आरोपी ललित से सिर्फ 1,500 रुपए में फोन खरीदा था। प्रीत ने आगे बताया कि वह ग्रेजुएट है और पिता की दुकान में मदद करता है।

पुरानी रंजिश में युवक पर चाकुओं से हमला, गंभीर

नई दिल्ली। डाबड़ी इलाके में पुरानी रंजिश के चलते 24 साल के कासिम पर चाकुओं से जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। घायल युवक को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित के बयान के आधार पर पुलिस ने हमलावरों के खिलाफ गंभीर चोट पहुंचाने का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। पुलिस के अनुसार 24 साल का कासिम अपने पिता निसार और परिवार के सदस्यों के साथ सीतापुरी इलाके में रहता है। वह निजी कंपनी में काम करता है। 30 जुलाई की रात पुलिस को सीतापुरी इलाके में कासिम पर चाकू से हमला किए जाने की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। जहां पता चला कि घायल को पास के इंदिरा गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस वहां से अस्पताल पहुंची। जहां पुलिस ने देखा कि कासिम के शरीर पर कई चाकू के घाव हैं।

16 साल बाद आपदा प्रबंधन कर्मियों को बड़ी राहत, मानदेय में 100 प्रतिशत तक बढ़ोतरी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने 16 वर्षों से बिना वेतन संशोधन काम कर रहे दिल्ली राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीएसडीएमए) के कर्मचारियों को बड़ी राहत देते हुए प्रोजेक्ट ऑफिसर, जिला प्रोजेक्ट ऑफिसर और प्रोजेक्ट को-ऑर्डिनेटर के मानदेय में 100 प्रतिशत तक बढ़ोतरी को मंजूरी दी है। वर्ष 2009 के बाद पहली बार इन पदों के मानदेय में संशोधन किया गया है। अब तक प्रोजेक्ट ऑफिसर और जिला प्रोजेक्ट ऑफिसर को 25 हजार रुपये तथा प्रोजेक्ट को-ऑर्डिनेटर को 20 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय मिल रहा था। महंगाई, कार्यभार और आपदा प्रबंधन के बढ़ते दायरे के बावजूद 2009 से इसमें कोई वृद्धि नहीं हुई थी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार कर्नाटक, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में समान जिम्मेदारी निभाने वाले अधिकारियों को 45 से 50 हजार रुपये या उससे अधिक मानदेय मिलता है। दिल्ली सरकार के अन्य विभागों में भी समान स्तर के संविदा पदों का पारिश्रमिक अधिक है। ऐसे में लंबे समय से डीएसडीएमए कर्मियों का कम मानदेय असंतोष का कारण बना हुआ था। इसका फायदा 32 कर्मियों को मिलेगा।

हल्की बारिश के बाद उमस ने बढ़ाई परेशानी, 4 को बारिश का अलर्ट जारी

नई दिल्ली। दिल्ली के कई इलाकों में रविवार को दोपहर के वक्त तेज हवा के साथ हल्की बूंदाबांदी हुई। बारिश के चलते तापमान में मामूली गिरावट आई। इस दौरान ठंडी हवाओं ने मौसम को भी खुशनुमा बना दिया। हालांकि, इस राहत के साथ कई इलाकों में जलभराव और लंबा ट्रैफिक जाम भी देखने को मिला। ऑफिस आने-जाने वाले कर्मचारियों और यात्रियों को घंटों जाम में फंसना पड़ा। हालांकि, बीच-बीच में सूरज व बादल के बीच लुकाछिपी का खेल जारी रहा। बारिश के बाद उमस भरी गर्मी ने लोगों को परेशान किया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, बीते 24 घंटों में दिल्ली में न्यूनतम में एक-दो और अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है। इसके अलावा, बीते 24 घंटे में सफदरजंग मानक केंद्र में एक एमएम बारिश हुई। ऐसे में अधिकतम 35.7 और न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री दर्ज हुआ। इसके अलावा, अधिकतम 94 और न्यूनतम आर्द्रता 69 फीसदी दर्ज की गई।

ई-20 पर केजरीवाल के बयान भ्रामक, हर्ष मल्होत्रा बोले: 100 खराब इंजन वाले वाहन दिखाएं

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

एथेनॉल मिश्रित ईंधन (ई-20) को लेकर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल द्वारा दिए गए बयानों पर दिल्ली भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने केजरीवाल के आरोपों को पूरी तरह भ्रामक और तथ्यों से परे बताते हुए कहा कि इस तरह के बयान लोगों में अनावश्यक भ्रम फैलाने का प्रयास हैं। उन्होंने कहा कि ई-20 जैसे तकनीकी और वैज्ञानिक विषय पर बिना पर्याप्त जानकारी के टिप्पणी करना उचित नहीं है। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि यदि वास्तव में ए-20 पेट्रोल के उपयोग से वाहनों के इंजन खराब हो रहे हैं, जैसा कि केजरीवाल दावा कर रहे हैं, तो उन्हें ऐसे कम से कम 100 वाहनों को सार्वजनिक रूप से सामने लाना चाहिए, जिनके इंजन केवल ए-20 ईंधन के इस्तेमाल के कारण क्षतिग्रस्त हुए हों। उन्होंने कहा कि बिना किसी प्रमाण के इस प्रकार के आरोप लगाना जनता को गुमराह करने का प्रयास है। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार द्वारा ए-20 ईंधन को चरणबद्ध तरीके से लागू किया गया है और वाहन निमार्ता कंपनियां भी इस मानक के अनुरूप इंजन विकसित कर रही हैं। सरकार ने इस दिशा में व्यापक तकनीकी परीक्षण और विशेषज्ञों की सलाह के बाद ही नीति लागू की है। ऐसे में इसके संबंध में गलत जानकारी फैलाना देश की ऊर्जा नीति और पर्यावरणीय प्रयासों को कमजोर करने जैसा है। मल्होत्रा ने दावा किया कि दिल्ली सहित देश के कई हिस्सों में एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के उपयोग से प्रदूषण नियंत्रण में सकारात्मक परिणाम देखने को मिले हैं। उन्होंने कहा कि ए-20 ईंधन कार्बन उत्सर्जन कम करने में सहायक है, जिससे वायु गुणवत्ता में सुधार होता है। उनके अनुसार, यह पहल केवल पर्यावरण संरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता से भी जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए बड़ी मात्रा में कच्चे तेल का आयात करता है, जिस पर हर वर्ष भारी विदेशी मुद्रा खर्च होती है। यदि देश में एथेनॉल मिश्रित ईंधन का उपयोग बढ़ता है, तो आयातित पेट्रोलियम उत्पादों पर निर्भरता कम होगी और विदेशी मुद्रा की उल्लेखनीय बचत होगी। इससे देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। भाजपा अध्यक्ष ने यह भी कहा कि एथेनॉल उत्पादन में वृद्धि का सीधा लाभ किसानों, विशेष रूप से गन्ना उत्पादकों को मिलेगा। एथेनॉल के लिए गन्ने और अन्य कृषि उत्पादों की मांग बढ़ने से किसानों को बेहतर मूल्य मिलेगा और उनकी आय में वृद्धि होगी। उन्होंने इसे किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। हर्ष मल्होत्रा ने लोगों से अपील की कि वे किसी भी मुद्दे पर राय बनाने से पहले तथ्यों और वैज्ञानिक प्रमाणों पर भरोसा करें।

यमुना की सफाई पर फिर सवाल, कई नाले और सीवेज प्लांट जांच में फेल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में यमुना नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने के सरकारी प्रयासों के बीच दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की जून माह की निगरानी रिपोर्ट ने चिंता बढ़ा दी है। रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि राजधानी के कई बड़े नालों का पानी अब भी अत्यधिक प्रदूषित है और कुछ सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) भी गंदे पानी का शोधन निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में यमुना में प्रदूषण का दबाव कम होने के बजाय बरकरार रहने की आशंका जताई जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, यमुना में गिरने वाले कई नालों में बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड (बीओडी) और कुल अघुलनशील ठोस कण (टीएसएस) का स्तर निर्धारित सीमा से कई गुना अधिक दर्ज किया गया। बीओडी पानी में मौजूद जैविक गंदगी का संकेतक है, जबकि टीएसएस पानी में ठोस अपशिष्ट और कचरे की मात्रा को दर्शाता है। पर्यावरण मानकों के अनुसार नालों के पानी में बीओडी 30 मिलीग्राम प्रति लीटर और टीएसएस 100 मिलीग्राम प्रति लीटर तक ही होना चाहिए, लेकिन जांच में कई स्थानों पर बीओडी 80 से 140 मिलीग्राम प्रति लीटर तथा टीएसएस 200 से 370 मिलीग्राम प्रति लीटर तक पाया गया। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि कुछ नालों में निरीक्षण के दौरान पानी का बहाव नहीं मिला, जबकि हिंडन कट नाले की स्थिति अन्य नालों की तुलना में अपेक्षाकृत बेहतर रही। विशेषज्ञों का मानना है कि जब तक नालों से यमुना में जाने वाले प्रदूषित पानी पर प्रभावी नियंत्रण नहीं होगा, तब तक नदी की सफाई के प्रयास अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाएंगे। डीपीसीसी ने राजधानी के विभिन्न सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों की कार्यप्रणाली की भी समीक्षा की। जांच में यमुना विहार, घिटोरनी, मेहरौली और वसंत कुंज के कुछ एसटीपी निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतरे। इन प्लांटों से निकलने वाले उपचारित पानी में बीओडी, फीकल कोलीफॉर्म, फॉस्फेट और अन्य प्रदूषक तत्व तय सीमा से अधिक पाए गए। रिपोर्ट में इन संयंत्रों के संचालन और रखरखाव में सुधार की आवश्यकता बताई गई है। कुछ राहत की तस्वीर भी रिपोर्ट में कुछ राहत देने वाली तस्वीर भी सामने आई।

खून में मौजूद खास प्रोटीन से स्ट्रोक के खतरे और रिकवरी का लगाया जा सकता है अंदाजा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। खून में पाए जाने वाले बीटा-2 एड्रीनर्जिक रिसेप्टर माइक्रोग्लोबुलिन (बीटा-2 माइक्रोग्लोब्युलिन) नामक प्रोटीन का संबंध स्ट्रोक के बाद मरीज की स्थिति और उसके स्वास्थ्य परिणामों से हो सकता है। वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज (वीएमएमसी) और सफदरजंग अस्पताल के शोधकताओं के अध्ययन में संकेत मिले हैं कि जिन लोगों के रक्त में इस प्रोटीन का स्तर अधिक होता है, उनमें स्ट्रोक के बाद गंभीर जटिलताओं और खराब स्वास्थ्य परिणामों का जोखिम बढ़ सकता है। हालांकि, शोधकताओं ने स्पष्ट किया है कि इस संबंध की पुष्टि के लिए अभी बड़े और दीर्घकालिक अध्ययनों की आवश्यकता है। अध्ययन में दुनिया भर में प्रकाशित 15 शोधों का विश्लेषण किया गया, जिनमें लगभग 13,180 वयस्कों के आंकड़े शामिल थे। शोध के अनुसार, बीटा-2 माइक्रोग्लोब्युलिन शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली की सक्रियता, किडनी की कार्यक्षमता और शरीर में होने वाली सूजन, विशेषकर न्यूरोइन्फ्लेमेशन, से जुड़ा होता है। इसी कारण वैज्ञानिक इसे स्ट्रोक के मरीजों की भविष्य की स्थिति का अनुमान लगाने वाले संभावित प्रोग्नोस्टिक बायोमार्कर के रूप में देख रहे हैं। प्रोग्नोस्टिक बायोमार्कर एक जैविक माप है जो यह बताता है कि किसी मरीज में बीमारी कितनी गंभीर हो सकती है, और मरीज के ठीक होने या जीवित रहने की संभावना कितनी है। विश्लेषण में यह भी सामने आया कि जिन मरीजों में बीटा-2 माइक्रोग्लोब्युलिन का स्तर अधिक था, उनमें स्ट्रोक के तीन महीने बाद शारीरिक कार्यक्षमता कमजोर रहने की आशंका अपेक्षाकृत अधिक पाई गई। वहीं, स्ट्रोक होने के जोखिम के साथ इसके सीधे संबंध को लेकर उपलब्ध वैज्ञानिक प्रमाण अभी सीमित हैं और विभिन्न अध्ययनों के निष्कर्ष भी एक जैसे नहीं हैं। अध्ययन से जुड़े न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. दिव्यम गोयल ने बताया कि रक्त में बीटा-2 माइक्रोग्लोब्युलिन का बढ़ा हुआ स्तर स्ट्रोक के बाद मृत्यु के जोखिम, शारीरिक अक्षमता, दोबारा स्ट्रोक आने की आशंका तथा याददाश्त और सोचने-समझने की क्षमता में कमी जैसी समस्याओं से जुड़ा हो सकता है। हालांकि, इन निष्कर्षों की पुष्टि के लिए अधिक व्यापक और बहु-केंद्रित शोध आवश्यक हैं। वहीं, न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. सुमन ठाकुर के अनुसार भविष्य में यह प्रोटीन मरीजों के जोखिम का आकलन करने में उपयोगी साबित हो सकता है। लेकिन इसका इस्तेमाल करते समय किडनी की कार्यक्षमता जैसे अन्य महत्वपूर्ण कारकों को भी ध्यान में रखना होगा, क्योंकि यह प्रोटीन उनसे भी प्रभावित होता है।

चिकित्सा क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि: सफदरजंग अस्पताल में हुई विश्व की पहली रोबोटिक एवी वाल्व रिप्लेसमेंट सर्जरी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। नई दिल्ली स्थित वीएमएमसी (वीएमएमसी) और सफदरजंग अस्पताल के डॉक्टरों ने दुनिया में पहली बार एक बेहद दुर्लभ जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित वयस्क मरीज का रोबोटिक तकनीक से सफल ऑपरेशन किया है। इस उपलब्धि को वैश्विक चिकित्सा जगत में एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। अस्पताल की निदेशक डॉ. कविता शर्मा के नेतृत्व में कार्डियोथोरेसिक एंड वैस्कुलर सर्जरी (सीटीवीएस) विभाग की टीम ने यह जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी की। ऑपरेशन का नेतृत्व विभागाध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ.) अनुभव गुप्ता ने किया। खास बात यह है कि इस तरह की रोबोटिक सर्जरी दुनिया में पहली बार की गई है और इससे भारत का नाम वैश्विक चिकित्सा क्षेत्र में और मजबूत हुआ है। जिस मरीज का ऑपरेशन किया गया, वह दो बेहद दुर्लभ जन्मजात हृदय समस्याओं से जूझ रहा था। पहली बीमारी थी कंजेनिटली करेक्टेड ट्रांसपोजिशन ऑफ द ग्रेट आर्टरीज (सीसीटीजीए), जिसमें हृदय के निचले कक्ष सामान्य स्थिति से उल्टे होते हैं। इस वजह से हृदय के दाहिने हिस्से को पूरे शरीर में रक्त पहुंचाने का अतिरिक्त दबाव झेलना पड़ता है। दूसरी समस्या डेक्स्ट्रोकार्डिया थी, जिसमें दिल सामान्य बाईं ओर होने के बजाय दाईं ओर स्थित होता है। इन दोनों स्थितियों के कारण मरीज के हृदय का एवी वाल्व गंभीर रूप से खराब हो चुका था और हृदय की कार्यक्षमता भी लगातार कम होती जा रही थी। इस चुनौतीपूर्ण सर्जरी के लिए डॉक्टरों ने पहले मरीज के सीटी स्कैन की थ्री-डी इमेज तैयार की, ताकि दिल की जटिल बनावट को पूरी तरह समझा जा सके। इसके बाद ऑपरेशन की विस्तृत योजना बनाई गई। आमतौर पर रोबोटिक हार्ट सर्जरी छाती के दाईं ओर से की जाती है, लेकिन इस मरीज का दिल दाईं तरफ होने के कारण डॉक्टरों ने पूरी तकनीक को बदलते हुए बाईं ओर से रोबोटिक सर्जरी की। यह तरीका पूरी तरह नया था और मेडिकल इतिहास में पहली बार अपनाया गया। सर्जरी के दौरान डॉक्टरों ने छाती की हड्डी काटने के बजाय छोटे-छोटे छिद्रों के जरिए रोबोटिक उपकरणों और हाई-डेफिनिशन 3डी विजुअल सिस्टम का इस्तेमाल किया। इससे बेहद सटीक तरीके से वाल्व को बदला गया और ऑपरेशन सफल रहा। इस आधुनिक तकनीक के कई फायदे हैं। मरीज की छाती की हड्डी नहीं काटनी पड़ती, जिससे दर्द कम होता है। खून का नुकसान भी बहुत कम होता है और संक्रमण का खतरा घट जाता है। इसके अलावा मरीज पहले की तुलना में काफी जल्दी स्वस्थ होकर सामान्य जीवन में लौट सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह उपलब्धि केवल एक सफल सर्जरी नहीं, बल्कि भारत के सरकारी अस्पतालों की बढ़ती क्षमता और आधुनिक चिकित्सा तकनीक का प्रमाण है।

नशा-मुक्त, स्वस्थ और सशक्त भारत के निर्माण का प्रधानमंत्री मोदी ने किया आह्वान

नई दिल्ली। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के ह्यनशा मुक्त भारत अभियानह्न के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से देशभर के युवाओं को संबोधित करते हुए नशा-मुक्त, स्वस्थ और सशक्त भारत के निर्माण का आह्वान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन को साकार करने की दिशा में केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया के मार्गदर्शन में देशभर के एक करोड़ से अधिक युवाओं ने नशा मुक्त युवा अभियान के तहत नशा-मुक्ति की शपथ लेकर एक नए राष्ट्रीय जन-जागरण का सूत्रपात किया। युवाओं की इस अभूतपूर्व सहभागिता ने इस अभियान को देश के सबसे बड़े जन-आंदोलनों में शामिल कर दिया। समारोह का शुभारंभ राष्ट्रगान एवं दीप-प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके उपरांत माई भारत की निदेशक ने राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री का स्वागत किया। अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने अभियान की रूपरेखा एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से नशा-मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में बिहार नशे के विरुद्ध इस निर्णायक अभियान के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक और हर युवा की सहभागिता से एक जन-आंदोलन का स्वरूप ग्रहण करेगा तथा बिहार को नशा-मुक्त, स्वस्थ और समृद्ध भविष्य की ओर अग्रसर करेगा। इसके उपरांत राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि नशा आज विद्यार्थियों और युवाओं के समक्ष सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। यह न केवल व्यक्ति को, बल्कि परिवार और पूरे समाज को भीतर से कमजोर कर देता है। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि आत्मबल, अनुशासन और दृढ़ संकल्प ही नशे के विरुद्ध सबसे प्रभावी शक्ति हैं तथा आज लिया गया संकल्प आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव बनेगा। कार्यक्रम में बी.के. वर्णिका ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने युवाओं के चरित्र-निर्माण में नैतिक मूल्यों, आध्यात्मिक चेतना और सकारात्मक जीवन-दृष्टि के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें नशा-मुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर माई भारत के राज्य निदेशक कपिल देव राम, माई भारत पटना की जिला युवा अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, गणमान्य अतिथि एवं बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

दिल्ली में युवाओं को फिटनेस और नशामुक्ति का संदेश देने के लिए निकाली गई साइकिल रैली

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में रविवार को फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए ह्यफिट इंडिया संडे ऑन साइकिलह्न का 84वां संस्करण आयोजित किया गया। इस बार कार्यक्रम की थीम ह्यनशा मुक्त भारतह्न रखी गई थी। साइकिल रैली के जरिए युवाओं को फिट रहने और नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। सभी ने मिलकर साइकिल चलाई और साथ ही योग व अन्य फिटनेस गतिविधियों में भी हिस्सा लिया। 2026 की एशियन यू-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट संजना ने भी इस आयोजन में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा, आज मैं फिट इंडिया मूवमेंट के 84वें संस्करण में शामिल होने आई हूं। यह अभियान स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी के छात्रों और युवाओं को एक साथ लाता है। फिट इंडिया मूवमेंट को साल 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक जन आंदोलन के रूप में शुरू किया था और अब केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया इस मिशन को आगे बढ़ा रहे हैं। फिट इंडिया चैंपियन और सर्टिफाइड फिटनेस एवं न्यूट्रिशन कोच सपना गोमला ने कहा, यह प्रधानमंत्री द्वारा लिया गया एक शानदार कदम है। नशा मुक्त भारत के विजन के जरिए यह हमारी युवा पीढ़ी को प्रेरित कर रहा है। अगर हमारा देश नशे से मुक्त रहेगा तो युवा अपने करियर, अपने स्वास्थ्य, अपने परिवार और अपने सपनों पर ध्यान दे पाएंगे। इसलिए मुझे लगता है कि नशा मुक्त भारत एक बहुत जरूरी पहल है। फिट इंडिया एंबेसडर और डाइट एवं फिटनेस एक्सपर्ट स्वाति सोढ़ी ने बताया, फिट इंडिया मूवमेंट 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के तहत शुरू हुआ था। यह पूरे देश का जन आंदोलन है। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया के नेतृत्व में संडे ऑन साइकिल पहल एक राष्ट्रीय फिटनेस आंदोलन बन गई है। आज हम इस अभियान के 84वें संस्करण में हैं। इसका फोकस स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी के छात्रों और युवाओं को इस मिशन से जोड़ना है और साथ ही नशा मुक्त भारत का संदेश हर घर तक पहुंचाना है। दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री विनय आर्य ने कहा, मेरे हिसाब से यह भारत सरकार की सबसे बेहतरीन पहलों में से एक है। आज जिस तरह से इसे आयोजित किया गया वह वाकई काबिल-ए-तारीफ है। मैंने खुद देखा कि हजारों युवा साइकिलिंग, योग और अन्य फिटनेस गतिविधियों में शामिल हुए।

कांग्रेस कनेक्ट पोर्टल पर दिल्ली कांग्रेस की 98 प्रतिशत उपलब्धि, कार्यकताओं की मेहनत का परिणाम: देवेंद्र यादव

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि कांग्रेस कनेक्ट पोर्टल पर संगठनात्मक समीक्षा में दिल्ली कांग्रेस की 98 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज होना पार्टी कार्यकताओं की मेहनत, एकजुटता और प्रतिबद्धता का परिणाम है। श्री यादव ने इस उपलब्धि का श्रेय दिल्ली कांग्रेस के प्रत्येक कार्यकर्ता को देते हुए कहा कि सभी ने दिन-रात मेहनत कर संगठन को मजबूत बनाया है। उन्होंने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल के साथ हुई समीक्षा बैठक में दिल्ली कांग्रेस का प्रदर्शन देश की अन्य प्रदेश कांग्रेस कमेटियों से बेहतर रहा। उन्होंने कहा कि संगठन सृजन अभियान के बाद बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, जिला एवं ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति, मंडलम और सेक्टर गठन, 13,000 बूथों पर बीएलए-2 की तैनाती तथा कार्यकताओं के प्रशिक्षण जैसे कदमों का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। श्री यादव ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी कांग्रेस कार्यकताओं ने संगठन को नई मजबूती दी। उन्होंने सभी कार्यकताओं से इसी समर्पण के साथ आगे भी जनहित के मुद्दों पर सक्रिय रहकर दिल्ली कांग्रेस को और सशक्त बनाने का आह्वान किया। साथ ही तिलक नगर, चांदनी चौक और रोहिणी जिला कांग्रेस कमेटियों के साथ समीक्षा बैठक कर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के निर्देश दिये।

लापता और अपहरण हुए 43 नाबालिग सहित 124 लोगों को दिल्ली पुलिस ने ढूंढा और परिवार से मिलाया

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम जिले की पुलिस ने लापता या अगवा हुए 43 बच्चों और 81 वयस्कों को उनके परिवारों से मिलाया है। पुलिस टीमों ने ऑपरेशन मिलाप के तहत 1 से 31 जुलाई तक 124 लोगों को ढूंढने और उन्हें सुरक्षित रूप से उनके परिवारों से मिलाया। पुलिस ने बताया कि लापता या अगवा लोगों की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस ने तुरंत तलाशी अभियान शुरू कर दिया। इसमें स्थानीय स्तर पर पूछताछ के साथ-साथ सीसीटीवी फुटेज की जांच और ऑटो स्टैंड, ई-रिक्शा स्टैंड, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशनों पर लापता या अगवा लोगों की तस्वीरें लगाने जैसे प्रयासों ने अहम भूमिका निभाई। लापता या अगवा लोगों की आवाजाही का पता लगाने के लिए बस ड्राइवरों, कंडक्टरों और वेंडरों से भी पूछताछ की गई। तलाशी अभियान के दौरान स्थानीय मुखबिरों की भी मदद ली गई। इसके अलावा आस-पास के पुलिस स्टेशनों और अस्पतालों के रिकॉर्ड की भी बारीकी से जांच की गई। आरके पुरम पुलिस ने 1 से 18 साल की उम्र की 2 लापता नाबालिग लड़कियों को ढूंढा। इसके अलावा, 7 लापता वयस्कों (4 पुरुष और 3 महिला) को भी ढूंढा गया। सभी मिले हुए लोगों को उनके परिवारों से सफलतापूर्वक मिला दिया गया। साउथ कैंपस पुलिस ने ने 1 लापता नाबालिग लड़की और एक पुरुष को ढूंढकर उनके परिजनों से मिलाया। वसंत कुंज नार्थ पुलिस ने 2 पुरुष और 3 महिलाओं को उनके परिवार से मिलाया। वसंत कुंज नार्थ पुलिस ने एक और ऑपरेशन में 1 से 18 साल की उम्र की 5 लापता लड़कियों को ढूंढा। इसके अलावा, 12 लापता वयस्कों 7 पुरुष और 5 महिलाओं को भी ढूंढा। कापसहेड़ा पुलिस ने 5 लड़के और 9 लड़कियों, 6 पुरुष और 8 महिलाओं को ढूंढा और उनके परिवारों से मिलाया। इस दौरान, पालम विलेज पुलिस ने 3 नाबालिग और 8 व्यस्क, सागरपुर पुलिस ने 5 नाबालिग, 10 व्यस्क, दिल्ली कैंट पुलिस ने 2 नाबालिग औरर 2 वयस्क, सरोजिनी नगर पुलिस ने 2 पुरुष और 1 महिला को ढूंढा और परिजनों मिलाया। वहीं, एसजे इंक्लेव पुलिस ने 2, किशनगढ़ पुलिस ने 5, मानव तस्करी विरोधी इकाई ने 10 और लापता व्यक्ति इकाई ने 13 लापता को पता लगाकर परिवार से मिलाया। दिल्ली पुलिस ने बताया गया कि बरामद किए गए कई व्यक्ति वर्षों से लापता थे। जुलाई में चलाए गए अभियानों के दौरान पुलिस ने 2020 में लापता हुए 12 वयस्कों, 2021 से लापता एक महिला 2024 के मामलों से जुड़े पांच व्यक्तियों, 2025 से लापता दो व्यक्तियों और 2026 में लापता हुए 104 व्यक्तियों का पता लगाया, जिनमें 41 नाबालिग और 63 वयस्क शामिल हैं।

इंडियन रिकवर्ड पेपर ट्रेडर्स एसोसिएशन ने अक्षरधाम मंदिर के पास किया वृक्षारोपण

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

पूर्वी दिल्ली। पेपर डे (1 अगस्त) पर पेपर मर्चेंट्स द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा शुरू करी गई एक पेड़ मां के नाम मुहिम को आगे बढ़ाते हुए दिल्ली में जगह जगह वृक्षारोपण किया गया। इस कड़ी में इंडियन रिकवर्ड पेपर ट्रेडर्स एसोसिएशन के बेनर तले पेपर मर्चेंट्स द्वारा ठ्ल - 24 रक्ळए ढहऊ(नजदीक - अक्षरधाम मंदिर) वृक्षारोपण अभियान शुरू किया गया । यहां पर अभियान का शुभारंभ डीडीसी ईस्ट दिल्ली चेयरमैन एवं विधायक डॉ अनिल गोयल की अगुवाई में एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेश सिंघल व महामंत्री राजीव शर्मा द्वारा किया गया । उल्लेखनीय है कि पेपर मर्चेंट्स के इस अभियान में दिल्ली नगर निगम के शाहदरा दक्षिणी जोन डिप्टी चेयरमैन राजू सचदेवा , विधायक रविन्द्र सिंह नेगी , अभय वर्मा , सहित कई अन्य पार्षद और गणमान्य लोग भी शामिल हुए । सभी ने एक पेड़ मां के नाम मुहिम को आगे बढ़ाने में अपना अपना योगदान किया। इस दौरान एसोसिएशन से कपिल कंसल, राकेश जैन , श्रीकिशन धीर व राकेश अग्रवाल सहित काफी संख्या में जुटे अन्य पेपर मर्चेंट्स ने भी वृक्षारोपण में हिस्सा लिया इस अवसर पर दिल्ली नगर निगम के शाहदरा दक्षिणी जोन के डिप्टी चेयरमैन राजू सचदेवा द्वारा एक पेड़ मां के नाम की मुहिम के तहत सर्वाधिक ऑक्सीजन देने वाला पीपल का पेड़ अपनी मां के नाम लगाया गया । पेपर डे के शुभ अवसर पर इंडियन रिकवर्ड पेपर ट्रेडर्स एसोसिएशन के प्रधान नरेश सिंघल ने बताया कि भारत मे यह गलत फहमी फैली हुई है कि पेपर निर्माण के चलते पेड़ों की अंधाधुंध कटाई हो रही है । जबकि हकीकत यह है कि भारत मे 80 प्रतिशत पेपर पुरानी रद्दी व कूड़े में से निकाले जा रहे पेपर आदि के कचरे से बनाया जा रहा है । यदि इस दृष्टिकोण से आंकलन किया जाय तो पता चलता है पेपर उद्योग स्वच्छ भारत अभियान की सफलता में भी अहम भूमिका अदा कर रहा है । ज्ञात रहे भारत में पेपर उद्योग कूड़ा बीनने वाले से लेकर छोटे बड़े लाखों व्यापारियों तक को रोजगार मुहैया करा रहा है एसोसिएशन के महामंत्री राजीव शर्मा ने इस मौके पर कहा कि पेपर मर्चेंट्स दिल्ली सरकार द्वारा राजधानी में 70 लाख पेड़ लगाए जाने के मिशन को गति देने का हर संभव प्रयास कर रहे हैं । आज का वृक्षारोपण अभियान भी उसी कड़ी का हिस्सा है । उन्होंने यह भी बताया कि सरकार द्वारा पर्यावरण के लिए हानिकारक सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग बंद किए जाने के बाद से जहां पेपर उद्योग में प्रगति हुई है वहीं पर्यावरण की सुरक्षा का दायरा भी बढ़ा है।

दिल्ली के शाहदरा में घर से ज्वेलरी और कैश चोरी में नौकरानी समेत दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। नई दिल्ली के शाहदरा जिले में थाना कृष्णा नगर पुलिस ने सोने के गहनों और कैश की चोरी के मामले में घर की नौकरानी समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई दो हीरे की अंगूठियां और 9,500 रुपए बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, कृष्णा नगर निवासी सचिन गुप्ता की शिकायत पर थाना कृष्णा नगर में ई-एफआईआर दर्ज की गई थी। शिकायत में बताया गया था कि 22 जून को दिन के समय अज्ञात चोरों ने उनके घर की अलमारी से दो हीरे की अंगूठियां, सोने के झुमकों की एक जोड़ी और 15,800 रुपए चोरी कर लिए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच हेड कांस्टेबल नीरज को सौंपी गई। इंस्पेक्टर विजेंद्र राणा के नेतृत्व में गठित टीम में हेड कांस्टेबल नवीन मलिक, हेड कांस्टेबल सचिन और हेड कांस्टेबल अरुण को शामिल किया गया। पूरी जांच एसीपी गांधी नगर और डीसीपी शाहदरा की निगरानी में की गई। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शिकायतकर्ता और अन्य गवाहों के बयान दर्ज किए तथा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की। इसके साथ ही तकनीकी सर्विलांस और स्थानीय खुफिया तंत्र की मदद से संदिग्धों की पहचान की गई। जांच में शिकायतकर्ता के घर पर काम करने वाली नौकरानी मोनिका पर संदेह हुआ। पूछताछ और तकनीकी जांच से खुलासा हुआ कि उसने अपने साथी विनीत के साथ मिलकर चोरी की साजिश रची थी। पुलिस ने जानकारी के आधार पर उत्तर प्रदेश के शामली जिले के गांव तहारपुर भाबिसा में छापेमारी कर विनीत को गिरफ्तार किया। बाद में सह आरोपी मोनिका को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने चोरी की वारदात में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। उनकी निशानदेही पर दो हीरे की अंगूठियां और 9,500 रुपए बरामद किए गए। पुलिस अब चोरी किए गए शेष सामान की बरामदगी के प्रयास कर रही है। शाहदरा पुलिस ने कहा कि संपत्ति संबंधी अपराधों में शामिल आरोपियों के खिलाफ सख्त और त्वरित कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। आरोपियों के बाद में और साक्ष्य जुटाए जा रहे है, जिसे और मामले का खुलासा हो सके।

संक्षिप्त समाचार

यूपीएससी का पेपर सुरक्षित, फिर एनईईटी बार-बार कैसे हो जाता है लीक?

मुंबई, एजेंसी। नीट पेपर लीक मामले को लेकर राजनीतिक विवाद फिर तेज हो गया है। राकां शरदचंद्र पवार पार्टी की सांसद सुप्रिया सुले ने केंद्र सरकार से सवाल किया कि जब यूपीएससी की परीक्षा का पेपर लीक नहीं होता, तो नीट (एनईईटी) का पेपर बार-बार कैसे लीक हो जाता है। उन्होंने मामले की पारदर्शी जांच और परीक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की मांग की। मुंबई में लोकशाहीर अण्णाभाऊ साठे की जयंती पर मीडिया से बातचीत में सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि नीट पेपर लीक की जांच के लिए एसआईटी, सर्वदलीय बैठक या संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) बनाई जानी चाहिए। सुले ने कहा कि कई कोचिंग संस्थान बड़े कारोबारी समूह बन चुके हैं और उनका शेयर बाजार में प्रवेश चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का बढ़ता व्यवसायीकरण रोकने और संसद में शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर चर्चा करने की जरूरत है। उन्होंने परीक्षा सुधार विधेयक पर भी असंतोष जताते हुए कहा कि केवल सजा का प्रावधान काफी नहीं है। सरकार को पेपर लीक की मूल वजह खत्म करने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। शिवसेना यूबीटी के पक्ष प्रमुख उद्धव ठाकरे ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ हुई कथित पुलिस कार्रवाई की आलोचना की। छात्रों के खिलाफ पुलिस एक्शन को अमानवीय बताते हुए उन्होंने कहा कि आंसू गैस छोड़ी गई, लाठियां बरसाई गईं। ठाकरे ने स्पष्ट किया कि छात्र केवल शिक्षा प्रणाली में सुधार चाहते थे। सरकार को पहले दिन ही छात्रों से शांति से बात करनी चाहिए थी। उन्होंने सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को छात्रों और उनके परिवारों से माफी मांगनी चाहिए।

हर सुबह हरियाली के नाम... गाजियाबाद में पीढ़ियों का जीवन संवारने को बुजुर्ग धरा को कर रहे हरा-भरा

गाजियाबाद, एजेंसी। शहर में लगातार बढ़ते कंक्रीट के जंगल और घटती हरियाली के बीच शहर के कुछ बुजुर्गों और पर्यावरण प्रेमियों ने एक ऐसी मिसाल कायम की है, जो समाज को पर्यावरण संरक्षण का वास्तविक अर्थ समझा रही है। पिछले करीब दो दशकों से यह टोली बिना किसी प्रचार-प्रसार या सरकारी सहायता की अपेक्षा किए लगातार पौधारोपण और उनकी देखभाल में जुटी है। इनके प्रयासों से अब तक शहर के विभिन्न हिस्सों में 25 हजार से अधिक छायादार, फलदार और औषधीय पौधे लगाए जा चुके हैं। इनमें से हजारों पौधे आज विशाल वृक्ष बनकर लोगों को छाया, स्वच्छ हवा और बेहतर पर्यावरण दे रहे हैं। राजनगर स्थित सेव अर्थ चैरिटेबल ट्रस्ट के बैनर तले चल रही यह मुहिम केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है। टीम का सबसे बड़ा लक्ष्य पौधों को जीवित रखना है। इसी कारण टोली के सदस्य प्रतिदिन सुबह छह बजे से करीब साढ़े सात बजे तक ई-रिक्शा और छोटे वाहनों में पानी की टंकियां भरकर निकलते हैं। शहर की अलग-अलग ग्रीन बेल्ट और सड़कों के किनारे लगाए गए पौधों की सिंचाई करते हैं, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं और जरूरत पड़ने पर नए पौधे भी रोपते हैं। इस अभियान की शुरुआत पर्यावरण प्रेमी अभय त्यागी ने अकेले की थी। धीरे-धीरे इस नेक कार्य से उद्यमी, सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारी और सामाजिक कार्यकर्ता जुड़ते चले गए। आज उनके साथ डा. राकेश चावला, अजय मित्तल, अश्विनी शर्मा, शिव कुमार शर्मा और धर्मेंद्र सहित कई सदस्य नियमित रूप से श्रमदान कर रहे हैं। वहीं अरुण त्यागी, पंकज गुप्ता, राजीव मल्होत्रा और मनोज कुमार जैसे सहयोगी आर्थिक और अन्य संसाधनों से इस अभियान को मजबूती दे रहे हैं। टीम के सदस्य बताते हैं कि पौधारोपण और देखभाल का अधिकांश खर्च वे अपनी पेंशन और निजी आय से उठाते हैं। किसी से कभी सहयोग की मांग नहीं की जाती। यदि कोई व्यक्ति स्वेच्छा से पौधे, पानी की व्यवस्था या अन्य सहयोग करता है तो उसका सम्मानपूर्वक स्वागत किया जाता है। यही कारण है कि अब राहगीर और स्थानीय निवासी भी इस अभियान से प्रेरित होकर पौधे दान करने लगे हैं। पर्यावरण संतुलन बनाने वाले अधिक लगाए पौधे इस मुहिम के तहत नीम, पीपल, पिलखन, सहजन, आम, इमली, बेल और अन्य देशी प्रजातियों के पौधे लगाए गए हैं। इनका चयन इस आधार पर किया जाता है कि वे लंबे समय तक जीवित रहें और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में अधिक उपयोगी साबित हों।

राज्य का दर्जा मांगते ही होता है आतंकी हमला, कुलगाम पर फारूक अब्दुल्ला का सवाल

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में ताजा आतंकी हमलों ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि पहलगाम हमले की तरह कुलगाम में भी श्रमिकों को नाम पूछकर मारा गया है। खुफिया इनपुट के अनुसार, कुलगाम में दो हिन्दू श्रमिकों की हत्या आतंकी संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' के आतंकियों ने की है। यह फ्रंट पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा से जुड़ा है। सूत्रों के अनुसार, पता चला है कि कुलगाम के केलाम में ईंट-भट्ठे पर श्रमिकों को उनका नाम पूछने के बाद गोली मारी गई। वहीं जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि जब भी राज्य का दर्जा मांगा जाता है तब ही ऐसा हमला क्यों होता है।

क्यों हो गई सुरक्षा एजेंसियों को चिंता

पुलिस को यह जानकारी घटनास्थल पर मौजूद दूसरे मजदूरों ने दी। इस इनपुट के बाद सुरक्षा एजेंसियां इसलिए चिंतित हैं, क्योंकि इस आतंकी हमले का पैटर्न पहलगाम हमले जैसा ही था। 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में भी आतंकियों ने 26 पर्यटकों को उनका धर्म पूछने के बाद मार डाला था। इससे पूर्व 22 जुलाई को हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी की भी हत्या कर दी गई थी। 10 दिन के भीतर लगातार दो आतंकी वारदातों ने संकेत दिया है कि आतंकी संगठन सुरक्षा बलों के साथ-साथ एक बार फिर प्रवासी मजदूरों को भी निशाना बनाकर घाटी में भय का माहौल पैदा करना चाहते हैं।

दो साल बाद हुआ प्रवासियों पर हमला

सुरक्षा एजेंसियां इसे क्षेत्र में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के प्रयासों को चुनौती देने की रणनीति के रूप में देख रही हैं। एक अधिकारी ने कहा कि कश्मीर में बाहरी लोगों पर लगभग दो साल बाद इस तरह का हमला हुआ है। इसलिए सुरक्षा बलों को खास सतर्कता के निर्देश दिए गए हैं। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने यहां पुलिस प्रमुख और अन्य अधिकारियों के साथ सुरक्षा की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने सुरक्षाबलों को निर्देश दिया कि वे आतंकवादियों को खत्म करने के लिए अभियान तेज करें। सिन्हा ने सभी उपायुक्तों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को प्रवासी मजदूरों की सुरक्षा के लिए लागू मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) की व्यापक समीक्षा करने का भी निर्देश दिया। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात और पुलिस व अन्य सुरक्षाबलों के वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया और सुरक्षा स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि घाटी के अन्य हिस्सों में भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है तथा लोगों और वाहनों की जांच सख्त कर दी गई है।

सितंबर तक तैयार होगा नोएडा एयरपोर्ट का अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल, दिसंबर से विदेशी उड़ानें शुरू होने की उम्मीद

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। नोएडा एयरपोर्ट का अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल का निर्माण सितंबर तक पूरा हो जाएगा। नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो की सुरक्षा को लेकर जांच और अनापत्ति के बाद साल के अंत तक विदेश के लिए विमान सेवा शुरू होने की संभावना है। मध्य पूर्वी एशिया और आसियान देशों के लिए अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर विशेष जोर होगा। नोएडा एयरपोर्ट से घरेलू विमान सेवा 15 जून से शुरू हो चुकी हैं। बेंगलुरु, मुंबई, हैदराबाद समेत देश के कई शहरों के लिए इंडिगो और अकासा एयर विमान सेवा का संचालन कर रही हैं। लेकिन लोगों को एयरपोर्ट से अंतरराष्ट्रीय विमान सेवा शुरू होने का बेसब्री से इंतजार है। एयरपोर्ट पर अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल का निर्माण अभी जारी है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि. के अधिकारियों के मुताबिक सिविल वर्क पूरा हो चुका है। आंतरिक साज सज्जा का काम चल रहा है। सितंबर अंत तक अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल पूरी तरह से तैयार हो जाएगा, लेकिन विमान सेवा शुरू होने से पहले नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो सुरक्षा मानक को लेकर जांच करेगा। उसकी अनापत्ति के बाद ही अंतरराष्ट्रीय विमान सेवा शुरू होगी। घरेलू टर्मिनल के सुरक्षा मानकों को लेकर भी सुरक्षा ब्यूरो ने कई आपत्ति लगाई। इसके चलते 28 मार्च को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों उद्घाटन के बाद यात्री सेवा 15 जून से शुरू हो पाई थीं।

6 साल बाद भारत-चीन सीमा पार व्यापार शुरू, मंत्री जगत नेगी ने छुप्पन ट्रेड मार्ट का किया उद्घाटन

रिकांगपिओ, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले के पूह उपमंडल की सीमावर्ती ग्राम पंचायत नमज्ञा में 1 करोड़ 70 लाख रुपए की लागत से निर्मित छुप्पन ट्रेड मार्ट का राजस्व मंत्री सिंह नेगी ने आश्वासन दिया कि वे मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के समक्ष यह प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे. ताकि विदेश मंत्रालय द्वारा चीन सरकार को इन विषयों पर अवगत करवाया जा नमज्ञा की प्रधान अंजलि नेगी ने मंत्री को अपने क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया. इस दौरान राजस्व मंत्री ने स्थानीय लोगों की जन समस्याएं सुनी और उनका मौके पर ही त्वरित

जगत सिंह नेगी ने उद्घाटन किया. 2020 के बाद भारत-चीन सीमा पार व्यापार आरंभ करने के लिए मंत्री ने हरी झंडी दिखाई. इस मौके पर कैबिनेट मंत्री जगत सिंह नेगी ने स्थानीय व्यापारियों से आह्वान किया कि वे पारदर्शिता एवं नियमानुसार केंद्र सरकार के वाणिज्य विभाग द्वारा तय आयात-निर्यात वस्तुओं के नियमों का सख्ती से पालन करें. वहीं, पूह व्यापार मंडल अध्यक्ष हिशे नेगी की मांग पर, जिसमें आयात-निर्यात वस्तुओं का दायरा बढ़ाने की मांग की गई थी, जगत सके. राजस्व मंत्री ने कहा, 'शिपकी-ला से सीमा पार व्यापार आरंभ होने से सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा और स्थानीय युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे '. जनजातीय विकास मंत्री ने स्थानीय लोगों को आश्वासन दिया कि वर्तमान प्रदेश सरकार सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही है. ताकि दुर्गम क्षेत्र में रहने वाले लोगों को मूलभूत सुविधाओं से वंचित न रहना पड़े. वहीं, निवारण भी किया. कैबिनेट मंत्री के ग्राम पंचायत नमज्ञा पहुंचने पर नमज्ञा, टाशीगंग महिला मंडलों ने किनौरी लोक नृत्य प्रस्तुत किया. कैबिनेट मंत्री ने सांस्कृतिक प्रस्तुति प्रस्तुत करने वाले महिला मंडलों को 25-25 हजार रुपए की राशि प्रदान की. उपायुक्त किन्नौर डॉ अमित कुमार शर्मा ने भारतीय सेना, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल, कस्टम व रेखांकित अंतरराष्ट्रीय ट्रेड अधिकारियों का उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया.

ऐसे नहीं कैंसल की जा सकती एफआईआर, सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया हाई कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि उच्च न्यायालयों को मुकदमा रद्द करने की अपनी शक्ति का इस्तेमाल बहुत ही सोच-समझकर और कभी-कभार ही करना चाहिए। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि हाईकोर्ट प्राथमिकी रद्द करने की मांग पर विचार करते समय मुकदमे का मिनी ट्रायल नहीं कर सकते।

मुकदमा रद्द करने की शक्ति का प्रयोग सोचकर करें हाईकोर्ट

जस्टिस संजय करोल और एन. कोटिस्वर सिंह की पीठ ने कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ राज्य सरकार की अपील पर यह फैसला दिया। हाईकोर्ट ने भ्रष्टाचार के आरोपों में कर्नाटक पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों पर दर्ज 6 प्राथमिकी रद्द कर दी थी। पीठ ने कहा कि यह तय कानून द्वारा स्थापित सिद्धांत है कि उच्च न्यायालयों को दर्ज प्राथमिकी रद्द करने की शक्ति का इस्तेमाल बहुत सोच-समझकर करना चाहिए। जस्टिस करोल ने कहा, जब कोई हाईकोर्ट प्राथमिकी रद्द करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा हो, तो उसे जांच से जुड़ी सामग्री के बारे में गैर-जरूरी छानबीन करने से बचना चाहिए। कहा गया कि हाईकोर्ट को बस यह देखना होता है कि क्या पहली नजर में प्राथमिकी के तथ्यों

से किसी संज्ञेय अपराध का पता चलता है या नहीं। अदालत ने कहा कि प्राथमिकी रद्द करने की मांग के शुरुआती चरण में ही हाईकोर्ट द्वारा 'मुकदमे का मिनी-ट्रायल' नहीं किया जा सकता। मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट ने अपने आदेशों में सीआरपीसी की धारा-482 के तहत याचिका पर विचार करने के दायरे से बाहर जाकर काम किया। पीठ ने कहा कि हाईकोर्ट ने अपने आदेश में दो अहम बातों पर ध्यान दिया था, पहला प्राथमिकी दर्ज करने में देरी और दूसरा पैसे की मांग या वसूली का कोई सबूत न होना। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि गैर-कानूनी तरीके से पैसे या फायदे की मांग और उसकी वसूली का सबूत न होना, बरी होने का तो आधार बन सकता है लेकिन, यह प्राथमिकी रद्द करने का आधार नहीं हो सकता। इसके साथ ही, सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट द्वारा छह प्राथमिकी रद्द करने का फैसला रद्द कर दिया। कर्नाटक पुलिस ने वर्ष 2020 में बेंगलुरु की सेंट्रल क्राइम ब्रांच के सहायक पुलिस आयुक्त प्रभु शंकर और अन्य के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण रोकथाम अधिनियम (पीसी एक्ट) एवं अन्य धाराओं में 6 प्राथमिकी दर्ज की थी। इसके बाद, आरोपी पुलिस अधिकारी प्रभु शंकर और इंस्पेक्टर निरंजन कुमार ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर दर्ज प्राथमिकियों को रद्द करने की मांग की। हाईकोर्ट ने सितंबर, 2021 में सभी पक्षों को सुनने के बाद यह कहते हुए दर्ज प्राथमिकियां रद्द कर दी।

बीजिंग असंबली के ओपन हाउस में भारतीय समुदाय ने उठाए वीजा और सोशल मीडिया से जुड़े मुद्दे

बीजिंग, एजेंसी। चीन में रहने वाले भारतीय समुदाय के सदस्यों ने भारतीय दूतावास के हाल के वर्षों में आयोजित पहले 'ओपन हाउस' कार्यक्रम में चीनी सोशल मीडिया पर भारत-विरोधी अपमानजनक सामग्री, भारतीय पेशेवरों को कार्य वीजा मिलने में गिरावट तथा उनके जीवनसाथियों के रोजगार पर प्रतिबंध सहित कई मुद्दों पर चिंता जतायी। भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को इस जनसंपर्क पहल का आयोजन किया, जिसमें बीजिंग में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत बड़ी संख्या में भारतीय पेशेवर शामिल हुए और समुदाय से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। भारत के राजदूत विक्रम दुरईस्वामी ने एक अन्य राजनयिक (दूतावास, शिक्षा एवं सामुदायिक मामलों) नितिनजीत सिंह तथा दूसरे राजनयिक (वीजा) रमेश सिंह के साथ भारतीय समुदाय के सदस्यों से विभिन्न विषयों पर बातचीत की। भौगोलिकसंदर्भ बैठक के दौरान जिन प्रमुख चिंताओं को उठाया गया, उनमें चीनी सोशल मीडिया मंचों पर भारतीयों, उनके खान-पान और संस्कृति के खिलाफ बढ़ती अपमानजनक सामग्री, भारतीय पेशेवरों को जारी किए जाने वाले कार्य वीजा की संख्या में कमी, उनके जीवनसाथियों के रोजगार पर प्रतिबंध तथा दूतावास संबंधी सेवाओं से जुड़ी कठिनाइयां शामिल थीं। मई में चीन में भारत के राजदूत का पद संभालने वाले दुरईस्वामी ने कहा कि द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने के प्रयासों के तहत उन्होंने चीनी अधिकारियों के साथ संपर्क बढ़ाया है। उन्होंने बताया कि अगले सप्ताह से भारतीय दूतावास भारतीय वीजा के लिए आवेदन करने वाले चीनी नागरिकों के लिए आवश्यक दस्तावेजों की प्रक्रिया को और सरल बनाएगा, ताकि भारत की यात्रा को बढ़ावा दिया जा सके। चीनी सोशल मीडिया पर भारत-विरोधी और अपमानजनक सामग्री को लेकर जताई गई चिंताओं के जवाब में दुरईस्वामी ने कहा कि चीनी सरकार भी इस तरह की सामग्री में बढ़ोतरी को लेकर चिंतित है और इससे निपटने के लिए कदम उठा रही है।

सदी का सबसे लंबा सूर्य ग्रहण: छह मिनट 23 सेकंड तक दिन में छाएगा अंधेरा, वैज्ञानिक क्यों मान रहे दुर्लभ घटना

वॉशिंगटन, एजेंसी। 2 अगस्त 2027 को दुनिया एक बेहद दुर्लभ खगोलीय घटना की गवाह बनेगी। इस दिन 21वीं सदी का सबसे लंबा पूर्ण सूर्य ग्रहण दिखाई देगा। ग्रहण के दौरान चंद्रमा पूरी तरह सूर्य को ढक लेगा और कुछ स्थानों पर दिन के समय करीब 6 मिनट 23 सेकंड तक अंधेरा छा जाएगा। इस दौरान तापमान में गिरावट महसूस होगी, आसमान में तारे दिखाई दे सकते हैं और सूर्य का बाहरी चमकीला भाग यानी कोरोना नजर आएगा। वैज्ञानिकों के अनुसार यह इस सदी की सबसे महत्वपूर्ण खगोलीय घटनाओं में से एक होगी।

यह पूर्ण सूर्य ग्रहण 2 अगस्त 2027 को अटलांटिक महासागर से शुरू होकर दक्षिणी स्पेन, जिब्राल्टर, उत्तरी अफ्रीका और मध्य पूर्व के कुछ हिस्सों से होकर गुजरेगा। ग्रहण का सबसे लंबा चरण मिस्र के लक्सर के पास दिखाई देगा, जहां करीब 6 मिनट 23 सेकंड तक पूर्ण अंधेरा रहेगा। यह 21वीं सदी का सबसे लंबा पूर्ण सूर्य ग्रहण होगा, जिसे जमीन से आसानी से देखा जा सकेगा। इस कारण वैज्ञानिकों, खगोलविदों और ग्रहण देखने के शौकीनों के लिए यह एक ऐतिहासिक अवसर माना जा रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार इस असाधारण अवधि के पीछे पृथ्वी, चंद्रमा और सूर्य की विशेष स्थिति

जिम्मेदार होगी। ग्रहण के समय चंद्रमा पृथ्वी के अपेक्षाकृत करीब होगा, इसलिए वह सामान्य से बड़ा दिखाई देगा और सूर्य को पूरी तरह अधिक समय तक ढक सकेगा। वहीं पृथ्वी सूर्य से अपनी अधिकतम दूरी यानी एपहेलियन के करीब होगी, जिससे सूर्य थोड़ा छोटा दिखाई देगा। इन दोनों स्थितियों के एक साथ बनने से पूर्ण ग्रहण की अवधि सामान्य ग्रहणों की तुलना में काफी लंबी हो जाएगी। वैज्ञानिकों का कहना है कि ऐसा संयोग बहुत कम देखने को मिलता है। पूर्ण सूर्य ग्रहण का मार्ग हजारों किलोमीटर लंबा होगा। यह अटलांटिक महासागर से शुरू होकर दक्षिणी स्पेन, जिब्राल्टर, मोरक्को, अल्जीरिया, ट्यूनीशिया, लीबिया, मिस्र, सूडान, सऊदी अरब, यमन और सोमालिया तक पहुंचेगा। इनमें मिस्र को ग्रहण देखने के लिए सबसे बेहतर स्थान माना जा रहा है। लक्सर और न्यू वैली गवर्नरेट के आसपास के इलाकों में सबसे लंबी अवधि तक अंधेरा रहेगा। इसके अलावा यूरोप, अफ्रीका और एशिया के करोड़ों लोग कम से कम आंशिक सूर्य ग्रहण देख सकेंगे। ये ग्रहण भारत में नहीं दिखाई देगा। पूर्ण ग्रहण के समय कुछ मिनटों के लिए दिन का उजाला शाम जैसा हो जाएगा। तापमान में अस्थायी गिरावट आएगी और कुछ चमकीले ग्रह तथा तारे दिखाई दे सकते हैं। इसी दौरान सूर्य का कोरोना बिना किसी उपकरण के देखा जा सकेगा। इसके अलावा बेलीज़ बीड्स और डायमंड रिंग इफेक्ट जैसे दुर्लभ दृश्य भी दिखाई देंगे। ये तब बनते हैं जब सूर्य की किरणें चंद्रमा की सतह की घाटियों से होकर गुजरती हैं। यही वजह है कि पूर्ण सूर्य ग्रहण खगोल विज्ञान के सबसे आकर्षक दृश्यों में गिना जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार पूर्ण ग्रहण के बहुत सीमित समय को छोड़कर सूर्य को सीधे देखना आंखों के लिए खतरनाक हो सकता है।

इंडोनेशिया में मदुरा द्वीप के पास फेरी में आग लगने से 5 लोगों की मौत, 41 लापता

नुसंतारा, एजेंसी। इंडोनेशिया के मदुरा द्वीप के पास 271 लोगों को ले जा रही एक फेरी में आग लगने से कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 41 लापता हैं। इस हादसे में 225 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। फिलहाल लापता यात्रियों की तलाश के लिए बचाव दल का अभियान लगातार जारी है।

इंडोनेशिया के मदुरा द्वीप के पास रविवार को एक बड़ा हादसा हो गया। 271 लोगों, यात्रियों और क्रू मेंबर्स, को ले जा रही एक फेरी में अचानक आग लग गई। इस हादसे में कम से कम 5 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 41 लोग अभी भी लापता हैं।

इंडोनेशिया की खोज और बचाव टीम के मुताबिक, अब तक 225 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। यह फेरी पूर्वी जावा के सुराबाया से दक्षिण सुलावेसी के मकासर जा रही थी, तभी

रविवार सुबह इसमें अचानक आग लग गई।

लापता यात्रियों को ढूंढने के लिए बचाव टीमें लगातार काम कर रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि अभी तक आग लगने की वजह का पता नहीं चल पाया है। जिस मदुरा द्वीप के पास यह हादसा हुआ, वह जावा के उत्तर-पूर्वी तट के पास स्थित है।

पीओके चुनावों को लेकर पश्चिमी देशों के रुख पर क्यों उठे सवाल?: रिपोर्ट में दावा- पाक को मिल रही रणनीतिक छूट

तेल अवीव, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में हुए तथाकथित विधानसभा चुनावों को लेकर पश्चिमी देशों के रुख पर सवाल उठाए गए हैं। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चुनावों के दौरान धांधली, मतदाताओं को डराने-धमकाने और विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी जैसे आरोप सामने आए, लेकिन इसके बावजूद पश्चिमी देशों की प्रतिक्रिया अपेक्षाकृत शांत रही।

रिपोर्ट के अनुसार, इन चुनावों में विपक्षी दलों ने पाकिस्तानी अधिकारियों पर चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप के आरोप लगाए। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह केवल किसी एक आरोप का मामला नहीं है, बल्कि ऐसे आरोपों का एक दोहराया जाने वाला पैटर्न है, जिसके कारण कई मतदाताओं को लगता है कि मतदान से पहले ही चुनाव परिणाम तय कर दिए जाते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिण एशिया के अन्य देशों में चुनावी अनियमितताओं पर पश्चिमी देश अक्सर खुलकर प्रतिक्रिया देते हैं, जबकि पाकिस्तान के मामले में दशकों से अलग रवैया देखने को मिलता रहा है। इटली के राजनीतिक

सलाहकार, लेखक और भू-राजनीतिक विशेषज्ञ सर्जियो रेस्टेली ने टाइम्स ऑफ इस्राइल में प्रकाशित अपने लेख में लिखा, 'इसका परिणाम यह होता है कि पाकिस्तान को जवाबदेही से एक तरह की रणनीतिक छूट मिल जाती है। समय के साथ यह छूट एक आदत बन जाती है। ' उन्होंने लिखा कि शीत युद्ध के दौर में भी पाकिस्तान के साथ इसी तरह का व्यवहार हुआ। बाद में 11 सितंबर के हमलों के बाद आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में पाकिस्तान की रणनीतिक भूमिका के कारण लोकतांत्रिक जवाबदेही का मुद्दा पीछे चला गया। रेस्टेली ने दावा किया कि मौजूदा पाकिस्तान भी उसी ढांचे में फिट बैठता है। उन्होंने लिखा, 'इमरान खान जेल में हैं। अदालतें अपने फैसलों को लेकर पहले से अधिक सतर्क हो गई हैं। पिछले चुनावों के बाद मीडिया का दायरा सिमटा है और राजनीतिक विपक्ष पुलिस के दबाव में काम कर रहा है।' उनके अनुसार, ऐसे माहौल में पीओके में विवादित चुनाव कोई असामान्य घटना नहीं, बल्कि उसी व्यवस्था का हिस्सा हैं। रेस्टेली ने कहा कि पीओके में राजनीतिक वैधता कमजोर होने से इस्लामाबाद के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह दावा करना और कठिन हो जाता है कि कश्मीर मुद्दे पर उसका पक्ष लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व पर आधारित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,